धनबाद
मंगलवार 03.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-279 पृष्ठ- 12
अग्रहन शुक्ल पक्ष-2
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

# बिहार ऑब्जर्वर

## राजस्व प्रबंधन को मजबूत बनाएं अधिकारीः सीएम

**रांची (एजेंसी):** राज्य में विकास कार्यों को गति देनी है और राजस्व संग्रहण को भी बढ़ाना है. ऐसे में सभी विभाग राजस्व उगाही में तेजी लाने के साथ अतिरिक्त राजस्व संग्रहण के नए स्रोतों के लिए संभावनाओं को तलाशें. मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को झारखंड मंत्रालय में विभिन्न विभागों के प्रधान सचिव/सचिव के साथ वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के बजट से परे शुरू की गई नई योजनाओं के अतिरिक्त दायित्वों की पूर्ति एवं वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के अनुमूरक बजट की तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को ये निर्देश दिए.

**सभी विभाग राजस्व संग्रहण का एक्शन प्लान तैयार करें**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व प्रबंधन को मजबूत बनाएं. इसके साथ राजस्व की बर्बादी तथा स्थापना व्यय को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए जाएं. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि रेवेन्यू जनरेट सिस्टम का माइक्रो लेवल ऑब्जरवेशन कर इसकी खामियों को दूर करें. उन्होंने कहा कि सभी विभाग राजस्व संग्रहण का एक्शन प्लान तैयार करें.

**राजस्व संग्रहण से जुड़े विभागों में समन्वय जरूरी**

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार विभागों के बीच को-ऑर्डिनेशन नहीं होने से राजस्व संग्रहण की गति धीमी हो जाती है और लक्ष्य के हिसाब से राजस्व संग्रहण नहीं हो पता है, ऐसे में इस समस्या के समाधान के लिए सभी विभाग आपस मे समन्वय बनाकर राजस्व संग्रहण के कार्य को करें. इसके लिए जिलों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए.

**राजस्व देने वाले एजेंसियों को बिजनेस मॉडल बनाएं**

मुख्यमंत्री कहा कि कई विभागों में ऐसी कई एजेंसी, बोर्ड और निगम हैं जो राजस्व का बेहतर माध्यम साबित हो सकते हैं. ऐसी एजेंसियों को बिजनेस मॉडल के रूप में स्थापित करें, ताकि वे अपने कार्यों का विस्तार कर सकें। इससे राज्य को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कई उद्योग और कंपनियां कार्य कर रही हैं. इनके द्वारा सीएसआर मद से कई जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाता है. लेकिन, इनके द्वारा खर्च की जा रही सीएसआर राशि की जानकारी राज्य सरकार तक नहीं पहुंच पाती है. ऐसे में एक ऐसा मेकैनिज्म बनाएं, जिसके जरिए कंपनियों द्वारा सीएसआर मद में किए जाने वाले खर्च की जांच हो सके. उन्होंने अधिकारियों को यह भी कहा कि वे विभिन्न कंपनियों और उद्योगों समूहों के साथ बातचीत कर राजस्व बढ़ोतरी की संभावनाओं को तलाशें.

वहीं उच्च स्तरीय बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव वंदना दादेल, प्रधान सचिव एमएस मीणा, प्रधान सचिव सुनील कुमार, सचिव प्रशांत कुमार, सचिव प्रवीण टोप्पो, सचिव अमिताभ कौशल, सचिव अबू बकर सिद्दीक, सचिव कृपानंद झा, सचिव के श्रीनिवासन, सचिव मनोज कुमार, सचिव उमाशंकर सिंह, सचिव चंद्रशेखर, सचिव अरवा राजकमल, सचिव विप्रा भाल, सचिव जितेंद्र सिंह, सचिव मनोज के अलावा संजीव बेसरा, अमित कुमार , निशा उरांव और सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के निदेशक राजीव लोचन बक्शी उपस्थित थे.

## एक लाख 36 हजार करोड़ बकाए के लिए राज्य सरकार दायर कर सकती है मनी सूट

**रांची (एजेंसी):** झारखंड सरकार जल्द ही केंद्र के पास एक लाख ३६ हजार करोड़ के बकाए के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी. कानून के जानकारों के अनुसार, बकाए के लिए झारखंड सरकार मनी सूट दायर कर सकती है. यह प्रक्रिया १९०८ के सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत मनी सूट दायर किया जा सकता है. दरअसल २८ नवंबर को सीएम हेमंत सोरेन ने पहली कैबिनेट में यह फैसला लिया था कि एक लाख ३६ हजार करोड़ जो केन्द्र सरकार व केन्द्रीय उपक्रम पर बकाया है, उसकी वसूली के लिए विधिक कार्रवाई शुरू किया जाएगा. बताते चलें कि भूमि मुआवजे के रूप में एक लाख एक हजार १४२ करोड़, कॉमन कॉज के तहत ३२ हजार करोड़ और कोयले की रॉयल्टी के रूप में २५०० करोड़ रुपए बकाया है.

**सुप्रीम कोर्ट के आदेश का दिया गया है हवाला**

सीएम हेमंत सोरेन ने बकाया के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का भी हवाला दिया है. २५ जुलाई २०२४ को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि खदानों और खनिज भूमि पर दी जाने वाली रॉयल्टी कोई कर नहीं है. खनिजों पर कर लगाने का अधिकार राज्यों के पास है. सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि खनिज से संपन्न राज्यों को खनिजों और खनिज से युक्त भूमि पर केंद्र सरकार से १२ साल में किस्तों में रॉयल्टी और टैक्स वसूला जा सकता है. इसके बाद सीएम हेमंत सोरेन से केंद्र से बकाए की मांग की है.

**सुप्रीम कोर्ट ने 1989 के फैसले को खारिज कर दिया था**

सुप्रीम कोर्ट ने १९८९ के उस फैसले को भी खारिज कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि केवल केंद्र के पास खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर रॉयल्टी लगाने का अधिकार है. बताते चलें कि झारखंड सरकार को सबसे अधिक कोयला से लगभग ५५०० करोड़ रुपए रॉयल्टी मिलती है. ▶▶ 8

## मैं द साबरमती रिपोर्ट फिल्म के मेकर्स का उनके प्रयासों के लिए सराहना करता हूं : पीएम

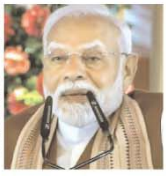

**वायनाड (ईएमएस):** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखी। संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी। इसे देखने के लिए पीएम मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई मंत्री-सांसद और एक्टर विक्रांत मैसी भी पहुंचे थे।

स्क्रीनिंग के बाद पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर फिल्म के मेकर्स की तारीफ की। उन्होंने लिखा- द साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग में साथी एनडीए सांसदों के साथ शामिल हुए। मैं फिल्म के मेकर्स का उनके प्रयासों के लिए सराहना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फिल्म देखने के बाद एक्टर विक्रांत मैसी ने मीडिया से कहा, आज प्रधानमंत्री जी के साथ और बाकी कैबिनेट मंत्रियों के साथ फिल्म देखने का एक अलग ही अनुभव था। मैं शायद इसे शब्दों में बयां नहीं कर पाऊंगा। बहुत खुशी है कि इस सबके साथ फिल्म देखने का मौका मिला। प्रधानमंत्री जी के साथ फिल्म देखना मेरे करियर का हाईएस्ट पॉइंट है।

## ममता बनर्जी ने पार्टी नेताओं को अनुशासनहीनता और अनुचित टिप्पणियों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की

**कोलकाता (ईएमएस):** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने पार्टी नेताओं को अनुशासनहीनता और अनुचित टिप्पणियों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की। राज्य विधानसभा में विधायक दल की बैठक में बोलते हुए, बनर्जी ने घोषणा की कि जब तक वह प्रभारी हैं, टीएमसी में सभी महत्वपूर्ण निर्णय उनके द्वारा लिए जाएंगे। बैठक के बाद टीएमसी के एक वरिष्ठ विधायक ने कहा, हमारी पार्टी सुप्रीमो ने कहा कि दूसरों की बातों पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं है। और जब तक वह हैं, पार्टी के मामलों पर अंतिम निर्णय वही लेंगी। उनका यह बयान पार्टी नेताओं द्वारा टीएमसी को शर्मसार करने वाली सार्वजनिक टिप्पणियों और आंतरिक सत्ता संघर्ष की बढ़ती अटकलों के बीच आया है।

बैठक में राज्य पार्टी अध्यक्ष सुव्रत बख्शी सहित वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया, जिन्हें ममता बनर्जी का करीबी विश्वासपात्र माना जाता है। बनर्जी ने संगठनात्मक मामलों को भी संबोधित किया, २०२६ के विधानसभा चुनावों से पहले अपने जमीनी स्तर के संबंधों को मजबूत करने के लिए टीएमसी के छात्र और युवा विंग के संभावित पुनर्गठन का संकेत दिया।

बनर्जी ने विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने और ऐसी टिप्पणियां करने से बचने की याद दिलाई, जो पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने ऐसे उदाहरणों का हवाला दिया, जहां नेताओं की सार्वजनिक टिप्पणियों ने अनावश्यक विवाद पैदा किए थे, जिसमें विधायक नारायण गोस्वामी की भड़काऊ टिप्पणियां और मंत्री हुमायूं कबीर के बयान शामिल हैं, जिसके कारण उन्हें कारण बताओ नोटिस दिया गया था।

## राम रहीम को माफी केस में अकाल तख्त की सजा

### सुखबीर बादल साफ करेंगे वॉशरूम-जूठे बर्तन

**अमृतसर (ईएमएस):** पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने सोमवार को स्वीकार किया कि अकाली सरकार के दौरान डेरा प्रमुख राम रहीम को माफी दिलाने में उन्होंने भूमिका निभाई थी। सुखबीर बादल के मामले को लेकर अकाल तख्त में पांच सिंह साहिबानों की बैठक हुई, जिसमें उन्हें और शिरोमणि अकाली दल सरकार के दौरान अन्य कैबिनेट सदस्यों को धार्मिक दुराचार के आरोपों के लिए सजा सुनाई गई। सुखबीर बादल और २०१५ की अकाली सरकार के अन्य कैबिनेट सदस्यों को स्वर्ण मंदिर में शौचालय साफ करने, बर्तन साफ करने समेत अन्य धार्मिक दंड दिया गया है। वहीं अकाल तख्त ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को दी गई फकर-ए-कौम उपाधि वापस ले ली।

अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने शिरोमणि अकाली दल की कार्य समिति को तीन दिनों के भीतर सुखबीर बादल का इस्तीफा स्वीकार करने और अकाल तख्त साहिब को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। अकाल तख्त ने शिरोमणि अकाली दल की कार्य समिति को सदस्यता अभियान शुरू करने और छह महीने के भीतर नए अध्यक्ष का चुनाव करने का भी निर्देश दिया है।

## पंडित धीरेंद्र शास्त्री को हत्या की धमकी

**अमृतसर (ईएमएस):** मध्यप्रदेश स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बयान को लेकर पंजाब में बवाल शुरू हो गया है। १८ मार्च को मुरादाबाद में धीरेंद्र शास्त्री ने हरिहर मंदिर को लेकर बयान दिया था। हालांकि पंजाब के सिख कट्टरपंथी बरजिंदर परवाना ने इसे अमृतसर स्थित हरमंदिर साहिब यानी गोल्डन टेंपल से जोड़ दिया। उसने पंडित शास्त्री को धमकी तक दी कि उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है, चाहे जैसे मर्जी, उन्हें मार डालेंगे। परवाना ने पंडित शास्त्री को पंजाब आने तक की चुनौती दे डाली। पंजाब के कपूरथला जिले के कादराबाद गांव में २६ से ३० नवंबर तक ५ दिन का समागम था। जिसके मंच से परवाना ने बाबा बागेश्वर को यह धमकी दी।

## एसआई ने खुद को गोलीमार की खुदकुशी रिसॉर्ट में मिली खून से लथपथ लाश

### रिसॉर्ट में चेक इन के समय महिला थी साथ, पुलिस कर रही जांच

**मुलुगु (ईएमएस):** तेलंगाना के मुलुगु जिले में एक एसआई ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोलीमार कर उड़ा लिया। मृतक एसआई की पहचान बाजेडु पुलिस स्टेशन में कार्यरत आर हरीश के रूप में हुई है। हरीश ने सोमवार सुबह एतुरानगरम मंडल के मुल्लाकट्टा गांव के पास एक रिसॉर्ट में खुदकुशी कर ली। एसआई ने रविवार को हरिया रिसॉर्ट में चेक इन किया था।

बताया जा रहा है कि जब उन्होंने यह कदम उठाया तो उनके साथ एक महिला थी। सोमवार सुबह रिसॉर्ट के कर्मचारियों ने देखा कि एसआई हरीश के कमरे का दरवाजा खुला था और वह बिस्तर पर खून से लथपथ पड़े हैं। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस को एसआई का शव खून से लथपथ मिला। एसआई की खुदकुशी का कारण अभी अज्ञात है। पुलिस को संदेह है कि निजी कारणों के चलते उन्होंने खुदकुशी की होगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हरीश भूपालपल्ली जिले के वेंकटेश्वरलापल्ली गांव के रहने वाले थे। रविवार को ड्यूटी पर जाने के बाद वह एक महिला के साथ रिसॉर्ट में ठहरे थे। महिला की पहचान नहीं हो सकी है। बता दें कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में हाल के महीनों में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जिनमें पुलिस अधिकारियों ने खुदकुशी की। इनमें से ज्यादातर निजी कारणों से यह कदम उठाया है।

## सरकार ने पेट्रोल-डीजल और एटीएफ से विंडफॉल टैक्स हटाया

### वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा नोटिफिकेशन में दी जानकारी

**नई दिल्ली (ईएमएस):** केंद्र सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ), पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी, यानी विंडफॉल टैक्स को हटा दिया है। अब पेट्रोल-डीजल का एक्सपोर्ट करने वाली रिफाइनिंग कंपनियों को कोई विंडफॉल टैक्स नहीं देना होगा। साथ ही सरकार ने क्रूड प्रोडक्ट्स पर लगाए जाने वाले विंडफॉल टैक्स को भी हटा दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में नोटिफिकेशन पेश किया, जिसमें यह जानकारी दी गई थी।

तीन महीने पहले सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादन किए जाने वाले क्रूड ऑयल के एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स को घटाया था। अपनी रेगुलर रिव्यू में सरकार ने विंडफॉल टैक्स को २,१०० रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर १,८५० रुपए प्रति मीट्रिक टन किया था। यह बदलाव ३१ अगस्त से लागू हुआ था। सरकार हर १५ दिन पर विंडफॉल टैक्स रिव्यू करती है। इससे पहले सरकार ने १६ अगस्त को विंडफॉल टैक्स को ४,६०० रुपए प्रति मीट्रिक टन से ५४.२४ प्रतिशत घटाकर २,१०० रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया था। इस हिसाब से अगस्त महीने में दो बार में सरकार ▶▶ 8

## हिंदुओं पर हमले नहीं रुके तो रोक देंगे सामानों का निर्यात शुभेंदु अधिकारी ने बांग्लादेश को दी धमकी

**पेट्रापोल (बंगाल):** पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को धमकी दी. उन्होंने कहा कि यदि पड़ोसी देश अल्पसंख्यक हिंदुओं और उनके संस्थानों पर लगातार जारी हमलों को रोकने में विफल रहा तो राज्य से सड़क मार्ग के जरिये बांग्लादेश को किये जाने वाले 'निर्यात' पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया जाएगा.

उत्तर २४ परगना जिले में पेट्रापोल अंतरराष्ट्रीय भूमि सीमा पर भिखुओं के एक अराजनीतिक संगठन, अखिल भारतीय संत समिति द्वारा आयोजित एक विरोध बैठक में शुभेंदु ने घोषणा की कि 'बांग्लादेश के लिए व्यापार प्रतिबंधों को चरणबद्ध तरीके से कड़ा किया जाएगा, जिससे भारत से बांग्लादेश में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की व्यवस्था चरमरा जाएगी. इस बैठक में अधिकारी ने जिले के कई अन्य भाजपा नेताओं के साथ भाग लिया.

पड़ोसी देश में भारतीयों और अल्पसंख्यक हिंदुओं के कथित उत्पीड़न के विरोध में पेट्रापोल सीमा पर वस्तुओं का व्यापार सोमवार सुबह छह बजे से २४ घंटे के लिए निलंबित रहा. सीमा पर व्यापारियों ने व्यापार बंद करने के आह्वान का जवाब दिया. प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व मुख्य रूप से बंगीय हिंदू समिति नामक संगठन ने किया. व्यापारियों ने कारोबार बंद करने के प्रदर्शनकारियों के ▶▶ 8

## निर्मला सीतारमण और विजय रुपाणी को महाराष्ट्र सीएम चुनने के लिए बनाया पर्यवेक्षक

### बीजेपी विधायक दल की बैठक 4 को, नए नेता का होगा चयन

**नई दिल्ली (ईएमएस):** महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री चुनने की प्रक्रिया तेज हो गई है। बीजेपी ने विधायक दल की बैठक के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ये दोनों नेता मुंबई जाकर विधायकों के साथ बैठक करेंगे और नए मुख्यमंत्री के नाम पर सहमति बनाएंगे। बीजेपी विधायक दल की बैठक ४ दिसंबर को प्रस्तावित है। इस बैठक में नए नेता सदन का चयन होगा। पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायकों से बातचीत के बाद सीएम के नाम पर अंतिम मुहर लगेगी। नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह ५ दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में शाम ५ बजे होगा। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि इस दिन मुख्यमंत्री के साथ डिप्टी मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों को भी शपथ दिलाई जाएगी या नहीं। बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट), और एनसीपी (अजित ▶▶ 8

## 26 वर्षीय आईपीएस अधिकारी की सड़क हादसे में मौत

### आईपीएस हर्षवर्धन अपनी पहली पोस्टिंग में जॉइनिंग देने जा रहे थे

**बेंगलुरु (ईएमएस):** कर्नाटक कैडर के २०२३ बैच के आईपीएस हर्षवर्धन अपनी पहली पोस्टिंग के लिए ज्वाइनिंग देने जा रहे थे, तभी अचानक हुए सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। मध्य प्रदेश निवासी आईपीएस की गाड़ी रविवार देर शाम हादसे का शिकार हो गई, जिसमें उनकी मौत हो गई। उनके निधन पर सीएम सिद्धारमैया ने शोक जताया है।

कर्नाटक के हासन जिले से प्राप्त जानकारी अनुसार आईपीएस अफसर हर्षवर्धन की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपनी पहली तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने जा रहे थे। पुलिस के अनुसार कर्नाटक कैडर के २०२३ बैच के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। दुर्घटना रविवार देर शाम को हुई। हर्षवर्धन जिस पुलिस वाहन से जा रहे थे उसका हासन तालुक के किट्टाने के निकट टायर फट गया, जिसके बाद चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क किनारे एक घर और पेड़ से टकरा गया।

पुलिस के अनुसार, हर्षवर्धन होलेनरसीपुर में परिवीक्षाधीन सहायक पुलिस अधीक्षक के तौर पर ड्यूटी पर रिपोर्ट करने के लिए हासन जा रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्धन के सिर में गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मौत हो गई, जबकि चालक मंजेगौड़ा को मामूली चोटें आईं हैं। ▶▶ 8

## भारत की ब्रह्मोस की दुनिया हुई दीवानी, फिलीपींस के बाद अब 3 और देश इस खरीदने को तैयार

**मास्को (ईएमएस):** भारत और रूस की मिलकर बनाई गई दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के प्रति दुनिया की दीवानगी बढ़ती जा रही है। चीन की आक्रामकता से परेशान फिलीपींस के

### ब्रह्मोस मिसाइल को भारत और रुस ने मिलकर बनाया

बाद अब ३ और देश ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीद सकते हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के संयुक्त प्रबंध निदेशक रूस के अलेक्जेंडर बी माकसेचिक ने बताया कि चीन का पड़ोसी देश वियतनाम, दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम मुल्क इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात मिसाइल के बारे में बातचीत कर रहे हैं। ब्रह्मोस मिसाइल अपनी स्पीड और सटीक हमले के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है।

ब्रह्मोस मिसाइल को भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशिनोस्ट्रोयेनिया ने मिलकर तैयार किया है। एलेक्जेंडर ने कहा, यूएई, इंडोनेशिया और वियतनाम पहली नजर में मिसाइल में अपनी रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन तीन देशों के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की सप्लाई के लिए समझौता हो सकता है। हालांकि उन्होंने नहीं बताया कि मिसाइल डील के लिए यह बातचीत अभी कहां तक पहुंची है। फिलीपीन दुनिया का पहला देश था जो कि ब्रह्मोस मिसाइल खरीद चुका है।

ब्रह्मोस मिसाइल का नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर रखा गया है। यह मिसाइल भारत की तीनों ही सेनाओं में शामिल है। इस मिसाइल की मारक क्षमता ३०० से लेकर ५०० किमी तक है। यह मिसाइल स्टील्थ तकनीक से लैस है, इसकारण मार गिराना दुश्मन के लिए आसान नहीं होता है। अब दोनों ही ब्रह्मोस मिसाइल के हाइपरसोनिक संस्करण पर मिलकर काम कर रहे हैं। इस ब्रह्मोस २ नाम दिया गया है। यह नई मिसाइल मैक ६ की हाइपरसोनिक स्पीड से दुश्मन पर हमला करने में सक्षम होगी।

नई ब्रह्मोस मिसाइल के अंदर हाइपरसोनिक स्क्रैमजेट तकनीक लगेगी। इसके पहले फिलीपीन ने भारत के साथ साल २०२२ में ३७ करोड़ ५० लाख डॉलर का समझौता किया था। भारत ने फिलीपीन को एंटी शिप ब्रह्मोस मिसाइल की सप्लाई भी कर दी है। दुनिया में बढ़ रहे तनाव के बीच अब यूएई, इंडोनेशिया और वियतनाम भी भारत-रूस की इस मिसाइल की ओर देख रहे हैं। भारत के इन तीनों ही देशों के साथ करीबी संबंध हैं। वियतनाम और इंडोनेशिया जहां चीन की दादागिरी से परेशान हैं, वहीं यूएई को ईरान और उसके प्राक्सी संगठनों के मिसाइलों से डर सताता रहता है। इसकारण वहां भी भारत के ब्रह्मोस की तरफ देख रहे हैं।

# विभिन्न जल स्रोतों पर से हटेगा अतिक्रमण

**धनबाद (कासं) :** जिले के विभिन्न तालाब, नदी, नाला सहित अन्य जल स्रोतों की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को चिह्नित कर उसे शीघ्र हटाने की कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। इसको लेकर सोमवार को उप विकास आयुक्त सादात अनवर की अध्यक्षता में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए और उसे अतिक्रमण एवं प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए टास्क फोर्स की बैठक समाहरणालय के सभागार में आयोजित की गई।

इस दौरान उप विकास आयुक्त ने कहा कि नगर विकास एवं आवास विभाग के निर्देशानुसार जल स्रोतों के आसपास अतिक्रमण हटाने एवं प्रदूषण को रोकने के लिए शहरी क्षेत्र के सभी जल स्रोतों का उसके मूल नक्शे के आधार पर आकार चिह्नित किया जाएगा। इसके बाद जल स्रोतों की भूमि तथा इसके आसपास की सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण और अवैध निर्माण को भी चिह्नित किया जाएगा।

इसके बाद अतिक्रमण को नियमानुसार शीघ्र हटाने की कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी जल स्रोत की भूमि या इसके आसपास की सरकारी भूमि की अवैध बंदोबस्ती कर ली गई है तो उस अवैध बंदोबस्ती के विरुद्ध नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध बंदोबस्ती को रद्द करने का प्रस्ताव पारित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जल स्रोत, नदी, नाले, तालाब को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए जल स्रोतों में ठोस या तरल अपशिष्ट पदार्थ के प्रवाह को दंडनीय अपराध घोषित करते हुए उसे रोकने के लिए भी ठोस कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अतिक्रमण मुक्त कराए गए क्षेत्र का स्पष्ट सीमांकन किया जाएगा। जिससे उसका दोबारा अतिक्रमण होने पर उसे आसानी से चिह्नित किया जा सकेगा। साथ ही उसे अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए जवाबदेही भी निर्धारित की जाएगी।

बैठक में नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, चिरकुंडा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा के अलावा धनबाद, पुटकी, गोविंदपुर एगारकुंड एवं बलियापुर अंचल के अंचल अधिकारी भी मौजूद थे।

## सड़क दुर्घटना में महिला अधिवक्ता की मौत

**जोड़ापोखर (ससे) :** सोमवार की शाम जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के डिगवाडीह की रहने वाली महिला अधिवक्ता नेहा वर्मा की मौत सड़क दुर्घटना में हो गई। परिजनों का रोसे कर बुरा हाल है। घटना की खबर मिलने के बाद अधिवक्ता नेहा वर्मा के शुभचिंतकों की भीड़ उसके आवास पर सीआरओ कॉलोनी में जुट गई। नेहा वर्मा धनबाद सिविल कोर्ट में अधिवक्ता थी। सोमवार को कोर्ट से मोटरसाइकिल से लौट रही थी तभी वाहन की चपेट में आकर घटनास्थल पर ही गिर गई और उसकी मौत हो गई। नेहा की बूढ़ी माँ मीरा देवी, बेटी तानिया व माही और छोटा बेटा आरुष १० वर्षीय रो-रो कर बुरा हाल है। घटना के बाद सिंदरी और धनबाद गांधी नगर से रिस्तेदार जुट गए हैं। नेहा धार्मिक कार्य में काफी आगे रहती थी। घटना की खबर मिलने के बाद गणेश पूजा कमेटी के लोग उसके घर और घटनास्थल पर पहुंच गए।

# टिकट खरीदारी में 10 प्रतिशत की वृद्धि : डीआरएम

**धनबाद (कासं) :** धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने प्रेस वार्ता कर बीते तीनचार महीनों की प्रमुख उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने टिकट चेकिंग, माल ढुलाई और आय वृद्धि के साथ यात्री सुविधाओं में सुधार की दिशा में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला।

टिकट खरीदारी में वृद्धि। डीआरएम ने बताया कि टिकट चेकिंग के प्रति यात्रियों में बढ़ती जागरूकता के कारण टिकट खरीदारी में १० प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

यह रेल मंडल के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है। माल ढुलाई में शीर्ष पर धनबाद रेल मंडल ने अप्रैल से नवंबर तक १२५.९५ मिलियन टन माल ढुलाई कर बिलासपुर रेल मंडल (१२२.०६ मिलियन टन) को पीछे छोड़ दिया। माल ढुलाई में यह अंतर लगभग ४ मिलियन टन का है, जो धनबाद मंडल की बेहतर प्रबंधन क्षमताओं को दर्शाता है। रेल मंडल ने नवंबर माह तक २०८७ करोड़ रुपये की आय अर्जित की है, जो बिलासपुर रेल मंडल से लगभग ३.०९ अधिक है। यह धनबाद मंडल की कार्यकुशलता और संसाधनों के बेहतर उपयोग का प्रमाण है।

डीआरएम ने यात्री सुविधाओं को लेकर कई नई योजनाओं की जानकारी दी। विभिन्न स्थानों पर नई स्टेपिंग दी जा रही हैं। यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए रेल कोच रेस्टोरेंट शुरू किए गए हैं। यात्री सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रोड अंडर ब्रिज और रोड ओवर ब्रिज बनाए जा रहे हैं।डीआरएम ने कहा कि धनबाद रेल मंडल अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

# सेवानिवृतकर्मी को दी गई भावभीनी विदाई

**जोड़ापोखर (ससे) :** बीसीसीएलकर्मी सह लोदना क्षेत्र के श्रमिक नेता सबूर गोराई के सेवानिवृत होने पर सोमवार को बीसीकेयू की ओर से बरारी कोलियरी कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में गोराई को सम्मानित किया गया।

यूनियन नेता सलाउद्दीन अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में भाकपा माले के विधायक सह यूनियन के महामंत्री अरूप चटर्जी, विधायक चंद्रदेव महतो, भाजपा के बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, निवर्तमान मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल सहित कई नामी गिरामी हस्तियों ने दलगत भावना से हटकर शामिल होकर श्री गोराई को कंपनी से सेवानिवृत होने पर बुके देकर सम्मानित करते हुए उन्हें स्वास्थ्य जीवन की कामना की।

विधायकों ने श्री गोराई से मजदूर हित में मजदूरों की आवाज को बुलंद करने को पूर्व की तरह मजदूरों की हक दिलाने को संघर्ष करने की अपील की। यूनियन एवं कर्मियों द्वारा आयोजित समारोह में बाजे गाजे व संथाली नृत्य गीत से श्री गोराई का स्वागत करते हुए उन्हें एक मोटरसाइकिल तथा चांदी का मुकुट सहित कई उपहार भेंट की। कर्मियों द्वारा दी गई सम्मान से अभिभूत श्री गोराई ने कर्मियों को आश्वस्त किया कि वे कंपनी से रिटायर्ड हुए है लेकिन उनको उनकी हक व अधिकार दिलाने को हमेशा उनके साथ मिलकर आवाज को बुलंद करते रहेंगे। मौके पर यूनियन के सचिव सुरेश गुप्ता, एएम पाल, सुरेश पासवान, जमसंघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष उमाशंकर शाही, अनिल सिंह, सुदर्शन प्रसाद, मनोहर सिंह, राजद के जिला उपाध्यक्ष बिनोद पासवान, मस्जिद कमिटी के सदर अलीम अंसारी आदि मुख्यरूप से उपस्थित थे।

## पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान

**धनबाद (कासं) :** पर्यावरण संरक्षण को संतुलित करने तथा सफल खनन उद्योग का एक केस स्टडी विषय पर व्याख्यान सोमवार को किया गया। यह व्याख्यान मिशन लाइफ कीनोट व्याख्यान श्रृंखला २०२४२५ का हिस्सा है, जिसका शीर्षक सतत विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण, नवाचार, चुनौतियां और समाधान है, जिसे आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के ईआईएसीपी कार्यक्रम केंद्र (आरपी) द्वारा आयोजित किया गया है।

व्याख्यान में खनन उद्योग के प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभावों का पता लगाया जाएगा और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए प्रभावी पर्यावरण प्रबंधन प्रथाओं पर प्रकाश डाला जाएगा। इसमें पारिस्थितिकी तंत्र को उसकी मूल स्थिति में बहाल करने या इसे और बढ़ाने के लिए लिम्राइट खनन उद्योग में लागू अनुकरणीय पुनर्ग्रहण और बहाली रणनीतियों पर भी चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सत्र में एकीकृत कृषि प्रणालियों पर एक क्षेत्र अध्ययन शामिल होगा जो परिपत्र अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को शामिल करता है।

# विधायक राज सिन्हा को मिला सम्मान

**धनबाद (ससे) :** तीसरी बार लगातार धनबाद विधायक बने राज सिन्हा को सम्मानित करने का सिलसिला ज़ारी है। इसी संदर्भ में सोमवार को समाजसेवी उदय प्रताप सिंह एवं युवा नेता दिलीप सिंह ने विधायक राज सिन्हा को अपने साथियों और समर्थकों के साथ लिलोरी माता की पूजा-अर्चना की।

मौके पर उदय प्रताप सिंह ने कहा कि अपने पिछले १० वर्षों के कार्य बल के आधार पर तीसरी बार भी धनबाद विधायक चुने गए हैं और पूर्ण आशा है कि वे तीव्र गति से धनबाद विधानसभा का विकास एवं लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे। मौके पर विधायक ने उदय प्रताप सिंह एवं दिलीप सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह धनबाद विधानसभा के लोगों का प्यार और आशीर्वाद के कारण ही लगातार तीसरी बार धनबाद विधायक चुना गया। सम्मान कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सरवन राय, जिला महामंत्री मानस प्रसून, मनोज मालाकार, हर्ष सिंह रवि सिन्हा, मनोज गुप्ता, रंजय सिंह, बालमुकुंद, उदय यादव,रिपु सिंह, डब्ल्यू सिन्हा, पिंटू मोदी, डब्ल्यू सिंह, राजा तिवारी, शशि सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

# आर्ट एंड कल्चर में सिमरन ने मारी बाजी

**लोयाबाद (ससे) :** लोयाबाद सेंट्रा के प्राइवेट चालक की पुत्री ने आर्ट एंड कल्चर पीजी में बीबीएमकेयू विश्वविधालय में टॉप कर धनबाद जिले में लोयाबाद का नाम रोशन किया है। लोगों ने उसे बधाई दी। बताया जाता है कि ३० नवंबर २०२४ को सत्र २०२२२०२४ का बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में आर्ट एंड कल्चर पीजी डिपार्मेंट का रिजल्ट घोषित किया गया, जिसमें लोयाबाद सेन्द्रा ५ निवासी छात्रा सिमरन चौहान, पिता राजू चौहान टॉप कर वोकल म्यूजिक में धनबाद जिले मे एक कीर्तिमान हासिल की। सिमरण एक साधारण परिवार की लड़की है। परन्तु पढाई में हमेशा प्रथम स्थान प्राप्त करते आई है। इनके पिता प्राईवेट कंपनी में चालक के रूप में कार्य करते है, जबकी मां गृहणी है। इनकी शिक्षा मैट्रिक २०१७ में संत जेवीर्यस स्कूल तेतुल्मारी से की और इंटर, स्नातक बी ए स ए स महिला कॉलेज धनबाद से की है। सभी के परीक्षाफल में प्रथम स्थान प्राप्त की थी। इनके पिता राजू चौहान ने बताया कि जब यह स्कूल में पढ़ती थी तो इनके स्कूल शिक्षक द्वारा घर में आकर कहा था कि आपकी बेटी बहुत अच्छा गाना गाती है तभी हमने यह निर्णय लिया था और इसे धनबाद के प्रसिद्ध म्यूजिकल शिक्षक मुन्ना गुरुजी से संगीत की शिक्षा दिलाई। यही वजह है कि यह प्रत्येक वर्ष अपने स्कूलकॉलेज और यूनिवर्सिटी के यूथ फेस्टिवल म्यूजिक कार्यक्रम में हमेशा प्रथम स्थान प्राप्त करती आ रही है। वहीं दूसरी ओर २० फरवरी २०२४ को ओडिशा में आयोजित ३७जी इंटर यूनिवर्सिटी ईस्ट जॉन यूथ फेस्टिवल क्लासिकल वोकल संगीत में भाग लेकर वहां से प्राइज जीतकर आई। सिमरन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता, पिता तथा अपने सभी परिवार दोस्तों को दिया है।

# राजकिशोर महतो की मनी पुण्यतिथि

**धनबाद (कासं) :** तोपचांची के गोमो रोड स्थित महतो मार्केट में सोमवार को युवा एकता मंच के बैनर तले झारखंड के पितामह स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो के प्रथम सुपुत्र पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, रेलवे सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष, झारखंड विधि आयोग के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय राज किशोर महतो की पुण्यतिथि मनायी गई। इस दौरान मंच के अध्यक्ष सह सामाजिक कार्यकर्ता सदानंद महतो ने कहा कि झारखंड राजनीतिक के वे एक ध्रुव थे। वे लेखक, वकील व दार्शनिक थे। उनके विचार हमेशा झारखंड हित में रहा था। उनके अथक प्रयास व चाणक्य नीति के बदौलत आज झारखंड अलग राज्य मिला है। वे सामाजिक कुरीतियों के विरोधी रहे थे। वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार युवाओं में हमेशा जिंदा रहेगा। इस अवसर पर अमर भारती, अमर जायसवाल, मनोज रजक, सुनील रजक, लखन महतो, प्रकाश ठाकुर, सुजीत भारती, सौरभ भारती, अनीक भारती, रूपेश कुमार, शाहिल खान, विशु डोम आदि लोग मौजूद थे।

# डॉ. दीपक कुमार सेन को बासभूमि पुरस्कार

**धनबाद (कासं) :** मुर्शीदाबाद जिला के बहरामपुर रवींद्र भवन में बासभूमि पत्रिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. डीके सेन संपादक शिल्पी अनन्या को उत्कृष्ट बंगला पत्रिका के लिए प्रतिष्ठित बासभूमि पुरस्कार दिया गया। बासभूमि पत्रिका के संपादक अरूप चंद्र प्रख्यात इतिहासकार शोधकर्ता लेखक और कवि है। बाशभूमि पत्रिका ४५ वर्ष से प्रकाशित हो रहा है। उनके द्वारा पिछले १६ वर्ष से पूरे देश से बंगला भाषा में उत्क्रिस्ट कार्य के लिए लेखक, कवि, शोधकर्ता चित्रकार और उत्कृष्ट पत्रिका के संपादक को चुना जाता है और उन्हें सम्मानित किया जाता है। यह हर्ष और खुशी की बात है कि इस बार झारखंड धनबाद से प्रकाशित होने वाला त्रैमासिक बंगला पत्रिका शिल्पे अनन्या के संपादक को दिया गया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के लेखक और कवियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित डॉ.काशी नाथ चटर्जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारत ज्ञान विज्ञान समिति सह परामर्शी शिल्पे अनन्या को अरूप चंद्र के लिखित पुस्तक देकर सम्मानित किया गया।

# भौंरा ओपी क्षेत्र में अवैध बालू का उठाव जारी

**कालीमेला (ससे) :** झरिया प्रखण्ड के जोड़ापोखर और भौंरा ओपी क्षेत्र अंतर्गत दामोदर नदी मोहलबनी, जहाज़तांड, डूंगरी नीचे बस्ती और लालबंगला पप्पू घाट के पास बने बिनोद पुल से डूंगरी इन सभी जगहों पर दिन रात आते जाते अवैध बालू लदा दर्जनों ट्रैक्टर देख कर अंदाजा लगा सकते हैं कि झारखंड राज्य का कितना राजस्व प्रति दिन इन बालू माफियों द्वारा लूटा जा रहा है। इस अवैध बालू लदा ट्रैक्टरों का अधिकांश का नंबर नहीं है। खुली रूप से बालू लदा ट्रैक्टर से सड़क पर लगातार बालू गिरता है। जिससे अब तक कई दुर्घटनाएं घटित हो चुकी है। स्थानीय पुलिस द्वारा खाना पूर्ति करने के लिए एका दूका गाड़ियों को पकड़ कर थाना ले जाया जाता है। उसके बाद कुछ दिनों बाद छोड़ दिया जाता है। इस बीच क्या खेल होता है ओ अब सभी जानने लगे है। फिर वही कार्यक्रम चालू हो जाता है। पिछले कुछ दिनों पहले अवैध बालू लदा दो ट्रैक्टर को जोड़ापोखार थाना सर्किल के एक वरीय अधिकारी द्वारा पकड़ कर थाना लाया गया था। जिसके कुछ दिनों के बाद ही उसे छोड़ दिया गया था। इसी क्रिया कलाप पर विगत कुछ दिनों से अपने सीनियर से सीख लेते हुए कार्य किया जा रहा है। ऐसे ही क्रिया कलाप से जिले के वरीय अधिकारियों के साज पर बट्टे लग रहे है। वहीं स्थानीय लोगों ने भी पुलिसिया क्रिया कलाप पर अपना विश्वास खो रही है। अब तो चौक चौराहों पर लोग बातें भी करने लगे है कि इन बालू माफियों को खनन विभाग द्वारा कोई करवाई करने से कतरा क्यों रही। सिंह ब्रदर्स, महतो ब्रदर्स और यादव ब्रदर्स का अलगअलग बालू घाटों पर अलग अलग बालू माफियों का कब्जा है।

अवैध बालू का उठाव और ढुलाई का कारोबार धड़ल्ले से जारी है।

इस अवैध कारोबार पर खनन विभाग एवं स्थानीय पुलिस अंकुश लगाने में नाकाम है। भौंरा, जहाजतांड, बिनोद पुल

# पहला कदम ने निकाली जागरूकता रैली

**धनबाद (कासं) :** सोमवार को नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित विशेष बच्चों की स्कूल पहला कदम में दिव्यंगता सप्ताह के अंतर्गत पहले दिन जागरूकता रैली निकाली गई। दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा और समाज को जागरूक करने का संदेश नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट का पहला कदम प्रेरणा का प्रतीक बना। धनबाद के पहला कदम विशेष स्कूल ने दिव्यांगता सप्ताह को इस बार एक नए और प्रेरक अंदाज में मनाया।

२ दिसंबर को आयोजित जागरूकता रैली ने न केवल शहरवासियों का ध्यान खींचा, बल्कि दिव्यांग बच्चों की हौसलों भरी मुस्कान से हर किसी का दिल जीत लिया। गोल्फ ग्राउंड से शुरू होकर रंधीर वर्मा चौक तक पहुंची यह रैली, दिव्यांगता के प्रति जागरूकता का संदेश देती हुई गुजरी। रैली के समापन पर बच्चों ने केक काटकर दिव्यांग दिवस का उत्सव मनाया। इस खास मौके पर कार्यपालक दंडाधिकारी रवींद्रनाथ ठाकुर को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उनकी प्रेरणादायक उपस्थिति ने बच्चों और दर्शकों का उत्साह दोगुना कर दिया।

कार्यक्रम में लायंस क्लब कोल्डफील्ड के सम्मानित सदस्यगण, ५ झार गर्ल्स सीओवाई एनसीसी और ३६ झारखंड बटालियन एनसीसी धनबाद ने भी अपनी अहम भूमिका निभाई। यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए एक खास दिन बना, बल्कि समाज को यह संदेश दिया कि दिव्यांगता किसी की क्षमता को नहीं रोक सकती। बच्चों ने अपनी अद्वत प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं। उनकी मासूमियत और साहस ने हर किसी को प्रेरित किया। नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट का यह प्रयास न केवल उनके योगदान को सराहने का एक मंच बना, बल्कि समाज को उनके अधिकारों और समानता के प्रति जागरूक करने का एक माध्यम भी साबित हुआ।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों और अतिथियों ने मिलकर यह संकल्प लिया कि समाज में दिव्यांगता के प्रति सकारात्मक सोच और समानता का वातावरण बनाना ही सच्चा उत्सव है। आज के खास दिन बच्चों के बीच स्वादिष्ट अल्पाहार का वितरण किया गया। नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट का पहला कदम अब प्रेरणा का प्रतीक बन चुका है। पहला कदम परिवार ने सभी सम्मानित अतिथियों का आभार प्रकट किया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

# बलियापुर चौक में चलेगा अतिक्रमण मुक्त अभियान : सीओ

**बलियापुर (ससे) :** बलियापुर सीओ प्रवीण कुमार सिंह ने सोमवार को एक आम इश्तेहार जारी कर बलियापुर चौक के दुकानों एवं सड़क किनारे अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाने का निर्णय लिया है। कहा कि बलियापुर बाजार में सड़क जाम से निजात के लिए अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए उक्त क्षेत्र का मापी चार दिसंबर को किया जाएगा। ग्रामीणों की शिकायत है कि बलियापुर बाजार सड़क जाम के कारण प्रतिदिन हजारों लोगों की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बीमार व्यक्ति प्रसूता महिला व दुर्घटना के मरीज को ले जा रहे एम्बुलेंस के मामलों में देरी के कारण बहुत घातक परिणाम सामने आते हैं।

सीओ ने दुकानदारों एवं अन्य लोगों से अपील की है कि शहर को जाममुक्त कराने में प्रशासन की सहायता करें। स्वेच्छा से अतिक्रमण नहीं हटाने पर अतिक्रमण को बलपूर्वक हटाया जाएगा। साथ ही कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

अतिक्रमण हटाने में हुए खर्च की वसूली अतिक्रमणकारी से की जाएगी। इसके लिए पर्याप्त संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिस बल की मांग थाना प्रभारी से की गई है।

## बाइक की टक्कर से साइकिल सवार घायल

**बलियापुर (ससे) :** सिंदरी सड़क के आमाघाटा जोड़ियां के पास सोमवार शाम करीब ६:३० बजे सिंदरी की ओर से आ रहे साइकिल सवार वासुदेव बाउरी को उनके पीछे आ रही एक बाइक ने उन्हें धक्का मार कर फरार हो गया। जिससे साइकिल सवार श्री बाउरी बुरी तरह घायल हो गया। घायल साइकिल सवार मोको गांव निवासी वासुदेव बाउरी को बलियापुर पुलिस ने उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलियापुर लाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे शहीद निर्मल महतो हॉस्पिटल धनबाद रेफर कर दिया गया। उनके चेहरे एवं शरीर के अन्य भागों में गंभीर चोटें आई है।

## ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत

**धनबाद (ठासं) :** धनबादहावड़ा रेलखंड के बरमसिया पुल के समीप सोमवार की अहले सुबह ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत हो गई। जिसके बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना पाकर धनबाद जी आर पी घटनास्थल पर पहुची और जांच में जुट गई है। शव की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। घटना स्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई है। पर लोग मृतक को पहचान नहीं पा रहें हैं।

# पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व सांसद राजकिशोर महतो

**बलियापुर (ससे) :** विनोद धाम बलियापुर में सोमवार को पूर्व सांसद स्वर्गीय राजकिशोर महतो की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

समाधि स्थल पर राजकिशोर महतो फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से स्थापित पूर्व सांसद स्वर्गीय महतो की प्रतिमा का अनावरण उनके अधिवक्ता पुत्र राहुल कुमार महतो, पूर्व विधायक आनंद महतो व भाजपा नेत्री तारा देवी ने किया। मौके पर लोगों ने पूर्व सांसद स्वर्गीय महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि देने वालों में धनबाद विधायक राज सिन्हा, पूर्व मंत्री राजकिशोर महतो, हीरालाल जलेश्वर महतो, जिप सदस्य उषा महतो, उप प्रमुख आशा देवी, अधिवक्ता राधेश्याम गोस्वामी, डॉ एसके सिन्हा, प्राचार्य डॉ पीसी मंडल, शंकर लाला, गणेश महतो, अरविंद किशोर महतो, संतलाल प्रमाणिक, महावीर महतो, जग्गू महतो, शांतिराम महतो, विनोद महतो, पूर्व मुखिया सबिता मुखर्जी, अशोक महतो, हीरू चरण महतो, दुर्गा चरण महतो, हैदर अली, परिमल महतो, साखूवार, संजय महतो, राजेश महतो, महेंद्र महतो, अशोक महतो, अरूण महतो, रंजीत महतो, पांचू महतो, दीपू महतो, आरविंद सिंह, मुखिया दिलीप कुमार महतो, राजू महतो, अधिवक्ता शेख खालीद, अधिवक्ता मोहन महतो आदि ने माल्यार्पण किया। वक्ताओं ने कहा कि पूर्व सांसद स्वर्गीय राजकिशोर महतो एक निर्भीक स्पष्टवादी एवं अब्दुल कादिर, निताई रजवार, जूझारू नेता थे।

## शिक्षकों ने दी विधायक चंद्रदेव महतो को बधाई

**बलियापुर (ससे) :** सिंदरी विधानसभा से भाकपा माले के नव निर्वाचित विधायक चंद्रदेव महतो का आज मध्य विद्यालय रघुनाथपुर के शिक्षकों ने उनके आवास जाकर बधाई दी। ज्ञातव्य हो कि चंद्रदेव महतो विधायक बनने से पूर्व शिक्षक ही थे। शिक्षकों ने स्थानांतरण, विद्यालय का आधारभूत संरचना, परिवहन भत्ता समेत कई समस्याओं को उनके समक्ष रखा। मौके पर स्वपन कुमार महतो, आर बी प्रभात, अभिजीत चटर्जी, कृष्ण शंकर प्रसाद, अशोक कुमार आदि उपस्थित थे।

# छात्रों को दिलाई गई बाल विवाह मुक्त की शपथ

**कतरास (ससे) :** बाल विवाह मुक्त भारत पर शिशु मंदिर श्यामडीह में सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रन द्वारा किया गया। सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग रांची के सदस्य डॉ आभा वीरेंद्र एवं झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संस्थापक प्रो० शंकर रवानी ने किया। सेमिनार में करीब १६०० छात्रों एवं शिक्षकों में बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ ली। सेमिनार को संबंधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ आभा वीरेन्द्र ने कहा कि बाल विवाह सामाजिक कुरीतियों के साथ साथ कानूनन अपराध है। बाल विवाह करने व कराने वाले समान रूप से दोषी है।

झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा धनबाद जिला में बाल विवाह मुक्त के लिये सघन जागरूकता का कार्य कर रही है। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों को छात्रों को विस्तार से बताया। झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संस्थापक प्रो. शंकर रवानी ने छात्रों को संबोधित करते कहा कि बच्चे देश के भविष्य है। बच्चों की सुरक्षा हम सभी की जिम्मेवारी है। प्रो. रवानी ने कहा कि हमारी संस्था द्वारा धनबाद में अभी तक ५१० बाल विवाह को रोका है। उन्होंने बाल विवाह अधिनियम २००६ पर विस्तार से प्रकाश डाला। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य अभिमन्यु सिंह ने किया। सेमिनार को झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के फील्ड कॉर्डिनेटर दीपा रवानी, चंदा कुमारी, उमेश ऋषि, राधा कुमारी आदि ने संबोधित किए।

## श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

**कतरास (ससे) :** अंगारपथरा लोडिंगघाड़ा के आंगनबाड़ी केंद्र में स्वर्गीय सिद्धेश्वर दुसाध की तृतीय पुण्यतिथि सोमवार को मनायी गयी। श्रद्धांजलि सभा के बाद आम, आंवला और तुलसी का पौधा केंद्र में लगाया गया। इस मौके पर उनकी पत्नी शकुंतला देवी, पुत्र वधु सह आंगनबाड़ी सेविका लॉली देवी, ध्रुव राज, पीयूष राज, अनामिका कुमारी पासवान, आसपास के समाजसेवी लोग मौजूद थे।

## प्रेमी जोड़े को पुलिस ने कराई शादी

**कतरास (ससे) :** सोनारडीह ओपी क्षेत्र में एक घर से भागे प्रेमी जोड़े को पुलिस ने बरामद कर समाज के बीच उनकी शादी कराई दी। यह घटना सोनारडीह प्रांगण में घटित हुई, जहां ओपी प्रभारी अरुणिमा बाग के निर्देश पर एसआई राजकुमार सिंह, समाजसेवी सुदेश दास और राजेश कुमार दास की देखरेख में दोनों की शादी कराई गई। जानकारी के अनुसार कोयरिडीह निवासी १९ वर्षीय युवती और श्यामडीह निवासी रामसागर दास (२१ वर्षीय), जो सुरेंद्र दास के पुत्र हैं, बीते दिनों घर से भाग गए थे। इस घटना के बाद युवती के पिता ने सोनारडीह ओपी में अपनी पुत्री की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों को बरवाअाडडा से बरामद किया। इसके बाद समाज के सदस्यों की उपस्थिति में दोनों की शादी कराई गई। समाजसेवियों और पुलिस की इस पहल से क्षेत्र में सकारात्मक संदेश गया है। इस घटना ने यह साबित किया कि आपसी समझ और सहयोग से समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

## महुदा थाना क्षेत्र में हो रही कोयले की तस्करी

**धनबाद (ससे) :** महुदा थाना क्षेत्र अंतर्गत जमडीहा और अंधेरी पुल के ऊपर अवैध कोयला का खनन फिर से शुरू कर दिया गया है। वहीं अंधेरी नदी पुल के ऊपर में कुछ अवैध खनन स्थल से पानी की निकासी कर खनन की तैयारी में कोयला तस्कर लग गए हैं। गौरतलब है कि उक्त स्थानों में जिला प्रशासन के दबाव के कारण कोयला के अवैध खनन को बंद कर दिया गया था। लेकिन कोयला तस्कर और सिंडिकेट के लोगों द्वारा दोबारा कोयला के अवैध उत्खनन को चालू करके पुलिस प्रशासन को तस्कर चुनौती दे रहे हैं।

वहीं बीसीसीएल और जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए टास्क फोर्स ने क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर निगरानी रखा है। फिर भी कोयला तस्करों का मनोबल सातवें आसमान पर है। यहां बिना डर भय के अवैध रूप से खनन कर कोयला की तस्करी जारी है। कुछ जगहों में तस्करी चालू कर दिया गया है। बताया जाता है कि सुबह अवैध कोयले की खनन कर रात के अंधेरे में कोयला की तस्करी कर रहे है।

## 70 वकीलों को सीनियर बनाए जाने पर विवाद

**नई दिल्ली (ईएमएस) :** दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा ७० वकीलों को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिए जाने के फैसले पर विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता ने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने को कहा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने २९ नवंबर को एक अधिसूचना जारी कर ७० वकीलों को वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया था। यह नामांकन एक स्थायी समिति द्वारा वकीलों के मूल्यांकन के बाद किया गया। हालांकि, समिति के सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर नंद्रजोग ने समिति से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि अंतिम सूची उनकी सहमति के बिना तैयार की गई थी। यह मामला सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश किया गया और याचिकाकर्ता ने मांग की कि तत्काल मामले की सुनवाई की जाए, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें।

## क्लब के सदस्यों ने किया चंद्रदेव का स्वागत

**बलियापुर (ससे) :** सोमवार को लायस क्लब आफ़ बलियापुर के सदस्यो ने सिंदरी विधानसभा के नव निर्वाचित विधायक चंद्रदेव महतो का स्वागत एवं अभिनंदन उनके आवास में किया। सभी सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष देवेंद्र मुखर्जी, गिरधारी लाल अग्रवाल, कैलाश प्रसाद अग्रवाल, कल्याण भट्टाचार्य, चितरंजन महतो, रामकेश्वर महतो, राधेश्याम सॉव, शंकर रविदास, मंसूर अंसारी उर्फ छोटू तथा पप्पू पाल आदि मौजूद थे।

# जबरन काम बंद कराने को ले मामला दर्ज

**पुटकी (ससे) :** बीसीसीएल पीबी एरिया के गोपालीचक कोलियरी अंतर्गत संचालित एसटीजी आउटसोर्सिंग के महाप्रबंधक वाईके सिंह ने लिखित शिकायत जबरन काम बंद कराने के विरुद्ध सोमवार को पुटकी थाना में मामला दर्ज कराया है। मामले में चार नामजदों में अजय कुमार रवानी, संजय कुमार, धर्मदीप कुमार, रवि शंकर कुमार के अलावे अन्य अज्ञात शामिल हैं। विदित हो कि एसटीजी आउटसोर्सिंग कंपनी में कार्यरत १६० मजदूरों का चक्का जाम आंदोलन सोमवार को भी जारी रहा। मजदूर वेतन में नियमानुसार वृद्धि, साप्ताहिक छुट्टी, चिकित्साव्यवस्था उपलब्ध कराने सहित अन्य मांगों के समर्थन में आंदोलनरत हैं। रविवार को पुटकी थाना परिसर में पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में दर्जनों मजदूर और आउटसोर्सिंग प्रबंधन प्रतिनिधि के बीच वार्ता असफल रही। इधर आउटसोर्सिंग प्रबंधन के प्रतिनिधि हरिहर चौहान ने बताया कि मजदूरों के अक्टूबर माह के वेतन में वृद्धि के साथ भुगतान किया है। हड़ताल से कंपनी को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

## अतिक्रमण हटाओं अभियान स्थगित

**कतरास (ससे) :** नगर निगम द्वारा चलाने वाले अतिक्रमण हटाओं अभियान को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया है। नगर प्रबंधक साबिर आलम ने कहा कि नली के ऊपर जितने भी कंस्ट्रक्शन कर के रोड को ब्लॉक किए है। उसे खाली करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि सभी दुकानदार ५ फीट तक शेड रख सकते हैं और नाली की साफसफाई के लिए जगह छोड़ दें अन्यथा अगले सप्ताह कार्रवाई की जाएगी।

## असम के सीएम सरमा ने कांग्रेस सांसद के बयान पर दी प्रतिक्रिया

**दिसपुर (ईएमएस) :** असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि मुझे खुशी है कि कांग्रेस के नेता बीफ के विरोध में हैं। अगर वह मुझे इस संबंध में पत्र लिखते हैं, तो हम सर्वसम्मति से बीफ पर बैन लगा देंगे। दरअसल, कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन ने आरोप लगाया था कि नगांव जिले के सामगुरी विधानसभा क्षेत्र में बीफ पार्टी का आयोजन किया गया था। उन्होंने कहा था कि इस तरह की पार्टी का आयोजन करने का मकसद मुस्लिम मतदाताओं को अपनी तरफ रिझाना था। उन्होंने दावा किया था कि उनके पास इसके सबूत भी हैं और वह इस संबंध में चुनाव आयोग द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे सकते हैं। उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं है। इस पर सीएम हिमंता बिस्वा शर्मा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस समागुरी में कांग्रेस ने २५ सालों तक राज किया है, वहां से उसका हार जाना शर्म की बात है।

बता दें कि बीजेपी के डिप्लू रंजन सरमा ने हाल ही हुए उपचुनाव में कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील को २४,५०१ मतों से पराजित किया था। इस बीच, हिमंता बिस्वा शर्मा ने कहा कि हार से दुखी रकीबुल हुसैन ने एक अच्छी बात कही है कि बीफ खाना गलत बात है। रकीबुल हुसैन के आरोपों को लेकर पर सीएम सरमा ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस इतने सालों तक बीफ पार्टी का आयोजन करके ही वहां चुनाव जीतती आई थी? अगर इस बात में सच्चाई है, तो इसका मतलब साफ है कि सामगुरी में बीफ परोसकर चुनाव जीता जा सकता है।

सीएम सरमा ने आगे कहा कि मैं रकीबुल हुसैन से जानना चाहता हूं कि बीफ पर बैन लगाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने खुद इस बात को स्वीकार किया कि बीफ खाना गलत है, तो ऐसी स्थिति में इस पर बैन लगाया जाना चाहिए।

## दिल्ली में ग्रेप4 लागू रहेगा

**नई दिल्ली (ईएमएस) :** दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने दिल्लीएनसीआर में ग्रेप४ को ५ दिसंबर तक बढ़ा दिया। जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा, ५ दिसंबर तक एक्यूआई लेवल में गिरावट देखने के बाद ही ग्रेप४ उपायों में ढील दी जाएगी। इसके साथ ही कोर्ट ने एनसीआर राज्यों दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और यूपी के मुख्य सचिवों को ५ दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा, सचिवों को बताना पड़ेगा कि ग्रेप४ उपाय लागू होने के बाद कितने कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भुगतान दिया गया।

## राम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा अस्पताल

**नई दिल्ली (ईएमएस) :** अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट ने राम भक्तों के लिए एक नई पहल शुरु की है। अब यदि श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में स्वास्थ्य संबंधित कोई समस्या होती है, तो उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं। अब राम मंदिर परिसर में अस्पताल खोला जाएगा, जिसका संचालन अपोलो संस्था द्वारा किया जाएगा। इस अस्पताल में अपोलो के चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे।

रोज मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या ८० हजार से ज्यादा होती है और त्योहारों के दौरान यह संख्या बढ़ जाती है। दर्शनार्थियों को राम मंदिर में प्रवेश करने के लिए सुग्रीव किला से राम जन्मभूमि पथ तक करीब १५०० मीटर पैदल चलना पड़ता है। इस दौरान गर्मी या ठंड के कारण श्रद्धालु बीमार पड़ जाते हैं और उन्हें उपचार की जरुरत होती है। अब राम जन्मभूमि परिसर में ही एक विशेष तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र खोला जाएगा, जहां श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार की सुविधा दी जाएगी।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि अपोलो ग्रुप की ओर से राम जन्मभूमि परिसर में करीब ३००० स्क्वायर फीट में एक इमरजेंसी हेल्थ केयर सेंटर खोला जाएगा। इसका निर्माण शुरु हो गया है। अपोलो ग्रुप के डॉक्टर यहां पर अपनी सेवाएं देंगे। उन्होंने कहा कि अक्सर भीड़भाड़ के कारण श्रद्धालुओं को इलाज की जरूरत पड़ जाती है, और कई बार मौसम के कारण भी उनकी सेहत खराब हो जाती है। ऐसे में राम मंदिर परिसर में स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध होना श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत की बात होगी।

### कश्मीर घाटी में रात का तापमान शून्य से नीचे

**श्रीनगर (ईएमएस) :** कश्मीर घाटी में रात का तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। ऐसा पश्चिमी विक्षोभ के कारण जम्मूकश्मीर में बर्फबारी और बारिश होने की आशंका है। जम्मू-कश्मीर मौसम विभाग के निदेशक ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण क्षेत्र में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इससे सोमवार से मंगलवार सुबह तक ऊंचाई वाले इलाकों और हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

# चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ईवीएम के खिलाफ छेड़ेगी आंदोलन

**नई दिल्ली (ईएमएस) :** झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद ईवीएम एक बार फिर चर्चा में हैं। कांग्रेस ने इनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए इनके खिलाफ बड़े आंदोलन की तैयारी की है। इस बहस के बीच, बांग्लादेश, जर्मनी, नीदरलैंड, जापान और आयरलैंड जैसे कई देशों ने ईवीएम का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर दिया है।

बांग्लादेश ने २०१८ के आम चुनावों में ईवीएम का इस्तेमाल किया था, लेकिन इसके बाद विपक्षी दलों के विरोध और दुरुपयोग के आरोपों के चलते २०२३ में पारंपरिक मतपेटियों पर लौट आया। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने ईवीएम पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे, जिसके दबाव में सरकार ने नई ईवीएम खरीदने का प्रस्ताव भी खारिज कर दिया था। इसके बजाय, बांग्लादेश ने पारंपरिक मतपत्रों की प्रक्रिया को अपनाकर चुनावी पारदर्शिता और सार्वजनिक विश्वास को बहाल करने का प्रयास किया। जापान ने भी सुरक्षा और विश्वसनीयता के सवालों के चलते २०१८ में नगरपालिका चुनावों के बाद ईवीएम का उपयोग बंद कर दिया था। यहां ईवीएम को पारदर्शिता की कमी और छेड़छाड़ के जोखिम के चलते नकारा गया।

जर्मनी में, २००९ में एक अदालत ने ईवीएम को असंवैधानिक घोषित कर दिया, क्योंकि ये आम नागरिकों के लिए पारदर्शी नहीं थी। इसके बाद जर्मनी ने कागजी मतपत्रों पर वापस लौटने का फैसला लिया। नीदरलैंड में २००६ में एक स्वतंत्र समूह ने ईवीएम की सुरक्षा खामियों को उजागर करते हुए बताया कि इन मशीनों से छेड़छाड़ संभव है। इसके बाद सरकार ने सभी ईवीएम को अमान्य घोषित कर दिया।

इसी तरह, आयरलैंड ने २०१० में सुरक्षा और पारदर्शिता की कमी के चलते ईवीएम का इस्तेमाल बंद कर दिया। दूसरी ओर पाकिस्तान जैसे देश ईवीएम के इस्तेमाल पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने एक प्रोटोटाइप विकसित किया है, लेकिन इसके उपयोग पर अंतिम फैसला अभी नहीं लिया गया है। भारत में ईवीएम का इस्तेमाल १९९० के दशक से हो रहा है और चुनाव आयोग इसे सुरक्षित और पारदर्शी मानता है। हालांकि, विपक्षी दलों का आरोप है कि इनका दुरुपयोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करता है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों ने इसके खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है।

ईवीएम को लेकर वैश्विक अनुभव यह बताता है कि चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और सार्वजनिक विश्वास बेहद अहम है। भारत में इस तकनीक का इस्तेमाल जारी रखने या बंद करने का फैसला इस बहस पर आधारित होगा कि यह प्रक्रिया को कितना विश्वसनीय और निष्पक्ष बनाता है। ईवीएम पर विवाद केवल तकनीकी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की बुनियादी संरचना और जनता के विश्वास से जुड़ा मुद्दा है।

# संपादकीय

# वायु प्रदूषण भारत में बड़ी समस्या

वायु प्रदूषण भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए एक चिंता का विषय है। हाल ही में देश का उत्तरी राजधानी क्षेत्र हवा की अत्यधिक खराब गुणवत्ता के कारण चर्चा में रहा। जिसके कारण लोगों में आक्रोश फैल गया और सरकार से और अधिक कठोर कार्रवाई की मांग की गई। अपना पड़ोसी देश चीन भी अतीत में इसी तरह की परिस्थितियों से गुजर चुका है। हालांकि, उसने अपने प्रयासों से स्थिति को बदला है और आज वह अपने कुछ प्रमुख शहरों, जहां पहले हवा की गुणवत्ता का स्तर खतरनाक था, स्वच्छ हवा वाले शहरों के रूप में स्थापित करने का गौरव प्राप्त कर रहा है।

भारत निश्चित रूप से स्मॉग और वायु प्रदूषण के व्यापक मुद्दे के खिलाफ अपनी चल रही लड़ाई में चीन से कुछ सबक सीख सकता है। हालांकि, चीन के तरीकों को दोहराने के किसी भी प्रयास को भारत की अनूठी चुनौतियों और परिस्थितियों के अनुसार बारीकी से समायोजित करने की आवश्यकता होगी। दोनों देश लंबे समय से गंभीर वायु गुणवत्ता के मुद्दों से जूझ रहे हैं, फिर भी चीन ने हाल के वर्षों में प्रदूषण को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है।

एक महत्वपूर्ण क्षेत्र जहां भारत चीन के दृष्टिकोण से लाभ उठा सकता है, वह है कड़े वायु गुणवत्ता नियमों का कार्यान्वयन और उनका मजबूती से पालन। चीन ने हाल के वर्षों में वायु गुणवत्ता के लिए और अधिक कठोर मानक पेश किए हैं, जिनका पालन न करने पर कठोर दंड भी लगाया गया है। कुछ मामलों में, स्थानीय सरकारों को विशिष्ट प्रदूषण कम करने के लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहने के लिए उत्तरदायी ठहराया जाता है। इस दंडात्मक दृष्टिकोण ने जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा दिया है, उद्योगों को पर्यावरण प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए मजबूर किया है और शहरों को अपने वायु गुणवत्ता मानकों में सुधार करने के लिए प्रेरित किया है। इसके विपरीत, भारत कमजोर प्रवर्तन तंत्रों से ग्रस्त है जो प्रदूषणकारी उद्योगों को जवाबदेह ठहराने में विफल रहते हैं, और पर्यावरण कानून प्रवर्तन का अधिकांश हिस्सा या तो अपूर्ण है या अप्रभावी है। इसी तरह की रणनीति को अपनाना, जहां विनियामक ढांचे ने केवल मजबूत हैं बल्कि सख्ती से लागू भी किए जाते हैं, भारतीय शहरों में औद्योगिक उत्सर्जन को बहुत कम कर सकते हैं। भारत को वायु गुणवत्ता मानकों को लागू करने, नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित करने और स्थानीय और राष्ट्रीय अभिनेताओं के लिए जवाबदेही का माहौल बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

दूसरा सबक, चीन की रिन्यूएबल एनर्जी और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की ओर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया है। चीनी सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा, विशेष रूप से वायु और सौर ऊर्जा में भारी निवेश किया है। उसने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उनकी शहरी नियोजन पहलों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। इसका परिणाम ऊर्जा उत्पादन और परिवहन से होने वाले उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी रहा है, जो वायु प्रदूषण के दो प्रमुख स्रोत हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए चीन की प्रतिबद्धता कि उसके शहर ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों और कम उत्सर्जन वाले वाहनों को अपनाएं। इस तरह के कुछ कदम भारत के लिए एक मूल्यवान मॉडल के रूप में काम कर सकता है। चीन की तरह भारत भी ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। खासतौर पर बिजली की क्षेत्र में जो कोयले पर निर्भरता के कारण और भी बढ़ गया है। हालांकि, भारत अक्षय संसाधनों से भी समृद्ध है, और सौर और वायु ऊर्जा की ओर ध्यान केंद्रित करने से न केवल प्रदूषण कम हो सकता है, बल्कि अधिक टिकाऊ तरीके से ऊर्जा सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकती है। इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस तरह के वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देकर और चार्जिंग स्टेशन जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार करके, भारत अपने प्रमुख शहरों की सड़कों पर वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम कर सकता है। रिन्यूएबल एनर्जी को अपनाने और ग्रीन ट्रांसपोर्टेशन क्रांति का संयोजन समय के साथ भारत की वायु गुणवत्ता में पर्याप्त सुधार ला सकता है। इसके अलावा, चीन द्वारा अपने औद्योगिक प्रथाओं को आधुनिक बनाने और साफ करने का प्रयास उसकी प्रदूषण नियंत्रण रणनीति में एक महत्वपूर्ण तत्व रहा है। पिछले एक दशक में, खासकर स्टील उत्पादन, सीमेंट निर्माण और कोयला खनन जैसे क्षेत्रों में चीन ने भारी प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद करने या अपग्रेड करने के लिए कठोर कदम उठाए हैं। कुछ मामलों में, उच्च प्रदूषण स्तर वाले क्षेत्रों में कारखानों को ऐसे क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया है जहां पर्यावरणीय प्रभाव को बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जा सकता है। चीन ने अत्यधिक प्रदूषण के दौरान उच्च उत्सर्जन वाले उद्योगों को अस्थायी रूप से बंद करने का साहसिक कदम भी उठाया है, जो अल्पकालिक वायु गुणवत्ता संकट को कम करने में मदद करता है।

## हम बंगलादेशी हिंदुओं की व्यथा को हल्के में न लें

**डा. वरिन्द्र भाटिया**

1971 की भारत पाक जंग के बाद हिंदुस्तान की बदौलत वजूद में आए बंगलादेश में हिंदुओं के साथ बुरा बर्ताव हमारे देश के लिए निरंतर चिंता का सबब बना हुआ है। जनसंख्या के लिहाज से, बंगलादेश भारत और नेपाल के पड़ोसी देशों के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हिंदू आबादी वाला देश है। बंगलादेश के 64 जिलों में से 61 में हिंदू धर्म दूसरा सबसे बड़ा धर्म है, लेकिन बंगलादेश में कोई भी हिंदू बहुल जिला नहीं है। वर्तमान बंगलादेश में हिंदू आबादी लगातार जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में घट रही है, 1941 में 28 प्रतिशत से 1971 में बंगलादेश की स्थापना के समय 13.5 प्रतिशत हो गई और 2022 में और कम होकर 7.9 प्रतिशत हो गई। बंगलादेश मुक्ति युद्ध के दौरान उत्पीड़न से बचने के लिए लगभग 80 लाख हिंदू भारत के विभिन्न हिस्सों में भाग गए। आजादी के बाद, यह पता चला कि 15 लाख हिंदू भारत में रह गए। ढाका विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री अबुल बरकत के अनुसार, 1964 से 2013 तक धार्मिक उत्पीड़न और भेदभाव के कारण लगभग 11.3 मिलियन हिंदुओं ने बंगलादेश छोड़ दिया। उनके अनुसार औसतन हर दिन 632 हिंदू देश छोड़कर चले गए और सालाना 230,612 हिंदू देश छोड़कर चले गए। पड़ोसी देशों में हिंदुओं पर अत्याचार की कहानी नई नहीं है। वर्ष 1947 में जब भारत का विभाजन हुआ, लाखों की संख्या में हिन्दू और मुसलमानों ने धर्म के आधार पर मुल्क बदला। फिर भी कुछ मुसलमान ऐसे थे, जो भारत में ही रह गए और इसी तरह कुछ हिन्दू पाकिस्तान में रह गए। भारत ने हिन्दू राष्ट्र बनने की बजाय धर्मनिरपेक्ष राज्य बनना पसंद किया, ताकि भारत में रहने वाले अल्पसंख्यक खुद को असुरक्षित न समझें, उन्हें समान अधिकार मिलें और इसके लिए भारत ने अपने संविधान में धर्म चुनने की स्वतंत्रता को मौलिक अधिकारों की सूची में स्थान दिया है। भारत विभाजन से पहले मुसलमानों की संख्या भारत की कुल आबादी का 10 प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर लगभग 15 प्रतिशत हो गई है। लेकिन पाकिस्तान में रहने वाले हिन्दुओं की किस्मत भारतीय मुसलमानों जैसी न तब थी, न आज है। पाकिस्तान में बसे हिन्दुओं में से लगभग 96 फीसदी सिंध प्रान्त में ही रहते हैं। वर्ष 1956 में पाकिस्तान का संविधान बना और पाकिस्तान प्रगतिशील और उदारवादी विचारधाराओं को त्यागकर कट्टर देश बन गया, और तभी से अल्पसंख्यक हिन्दुओं का वहां रहना दुश्वार हो गया। बंगलादेश में भी यह कहानी दोहराई जा रही है देखने में आया है कि पाकिस्तान की जब भी भारत के आगे दाल नहीं गलती तो सभी घटनाओं का दुष्परिणाम पाकिस्तान में रहने वाले हिन्दुओं को भुगतना पड़ता है । जिया-उल-हक की तानाशाही से लेकर अब तालिबान के अत्याचारों तक पाकिस्तानी हिन्दुओं का जीवन दूभर ही रहा है। कहते हैं कि आजादी के वक्त पाकिस्तान में कुल 428 मंदिर थे, जिनमें से अब सिर्फ 26 ही बचे हैं। पाकिस्तान में ज्यादातर हिन्दू मंदिर या गिरा दिए गए या उन्हें होटल बना दिया गया है। पाकिस्तान के नैशनल कमिशन फॉर जस्टिस एंड पीस की वर्ष 2012 की रिपोर्ट के मुताबिक 74 प्रतिशत हिन्दू महिलाएं यौन शोषण का शिकार होती हैं।

## आज का कार्टून

मोदी का कुत्ता है चुनाव आयोग: कांग्रेस MLC

# भारतीय आर्थिक दर्शन एवं प्राचीन भारत में आर्थिक विकास

**प्रहलाद सबनानी**

> प्राचीन काल में भारत में भव्यता के स्थान पर दिव्यता को अधिक महत्व दिया जाता रहा है। भव्यता का प्रयोग सामान्यतः स्वयं के विकास के लिए किया जाता है। जबकि दिव्यता का उपयोग समाज के विकास में आपकी भूमिका को आंकने के परिप्रेक्ष्य में किया जाता है। भव्यता दिखावा है, भव्यता प्रदर्शन है, अतः केवल भव्यता के कारण किसी का जीवन ऊंचाईयों को नहीं छू सकता है, इसके लिए दिव्यता होनी चाहिए, अर्थात समाज की भलाई के लिए अधिक से अधिक कार्य करना होता है। अर्थ को धर्म से जोड़ने के साथ ही, प्रकृति के संरक्षण की बात भी भारतीय पुराणों में मुखर रूप से कही गई है। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के अनुसार नदियों, पहाड़ों, जंगलों, जीव जंतुओं में भी देवताओं का वास है, ऐसा माना जाता है। इसीलिए यह कहा गया है कि इस पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनों का दोहन करें, शोषण नहीं करें।

भारत में वेदों, पुराणों एवं शास्त्रों में यह कहा गया है कि मानव जीवन हमें मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुआ है। मोक्ष प्राप्ति के लिए अच्छे कर्मों का करना आवश्यक है। अच्छे कर्म अर्थात हमारे किसी कार्य से किसी पशु, पक्षी, जीव, जंतु को कोई दुःख नहीं पहुंचे एवं सर्व समाज की भलाई के कार्य करते रहें। अर्थात, इस धरा पर निवास करने वाले प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, मंगल हो। ऐसी कामना भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में की जाती है। इसी प्रकार, धर्म के महत्व को स्वीकार करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र, नारद की नारद स्मृति और याग्वल्य की याग्वल्य स्मृति में कहा गया है कि 'अर्थशास्त्रात्सु बलवत धर्मशास्त्र नीतिस्थिति'। अर्थात, यदि अर्थशास्त्र के सिद्धांत एवं नैतिकता के सिद्धांत के बीच कभी विवाद उत्पन्न हो जाए तो दोनों में से किसे चुनना चाहिए। कौटिल्य, नारद एवं याग्वल्य कहते हैं कि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की तुलना में यानी केवल पैसा कमाने के सिद्धांतों की तुलना में हमको धर्मशास्त्र के सिद्धांत अर्थात नैतिकता, संयम, जिससे समाज का भला होता हो, उसको चुनना चाहिए। कुल मिलाकर अर्थतंत्र धर्म के आधार पर चलना चाहिए। गुनार मुडल जिनको नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ था एवं जिनकी 'एशियन ड्रामा' नामक पुस्तक बहुत मशहूर हुई थी। उन्होंने एक और छोटी किताब लिखी है जिसका नाम है 'अगेन्स्ट द स्ट्रीम'। इस किताब में उन्होंने अर्थशास्त्र को एक नैतिक विज्ञान बताया है। कुछ वर्ष पूर्व अखबारों में एक खबर छपी थी कि विश्व बैंक ने यह जानने के लिए एक अध्ययन प्रारम्भ किया है कि विकास में आध्यात्म की कितनी भूमिका है। इसी प्रकार दुनिया में यह जानने का प्रयास भी किया जा रहा है कि दरिद्रता मिटाने में धर्म की क्या भूमिका हो सकती है।

प्राचीन भारत के वेद-पुराणों में धन अर्जित करने को बुरा नहीं माना गया है। प्राचीन काल में वेदों का एक भाष्यकार हो गया है, जिसका नाम यास्क था। यास्क ने 'निघंटु' नामक ग्रंथ में धन के 28 समानार्थ शब्द बताए हैं, और प्रत्येक शब्द का अलग अलग अर्थ है। दुनिया की किसी पुस्तक में अथवा किसी अर्थशास्त्र की किताब में धन के 28 समानार्थ शब्द नहीं मिलते हैं। भारत के शास्त्रों में धन के सम्बंध में उच्च विचार बताए गए हैं। भारत के शास्त्रों ने अर्थ के क्षेत्र को हेय दृष्टि से नहीं देखा है एवं यह भी कभी नहीं कहा है कि धन अर्जन नहीं करना चाहिए, पैसा नहीं कमाना चाहिए, उत्पादन नहीं बढ़ाना चाहिए। बल्कि दरिद्रता एवं गरीबी को पाप बताया गया है। हां, वेदों में यह जरूर कहा गया है कि जो भी धन कमाओ वह शुद्ध होना चाहिए। 'ब्लैक मनी' नहीं होना चाहिए, भ्रष्टाचार करके धन नहीं कमाना चाहिए, स्मगलिंग करके धन नहीं कमाना चाहिए, कानून का उल्लंघन करते हुए धन अर्जन नहीं करना चाहिए, ग्राहक को धोखा देकर धन नहीं कमाना चाहिए। मनु स्मृति में तो मनु महाराज ने कहा है कि सब प्रकार की शुद्धियों में सर्वाधिक महत्व की शुद्धि अर्थ की शुद्धि है। भारतीय शास्त्रों में खुब धन अर्जन करने के बाद इसके उपयोग के सम्बंध में व्याख्या की गई है। अर्जित किए धन को केवल अपने लिए उपभोग करना, उस धन से केवल ऐय्याशी करना, केवल अपने लिए काम में लेना, अपने परिवार के लिए मौज मस्ती करना, आदि को ठीक नहीं माना गया है। अर्जित किए गए धन को समाज के साथ मिल बांटकर, समाज के हितार्थ उपयोग करना चाहिए।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में जीवन के उद्देश्य को पुरुषार्थ से जोड़ते हुआ यह कहा गया है कि धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष, इन चारों बातों पर विचार करके मनुष्य को सुखी करने के सम्बंध में विचार किया जाना चाहिए। इसी विचार के चलते भारत के मनीषियों द्वारा अर्थ और काम को नकारा नहीं गया है। कई बार भारत के बारे में वैश्विक स्तर पर इस प्रकार की भ्रांतियां फैलाने का प्रयास किया जाता रहा है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में तो अर्थ और काम को नकार दिया गया है। प्राचीन काल में भी ऐसा कतई नहीं हुआ है। अगर, ऐसा हुआ होता तो भारत सोने की चिड़िया कैसे बनता? हां, भारत के प्राचीन शास्त्रों में यह जरूर कहा गया है कि अर्थ और काम को बेलगाम नहीं छोड़ना चाहिए। अर्थ और काम को मर्यादा में ही रहना चाहिए। धन अर्जित करने पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं है परंतु यह धर्म का पालन करते हुए कमाना चाहिए। अर्थात, अर्थ को धर्म के साथ जोड़ दिया गया है। इसी प्रकार काम को भी धर्म के साथ जोड़ा गया है। उपभोग यदि धर्म सम्मत और मर्यादित होगा तो इस धरा का दोहन भी सीमा के अंदर ही रहेगा। अतः कुल मिलाकर अर्थशास्त्र में भी नैतिकता का पालन होना चाहिए। प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं वर्तमान अर्थशास्त्र में यह भी एक बहुत बड़ा अंतर है। आजकल कहा जाता है कि नीति का अर्थशास्त्र से कोई लेना देना नहीं है। जबकि वस्तुतः ऐसी कोई भी अर्थव्यवस्था, अर्थतंत्र और विकास का कोई भी तंत्र जिसमें नैतिकता को स्वीकार न किया जाय वह चल नहीं सकती और वह समाज का भला नहीं कर सकती।

अर्थ को प्रदान किए गए महत्व के चलते ही प्राचीनकाल में भारत में दूध की नदियां बहती थीं, भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, भारत का आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में बोलबाला था। भारत के ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक बहुत सम्पन्न हुआ करते थे। कृषि उत्पादकता की दृष्टि से भी भारत का पूरे विश्व में डंका बजता था तथा खाद्य सामग्री एवं कपड़े आदि उत्पादों का निर्यात भारत से पूरे विश्व को होता था। भारत के नागरिकों में देश प्रेम की भावना कूट कूट कर भरी रहती थी तथा उस खंडकाल में भारत का वैभव काल चल रहा था, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों में नागरिक आपस में भाई चारे के साथ रहते थे एवं आपस में सहयोग करते थे। केवल 'मैं' ही तरक्की करूं इस प्रकार की भावना का सर्वथा अभाव था एवं 'हम' सभी मिलकर आगे बढ़ें, इस भावना के साथ ग्रामीण इलाकों में नागरिक प्रसन्नता के साथ अपने अपने कार्य में व्यस्त एवं मस्त रहते थे। प्राचीन काल में भारत में भव्यता के स्थान पर दिव्यता को अधिक महत्व दिया जाता रहा है। भव्यता का प्रयोग सामान्यतः स्वयं के विकास के लिए किया जाता है। जबकि दिव्यता का उपयोग समाज के विकास में आपकी भूमिका को आंकने के परिप्रेक्ष्य में किया जाता है। भव्यता दिखावा है, भव्यता प्रदर्शन है, अतः केवल भव्यता के कारण किसी का जीवन ऊंचाईयों को नहीं छू सकता है, इसके लिए दिव्यता होनी चाहिए, अर्थात समाज की भलाई के लिए अधिक से अधिक कार्य करना होता है। अर्थ को धर्म से जोड़ने के साथ ही, प्रकृति के संरक्षण की बात भी भारतीय पुराणों में मुखर रूप से कही गई है। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के अनुसार नदियों, पहाड़ों, जंगलों, जीव जंतुओं में भी देवताओं का वास है, ऐसा माना जाता है। इसीलिए यह कहा गया है कि इस पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनों का दोहन करें, शोषण नहीं करें। सर जगदीश चंद्र बसु ने एक परीक्षण किया और इस परीक्षण के माध्यम से यह सिद्ध किया कि पेड़ पौधों में भी वैसी ही संवेदना होती है जैसी मनुष्यों में संवेदना होती है। जिस प्रकार मनुष्य रोता है, हंसता है, प्रसन्न होता है, नाराज होता है, इसी प्रकार की संवेदनाएं पेड़ पौधों में भी पाई जाती हैं। सर जगदीश चंद्र बसु ने वैज्ञानिक तरीके से जब यह सिद्ध किया तो दुनिया में तहलका मच गया। जबकि भारतीय शास्त्रों में तो इन बातों का वर्णन सदियों पूर्व ही मिलता है। जब इन तथ्यों को वैज्ञानिक आधार दिया गया तो अब पूरी दुनिया भारत के इन प्राचीन विचारों पर साथ खड़ी नजर आती है। भारतीय मनीषियों ने इसीलिए यह बार बार कहा है कि पेड़ पौधों की रक्षा करें, इन्हें काटें नहीं। क्योंकि, इससे पर्यावरण की रक्षा तो होती ही है, साथ ही, पेड़, पौधों के रूप में एक प्रकार से ऐसी प्राणी की हत्या करने से भी बचा जा सकता है। भारतीय संस्कृति में यह भावना रही है कि व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास हो एवं उसे पूर्ण सुख की प्राप्ति हो। इसलिए, उक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ही देश में सामाजिक एवं आर्थिक रचना होनी चाहिए। प्राचीन भारत में इसी नाते व्यक्ति को मान्यता देने के साथ साथ परिवार को भी मान्यता दी गई है। परिवार को समाज में न्यूनतम इकाई माना गया है। व्यक्तियों से परिवार, परिवारों से समाज, समाज से देश और देशों से विश्व बनता है। अतः कुटुंब को भारतीय समाज में अत्यधिक महत्व दिया गया है। भारतीय शास्त्रों में कुल मिलाकर यह वर्णन मिलता है कि प्राचीन भारत के लगभग प्रत्येक परिवार में गाय के रूप में पर्याप्त मात्रा में पशुधन उपलब्ध रहता था जिससे प्रत्येक परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत आसानी से हो जाती थी। गाय के गोबर एवं गौमूत्र से देसी खाद का निर्माण किया जाता था जिसे कृषि कार्यों में उपयोग किया जाता था एवं गाय के दूध को घर में उपयोग करने के बाद इससे दही, घी एवं मक्खन आदि पदार्थों का निर्माण कर इसे बाजार में बेच भी दिया जाता था। इसी प्रकार गौमूत्र से कुछ आयुर्वेदिक दवाईयों का निर्माण भी किया जाता था। अतः कुल मिलाकर परिवार एवं समाज में किसी भी प्रकार की गतिविधि सम्पन्न करने के लिए अर्थ की आवश्यकता महसूस होती है। अर्थ के विभिन्न आयामों को समझने के लिए भारत के प्राचीन काल में अर्थशास्त्र की रचना की गई थी। आचार्य चाणक्य को भारत में अर्थशास्त्र का जनक कहा जाता है। अर्थशास्त्र को परिभाषित करते हुए कहा जाता है कि नागरिकों को संतुष्टि प्रदान करने (वस्तुओं एवं सेवाओं का भारी मात्रा में उत्पादन कर उसकी आसान उपलब्धता कराना) के उद्देश्य से उत्पादन के साधनों (भूमि, श्रम, पूंजी, आदि) का दक्षतापूर्ण वितरण करना ही अर्थशास्त्र है। दुनिया में कोई भी विचारक जब कभी भी आर्थिक विकास के बारे में सोचता है अथवा इस सम्बंध में कोई योजना बनाने का विचार करता है तो सामान्यतः उसके सामने मुख्य रूप से यह उद्देश्य रहता है कि उस देश का आर्थिक विकास इस तरह से हो कि उस देश के समस्त नागरिकों की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत आसानी से होती रहे, वे सम्पन्न बनें एवं खुश रहें। इस प्रकार, नागरिकों में प्रसन्नता का भाव विकसित करने में अर्थ के योगदान को भी आंका गया है। कई बार भारतीय समाज में यह उक्ति भी सुनाई देती है कि भूखे पेट ना भजन हो गोपाला अर्थात यदि देश के नागरिकों की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति ही नहीं होगी तो अध्यात्मवाद की ओर वे किस प्रकार मुड़ेंगे। आचार्य चाणक्य जी ने भी कहा है कि धर्म के बिना अर्थ नहीं टिकता, अर्थात धर्म एवं अर्थ का आपस में सम्बंध है।

# हर चुनाव नेताओं की नाकामियों और कामयाबियों को दर्शाता है

> हर राजनीतिक दल गलतियां करता है, लेकिन समझदार दल उनसे सीखकर आगे बढ़ता है। किसी भी पार्टी की वृद्धि और सफलता के लिए पिछली गलतियों को ध्यान में रखना चाहिए और उन्हें भविष्य की प्रगति के लिए कदम के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए। कांग्रेस 6 महीने पहले 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद अपनी सीटों को दोगुना करने के बाद गति बनाए नहीं रख सकी। इसके प्रदर्शन में गिरावट का कारण क्या था?

**कल्याणी शंकर**

क्या भारत की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी सीखने और अनुकूलन के अवसरों को भुनाने में विफल रही? क्या एन.सी.पी. और शिवसेना के उद्धव गुट ने संकेतों की गलत व्याख्या की? क्या झारखंड में भाजपा ने गलतियां कीं? महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के हालिया नतीजों से विकास के अवसरों के चूकने का पता चलता है। महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में 2 बातें सामने आई हैं। पहली बात यह है कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. की जीत का आकार, जिसने एन.सी.पी. और उद्धव शिवसेना को हराया, जो पहले महाराष्ट्र में शासन कर चुकी थीं, और दूसरी बात यह कि हेमंत सोरेन ने झारखंड को कितनी आसानी से बरकरार रखा। दोनों अपने-अपने राज्यों में शासन कर रहे थे। अगर कांग्रेस ने पिछले अनुभवों से सीखा होता और आवश्यक समायोजन किए होते तो यह बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। पचमढ़ी या शिमला सम्मेलनों के विपरीत, यहां चुनाव-पश्चात विश्लेषण का अभाव रहा है। कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण की इस कमी को दूर करना चाहिए। यह पीढ़ीगत बदलाव के कारण नहीं हो सकता, क्योंकि बदलाव निरंतर होता है। आने वाली पीढ़ियों को पार्टी को आगे ले जाने के लिए

काम करना चाहिए। बड़ी पुरानी पार्टी पूरी तरह से विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनके चुने हुए सहयोगियों के नियंत्रण में है। राहुल ने कड़ी मेहनत की और प्रचार किया, लेकिन पार्टी को अभी भी मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाना होगा। नतीजों से पता चलता है कि उन्होंने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनावों से कुछ नहीं सीखा है, जैसे कि एक नेता पर बहुत अधिक निर्भर रहना, दूसरों की अनदेखी करना और जीतने की स्थिति में होने के बावजूद टिकटों का गलत वितरण। कांग्रेस पार्टी, एन.सी.पी. और शिवसेना के उद्धव खेमे को जिस सबसे महत्वपूर्ण पहलू पर ध्यान देना चाहिए, वह है कथानक। कांग्रेस के लिए, जाति के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना, संविधान की रक्षा करना और प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत हमले करना मतदाताओं को पसंद नहीं आया है।

यह अलगाव एक स्पष्ट संकेत है कि पार्टी को अपनी रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करने और उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है जो वास्तव में मतदाताओं के लिए मायने रखते हैं, जैसे कि रोटी और मक्खन के मुद्दे। यह एक गंभीर चिंता का विषय है, जिस पर एकमत होने की आवश्यकता है। 'इंडिया' गठबंधन के भीतर भी अब मतभेद हैं। हाल के परिणामों के बाद, 'इंडिया' ब्लॉक में भागीदार, जैसे कि 'आप' और तृणमूल कांग्रेस, अपने स्वयं के एजेंडे पर काम कर रहे हैं और संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के लिए संयुक्त कार्रवाई में बहुत कम रुचि दिखा रहे हैं। इससे पहले भी, राहुल गांधी के सावरकर पर हमले ने कांग्रेस को कोई समर्थन नहीं दिलाया था; इसके बजाय, इसने शिवसेना, जो सावरकर को आदर्श मानती थी और कांग्रेस के बीच मतभेद पैदा कर दिया था। इन दलों को भाजपा के मूल संगठन, आर.एस.एस. के राजनीतिक प्रभाव का भी एहसास नहीं था, जिसने पार्टी की सफलता के लिए काम किया।

'इंडिया' ब्लॉक ने लोकसभा चुनावों के दौरान मुद्दों को स्पष्ट नहीं किया, केवल भाजपा और उसके सहयोगियों को हराने पर ध्यान केंद्रित किया। इस रणनीति ने लोकसभा परिणामों को प्रभावित किया, जिससे भाजपा को 2 क्षेत्रीय दलों, जद (यू) और तेलुगु देशम पार्टी के समर्थन से सरकार बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा। मराठा दिग्गज शरद पवार अपनी पार्टी और चुनाव अपने भतीजे, अजित पवार से हारने के बाद निराशा महसूस कर रहे होंगे, जिन्हें उन्होंने तैयार किया था। चेतावनी के संकेत तब स्पष्ट हो गए जब अजित ने भाजपा का दामन थाम लिया और सरकार बनाने में अपने चाचा को धोखा दिया। स्थिति तब और खराब हो गई जब चुनाव आयोग ने अजित के गुट को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के रूप में मान्यता दे दी, जबकि शरद पवार ने इसे कई बार स्थापित किया । इस फैसले ने पवार को बहुत कमजोर कर दिया। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे, जिन्होंने अपने पिता की जगह ली, पार्टी और चुनाव अपने बागी एकनाथ शिंदे से हार गए, जिन्होंने भाजपा को महाराष्ट्र में गठबंधन में सरकार बनाने में मदद की। दोनों को इस बात पर आत्मचिंतन करना चाहिए कि उनकी लोकप्रियता में कमी क्यों आई।

दूसरी ओर, 'इंडिया' ब्लॉक में भागीदार जे.एम.एम. ने कई चुनौतियों के बावजूद जीत हासिल करने का तरीका दिखाया है। जे.एम.एम. के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जिसमें सोरेन को जेल की सजा भी शामिल है। आखिरकार, चुनावों में जीत और हार पूरी दुनिया में देखी जाती है। हर चुनाव खिलाड़ियों की गलतियों और सफलताओं को दर्शाता है। लेकिन असली विजेता वह है जो बिना समय गंवाए अपनी गलतियों को सुधारता है। विजेताओं को आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए, जबकि हारने वालों को प्रेरित रहने की जरूरत है।

# ट्रांसपोर्ट नगर के लिए 20 एकड़ भूमि उपलब्ध कराएं बीएसएलः उपायुक्त



**बोकारो (ससे):** समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) प्रबंधन के साथ विभिन्न विषयों पर समीक्षा बैठक की। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, पुलिस उपाधीक्षक बी.एस.सिटी आलोक रंजन, अंचलाधिकारी चास दीवाकर दूबे, उप प्रबंधक (पी) बीएसएल अमिताभ दास, वरीय प्रबंधक (टीए-एलआरए) एन सिद्दकी, महाप्रबंधक (टीए - एलआरए) ए के सिंह, कार्यकारी निदेशक अनीश सेन गुप्ता, महाप्रबंधक (परियोजना) एस आनंद, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

इस क्रम में उपायुक्त ने जिला मुख्यालय को भाड़ी वाहनों की पार्किंग से उत्पन्न जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर के लिए २० एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन को अंचलाधिकारी चास से समन्वय करते हुए भूमि चिन्हित करने को कहा। वहीं, बीएस सिटी के कचड़े का निस्तारण सही से करने को लेकर सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एसडब्ल्यूएम) इकाई अधिष्ठापन को लेकर की जा रहें कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। जिस पर बीएसएल प्रबंधन ने बोर्ड में संबंधित मामला लंबित होने की बात कहीं। इस पर उपायुक्त ने इसका फालोअप करने और कार्य में गति लाने का निर्देश दिया।

वहीं, कोलकाता - अमृतसर इंड्रस्ट्रीयल कोरिडोर के लिए चिन्हित भूमि का मूल्य गणना/आंकलन को लेकर कार्य की जानकारी ली। उन्होंने भूमि का मूल्य गणना/आंकलन को गंभीरता से पुन: कर जिला को प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। इसके अलावा उपायुक्त ने शहर को सुंदर बनाने, ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर करने के लिए बैरिकेटिंग लगाने, समाहरणालय भवन निर्माण को लेकर एनओसी उपलब्ध कराने, सड़कों को अतिक्रमणमुक्त कराने, बीएसएल प्लांट एवं टाउनशीप के लिए वैक्लपिक जलापूर्ति योजना आदि* मुद्दों पर चर्चा कर जरूरी दिशा - निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया।

## शिक्षा,स्वास्थ्य,सिंचाई सुविधा पर फोकस : जयराम

**डुमरी (ससे):** नवनिर्वाचित डुमरी विधायक जयराम महतो ने सोमवार को इसरी बाजार में बातचीत में कहा कि क्षेत्र के लोग आश्चर्यचकित हैं कि विधायक हमारे गांव तक हमारी समस्याओं से अवगत होने आ रहे हैं। कहा कि जो मेहनत चुनाव के दौरान किए थे वहीं मेहनत आज भी कर रहे हैं और भविष्य में करते रहेंगे।

बताया कि डुमरी विधानसभा के जितने भी, स्कूल,कॉलेज हैं सभी का दौरा कर रहे हैं साथ ही अपने विधानसभा क्षेत्र के दोनों उपायुक्त से बैठक कर शिक्षा संबंधी जानकारी ले रहे हैं एवं शिक्षा का फंड हम लाकर कैसे इसमें सुधार कर सकते हैं,इसपर चर्चा कर रहे है।कहा कि किसानों के सिंचाई के लिए मिनी डेम के लिए व्यवस्था करेंगे। ताकि पानी का संग्रह करके सिंचाई के लिए पानी की उचित व्यवस्था किया जा सके।

# जैनामोड़ में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेले का आयोजन

**बोकारो (ससे):** श्रम नियोजन प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग एवं अवर प्रादेशिक नियोजनालय बोकारो द्वारा राजकीयकृत उच्च विद्यालय मैदान, बांधडीह जैनामोड़ में आगामी ४ दिसंबर २०२४ को दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारी विभाग ने शुरू कर दी है। मेले में स्थानीय, अन्य जिलों व राज्यों से १२ कंपनियां शामिल होंगी।

सभी कंपनियां अलग - अलग क्षेत्र से संबंधित है। मेले में जिले से संबंधित बेरोजगार युवक - युवतियां शामिल हो सकते है। मेले में विभाग द्वारा झारखंड राज्य निजी क्षेत्र स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम २०२१ और नियमावली २०२२ का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

विभिन्न कंपनियों के रिक्त पड़े पदों पर अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता व कौशल के अनुरूप बहाल किया जाएगा। इन कंपनियों में मैट्रिक, इंटर, आइटीआइ, स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए रोजगार उपलब्ध होगा।

मेले में ग्राइंडरमैन, इलेक्ट्रीशियन, रिसेप्शनिस्ट, नर्सिंग, वार्ड बॉय, ड्राइवर, स्वीपर, टेक्नीशियन, इलेक्ट्रीशियन, पेंटर, वॉशरमैन, सर्विस एडवाइजर, फ्लोर एडवाइजर, टेली कॉलर, स्पेयर्स एग्जीक्यूटिव, डायग्नोस्टिक एक्सपर्ट, वारंटी सुपरवाइजर, जूनियर इंजीनियर, टेक्नीशियन वेल्डर, सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर, मैकेनिक फीटर, एजेंट डेवलपमेंट मैनेजर, फाइनेंशियल एडवाइजर यूनिट मैनेजर, इंश्योरेंस एडवाइजर आदि का पद रिक्त है।

रोजगार मेले में अभ्यर्थियों को अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के अलावा कौशल विकास से संबंधित प्रमाण पत्र लेकर पहुंचना है। साथ ही, छात्रों को जिला नियोजनालय का कार्ड भी लाना है। राज्य के किसी भी नियोजनालय में निबंधित अभ्यर्थी ही मेले में हिस्सा ले सकते हैं। इसलिए वैसे अभ्यर्थी जिनके पास निबंधन कार्ड नहीं है वे जिला नियोजनालय से कार्ड बनवा लें।

इस संबंध में जिला नियोजन पदाधिकारी बम बैजु सिन्हा ने बताया कि, रोजगार मेले का आयोजन आगामी ४ दिसंबर २०२४ को राजकीयकृत उच्च विद्यालय मैदान, बांधडीह जैनामोड़ में किया जाएगा। मेले में राज्य के विभिन्न जिलों के अलावा स्थानीय कंपनियां भी शामिल होंगी। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।

# पेयजल समस्या को लेकर एसडीएम से मिले जिप सदस्य



**डुमरी (ससे):** जिप सदस्या सुनीता कुमारी ने सोमवार को एसडीएम डुमरी से उनके कार्यालय कक्ष में भेंट कर बंद पड़े जामतारा डुमरी जलापूर्ति योजना को चालू करवाने में आ रही त्रुटियों को दूर करते हुए सप्लाई चालू करवाने तथा डुमरी अनुमंडल परिसर निबंधन कार्यालय के पास जिला परिषद से बनी शौचालय में पानी की सुविधा उपलब्ध कराते हुए शौचालय के समीप गिरिडीह रोड तरफ दरवाजा खुलवाने के दिशा में सार्थक पहल करने का आग्रह किया।

एसडीएम ने दोनों ज्वलंत समस्याओं का शीघ्र ही निदान करने का भरोसा दिया। इधर जिप सदस्य सुनीता कुमारी ने कहा कि जामतारा डुमरी ग्रामीण जलापूर्ति योजना बीते छः माह से अधिक समय से बंद है।

कुछ मशीनरी समान ख़राब होने तथा अन्य कुछ चीजें मरामति की अभाव थी जिसकी मरम्मत करा दी गई है। ट्रांसफार्मर संबधित शिकायत थी,उसे भी दूर कर दी गई है,मामूली काम के लिए ग्रामीण जलापूर्ती बंद है उसे चालू कराने पर लगे हैं।वहीं अनुमंडल पहुंचने वाले लोगों को शौचालय की सुविधा पानी के अभाव में नहीं मिल पा रही है।उसकी समाधान करने की प्रयास में लगे हैं। इस दौरान पंसस जामतारा अखिलेश राणा उपस्थित थे।

## 16.50 रुपए महंगा कॉमर्शियल गैस सिलेंडर

**नई दिल्ली (ईएमएस) :** १९ किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर १६.५० रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में अब ये १८१८.५० रुपए का मिलेगा। एक महीने पहले भी इसके दाम ६२ रुपए बढ़ाकर १८०२ रुपए कर दिए गए थे। वहीं फ्री आधार अपडेट की डेडलाइन इस महीने खत्म हो रही है। इसके अलावा मैसेज ट्रेसेबिलिटी नियम लागू किए जा रहे है। इसके तहत टेलीकॉम कंपनियां संदिग्ध नंबरों की पहचान करके उन्हें तुरंत ब्लॉक करेंगी, जिससे इन नंबरों से यूजर्स तक मैसेज नहीं पहुंच सकेगा।

# दिव्यांगजनों को प्रदान किया जा रहा है दिव्यांगता पेंशन

**कोडरमा (ससे):** कोडरमा दिव्यांगजनों के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ चलायी जा रही है। जिला प्रशासन एवं सामाजिक सुरक्षा कोषांग, कोडरमा द्वारा दिव्यांगजनों को पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोडरमा नीतीश कुमार निशांत ने बताया कि दिव्यांगजनों के लिए दो प्रकार की पेंशन योजना चलायी जा रही है। केन्द्र द्वारा इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना एवं राज्य द्वारा स्वामी विवेकानंद निःशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना का संचालन किया जा रहा है। दोनों ही योजनाओं में १०००/- रुपया प्रतिमाह का भुगतान किया जाता है। राष्ट्रीय योजना के लिए ८० प्रतिशत दिव्यांगता एवं राज्य योजना हेतु ४० प्रतिशत दिव्यांगता आवश्यक है। जिला में इन दोनों योजनाओं के कुल ६४०७ लाभुक हैं। सबसे ज्यादा १४४६ लाभुक जयनगर प्रखण्ड में हैं। इसी प्रकार कोडरमा में ८८०, चन्दवारा में ५७९, डोमचाँच में ११४२, मरकच्चो में ९०७, सतगावाँ में ६४९, नगर पंचायत कोडरमा में १८५, नगर पंचायत डोमचाँच में ७४ एवं नगर परिषद, झुमरी तिलैया में ५४५ लाभुकों को दिव्यांगता पेंशन का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

दिव्यांगता की २१ प्रकार की श्रेणियाँ हैं ।पीडब्ल्यूडी एक्ट २०१६ के तहत दिव्यांगता को २१ श्रेणियों में विभाजित किया गया है।

अस्थि विकार/चलन निःशक्तता अंधापन, श्रवण बाधित, मानसिक रोग, सेरेब्रल पाल्सी, कुश्ठ रोग, बोनापन, एसिड अटेक विक्टिम, मल्टिपल स्कलेरोसिस ,हिमोफिलिया, सिकल सेल एनिमियां,अल्प दृष्टि, बौद्धिक निःशक्तता, ऑटिज्म, मांसपेशी दुर्विकार, क्रोनिक न्यूरोलौजिकल कंडीशन्स, बहु दिव्यांगता, थैलेसिमियां,पार्किंसन ,मूक निशःत्तता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसऐलिटी उन्होंने बताया कि ४० प्रतिशत या अधिक की दिव्यांगता की स्थिति में सामाजिक सुरक्षा द्वारा दिव्यांगता पेंशन का लाभ प्रदान किया जाता है। इसके लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र (न्क्प्क् कार्ड) आवश्यक है। वंचित लाभुक दिव्यांगता प्रमाण पत्र के साथ प्रखण्ड/अंचल में पेंशन के लिए आवेदन कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

# रांची ने गुमला को 7 विकेट से हराया

**कोडरमा (ससे):** कोडरमा झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर १४ क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को चंदवारा स्थित पुलिस लाइन मैदान में रांची और गुमला के बीच मैच खेला गया । पहले बल्लेबाजी करते हुए गुमला ने ३८.१ ओवर में अपने सभी विकेट खोकर ११९ रन बनाए। जिसमें अवलेश ने ६३ रन और अरनव ने २३ रन का योगदान दिया । गेंदबाजी करते हुए रांची की ओर से आरव सिन्हा ने चार विकेट शिवम ने दो और प्रतीक जयेश तथा अतुल्य ने एक-एक विकेट लिए।

बाद में बल्लेबाजी करने उतरी रांची की टीम ने १७.१ ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर जीत दर्ज की । रांची की ओर से वैभव ने ५७ रन सक्षम ने २५ रन और तेजस ने २३ रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए गुमला की ओर से अदित,




रौनक और अथव ने एक-एक विकेट लिए। रांची के आरव सिन्हा को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

मौके पर मैच ऑब्जर्वर पप्पू सिंह अंपायर हेमंत ठाकुर अमित हाजरा और स्कोरर गजेंद्र कुमार सहित केडीसीए के अमरजीत सिंह छाबड़ा दिनेश सिंह विवेकानंद चौधरी मनोज सहाय पिंकू अनिल सिंह आलोक पांडे सुमन कुमार ओम प्रकाश सुरेंद्र प्रसाद विशाल कुमार अजय राणा अमित जायसवाल सूरज पासवान भाजपा नेता राजेश सिंह सौरव सिंह अविनाश कुमार रविंद्र कुमार सहित अन्य शामिल थे।

# खनन विभाग ने चलाया जांच अभियान, 3 ट्रैक्टर जब्त

**बोकारो (ससे):** उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार सोमवार सुबह बोकारो जिला के विभिन्न स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें पेटरवार तेनु चौक पर अवैध रूप से बालू



खनिज का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए ०१ ट्रैक्टर को पकड़ा गया, जिसे पेटरवार थाना को सुपुर्द करते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, पेटरवार के समीप अवैध रूप से स्टोन चिप्स का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए ०१ ट्रैक्टर एवं पेटरवार थाना मोड़, बांधडीह के समीप ०१ ट्रैक्टर को अवैध रूप से स्टोन चिप्स का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। जिसे जप्त कर संबंधित थाना पेटरवार एवं जरीडीह थाना को सुरक्षार्थ सुपुर्द किया गया। उक्त अभियान में खान निरीक्षक, सीताराम टुडू एवं पुलिस बल मौजूद थे।

# जिले में एक लाख क्विंटल धान क्रय का लक्ष्य



**कोडरमा (ससे):** कोडरमा समाहरणालय सभागार, कोडरमा में जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में खरीफ विपणन मौसम २०२४-२५ के अंतर्गत धान अधिप्राप्ति को लेकर झ-उड केंद्रों के चयन हेतु बैठक आयोजित हुई । बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पूर्णेदु के द्वारा बताया गया खरीफ विपणन मौसम २०२४-२५ में १००००० (एक लाख) क्विंटल धान क्रय किए जाने का लक्ष्य जिला के लिए राज्य द्वारा निर्धारित किया गया है। इस वर्ष धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य २३०० रूपये एवं बोनस १०० रूपये निर्धारित है, इस प्रकार कुल २४०० रूपये प्रति क्विंटल की दर से किसानों से धान का क्रय किया जाएगा । झ-उड/ङ-चझड (धान अधिप्राप्ति केन्द्र) और दो राइस मीलरों की सूची प्राप्त है (माँ जाह्नवी राइस मिल, कोडरमा एवं मयूर राइस मिल, कोडरमा) जिन्हें संबद्ध किया जाना है।

१ निर्धारित लैम्पस में ही किसान धान का विक्रय करें, २ बिचौलियों से सावधान रहें जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त बैठक में जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने धान क्रय को लेकर विभागीय पदाधिकारियों से विगत वर्ष में धान अधिप्राप्ति की तथा इस वर्ष धान अधिप्राप्ति किए जाने की कार्ययोजना की पूरी जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला में धान अधिप्राप्ति को लेकर विस्तृत चर्चा किया गया। उन्होने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को लैंपस में ही धान विक्रय के लिए प्रेरित करें, सरकार द्वारा समर्थित मूल्य में अपना उत्पादन बेचें तथा बिचौलियों से सावधान रहें।

जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि धान खरीदी में किसी प्रकार की अनियमिता न हो इसकी मॉनिटरिंग हरेक स्तर पर सभी पदाधिकारी करेंगे। धान अधिप्राप्ति योजना अंतर्गत ख़रीद की गई धान की राशि का भुगतान ससमय सीधे किसानों के खाते में हो यह सुनिश्चत करेंगे। उन्होंने जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि लैम्पस के माध्यम से किसानों को धान अधिप्राप्ति योजना के प्रति जागरूक करें।गौरतलब है कि धान अधिप्राप्ति हेतु अधिकतम सीमा प्रति किसान २०० क्विंटल तक निर्धारित है, बैठक में सर्वसम्मति से चयनित धान अधिप्राप्ति केन्द्रों को नजदीकी राइस मिलरों से संबद्ध किए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त ऋतुराज, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पूर्णेदु, जिला कृषि पदाधिकारी रवि शंकर वर्णवाल, जिला सहकारिता पदाधिकारी रूमा झा, ईओडीबी प्रबंधक राजीव कुमार सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

## भारी मात्रा में नकली डीएपी खाद बरामद, 5 गिरफ्तार

**जालौन,(ईएमएस):** यूपी के जालौन जिले में पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों ने एक अभियान चलाकर नकली डीएपी खाद बेचने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और बड़ी मात्रा में नकली डीएपी बरामद की है। यह कार्रवाई जिले के नदी गांव स्थित निखिल खाद भंडार में चल रहे नकली डीएपी निर्माण मामले में की।

जालौन एसपी के मुताबिक यह अभियान जिला कृषि अधिकारी के नेतृत्व में कृषि विभाग और स्थानीय पुलिस ने चलाया। अधिकारियों को नदी गांव स्थित एक गोदाम में नकली डीएपी के उत्पादन की सूचना मिली थी, जिसके बाद वहां छापा मारा गया।छापेमारी में अधिकारियों ने गोदाम से २२४ बैग नकली डीएपी, एक ट्रक में ६१६ बैग और एक पिकअप से ५७ बैग नकली डीएपी बरामद किया है।

# मेगा हेल्थ कैंप में उमड़े सैकड़ों लोग, कराई स्वास्थ्य जांच





**बोकारो (ससे):** वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने सामाजिक और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए हाल ही में अपने प्रोजेक्ट च-उए हेल्थकेयर इंटरवेंशनिस्ट कार्यक्रम के तहत बोकारो जिले में दो बेहद सफल मेगा हेल्थ कैंप आयोजित किए। बोकारो और अलकुशा के वरिष्ठ नागरिकों की चिकित्सा आवश्यकताओं पर केंद्रित इन मेगा हेल्थ कैंप में सैकड़ों लोग उमड़े।

बोकारो के सेक्टर ६ में मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन मेडिकेंट अस्पताल, बोकारो के साथ साझेदारी में किया गया, जिसके डॉक्टरों ने बुजुर्ग नागरिकों की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के लिए स्क्रीनिंग की। बोकारो के सेक्टर ६ में वेदांता केयर्स फील्ड अस्पताल में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रोजेक्ट च-उए के तत्वावधान में किया गया और इसका संचालन इसकी कार्यान्वयन एजेंसी - समर्थ कम्युनिटी फोरम द्वारा किया गया।

स्वास्थ्य शिविर के दौरान वेदांता केयर्स फील्ड अस्पताल में मुख्य अतिथि, सीआईएसएफ के आईजी श्री दिग्विजय कुमार सिंह सहित उपस्थित लोगों ने कोविड-१९ महामारी के दौरान वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा की गई शानदार सेवा को याद किया। मेडिकेंट अस्पताल के विभिन्न विभागों जैसे ऑर्थोपेडिक्स, जनरल प्रैक्टिशनर्स, नेत्र रोग, एंडोक्राइनोलॉजी (मधुमेह नियंत्रण) के उच्च योग्यता प्राप्त डॉक्टरों ने बुजुर्गों की रक्तचाप, थायरॉयड, रक्त शर्करा आदि की जांच के अलावा उनकी चिकित्सा और सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों में मदद की।

बोकारो जिले के चास अनुमंडल के ग्रामीण क्षेत्र के बुजुर्गों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलकुशा गांव में भी इसी तरह का चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। यहां भी डॉक्टरों ने बुजुर्गों की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए जांच की और वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड और प्रोजेक्ट च-उए की कार्यान्वयन एजेंसी समर्थ फाउंडेशन ने मिलकर इस पहल की दिशा में काम किया।

अलकुशा मेडिकल कैंप के लिए वेदांता ईएसएल स्टील ने विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों के डॉक्टरों के साथ भागीदारी की, जैसे आकाश अस्पताल के जनरल प्रैक्टिशनर, डॉ. पूजा के डेंटल क्लिनिक के दंत चिकित्सक, संजीव नेत्रालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ आदि। बुजुर्ग नागरिक अपने चिकित्सा परामर्श और सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों जैसे कि उनके रक्त शर्करा, रक्तचाप, थायरॉयड आदि की जांच के लिए इस शिविर को अत्यधिक सफल बनाने के लिए बड़ी संख्या में आए।

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड के प्रबंधन के लिए, जिसे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सरकारी निकायों और गैर सरकारी संगठनों से कई पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया है, हमारे आसपास के समुदायों की भलाई से अधिक महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। हमारी विभिन्न हस्तक्षेपकारी नीतिगत पहलों में से, जो सबसे अधिक प्रभावित करती है, वह है हमारी स्वास्थ्य सेवा पहल - प्रोजेक्ट आरोग्य और प्रोजेक्ट च-उए - जिसके क्रियान्वयन के लगभग साढ़े तीन वर्षों में लगभग ५ लाख बोकारो नागरिक लाभान्वित हुए हैं।

प्रोजेक्ट च-उए को बोकारो के बुजुर्ग लोगों की स्वस्थ उम्र बढ़ने और सेहत में योगदान देने के लिए डिज़ाइन किया गया था, ताकि उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रखा जा सके, उन्हें शारीरिक और ऑनलाइन प्रशिक्षण और सीखने, आयोजनों, सूचना सत्रों आदि जैसी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में शामिल किया जा सके। समर्थ कम्युनिटी फोरम द्वारा कार्यान्वित प्रोजेक्ट च-उए के तहत, हम बुजुर्ग नागरिकों को पोषण संबंधी सहायता भी प्रदान करते हैं और स्वास्थ्य सेवा शिविरों, विशेष शिविरों और नियमित डॉक्टर के दौरे के माध्यम से उनका समर्थन करते हैं।

ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा ने इस अवसर पर कहा, शिविर का प्राथमिक उद्देश्य सामान्य जांच और तत्काल स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करके स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में योगदान देना था।

हमारे कई बुजुर्ग अपनी सामान्य चिकित्सा जांच के लिए समय पर आना भूल जाते हैं, चूक जाते हैं या नहीं कर पाते हैं और शुरुआती चेतावनियों से चूक जाते हैं।

# कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय हाउस अरेस्ट

**लखनऊ (ईएमएस):** उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हुई हिंसा के नौवें दिन के बाद सियासी माहौल गर्म है। सोमवार को कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल को संभल भेजने की घोषणा की थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया। २४ नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी।

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

## भारत का राजपत्र
## The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-01112024-258402 CG-DL-E-01112021-258402

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II- खण्ड 3- उप-खण्ड (ii) PART II-Section 3-Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4389] नई दिल्ली, बुधवार, अक्तूबर 30, 2024 / कार्तिक 8, 1946

No. 4389] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 30, 2024/KARTIKA 8, 1946

### सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर, 2024

**का.आ. 4766(अ).**– केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. **2732(अ) तारीख 12/07/2024,** जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा झारखंड राज्य के धनबाद जिले में NH419 के कि.मी. 47-600 से कि.मी. 62.949 तक के भूखण्ड पर (चौडीकरण/पेवड शोलडर सहित 4–लेन/4–लेन बनाना आदि) के निर्माण, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख **"26 जुलाई 2024"** को **"दैनिक भास्कर"** और **"प्रभात खबर"** दोनों में प्रकाशित किया गया था ;

और आक्षेप प्राप्त हुए थे और सक्षम प्राधिकारी ने उन पर विचार कर लिया है और आक्षेपों को अननुज्ञात कर दिया है ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए ;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर अत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

**अनुसूची**

**झारखंड राज्य के धनबाद जिले में NH419 के कि. मी. 47.600 से कि. मी. 62.949 के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण।**

| राज्य का नाम: झारखंड | | | जिले का नाम: धनबाद | | |
|---|---|---|---|---|---|
| क्रमिक संख्या | सर्वेक्षण संख्या | भूमि का प्रकार | भूमि की प्रकृति | भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) | भूस्वामी/हितबद्ध व्यक्तियों का नाम |
| 1 | 2 | 1 | 2 | 1 | 2 |
| तालुक का नाम: गोविंदपुर | | | | | |
| गांव का नाम: पाथुरिया | | | | | |
| 1 | 1044 | सरकारी | रास्ता | 0.0064751 | अनाबाद सर्व साधारण। |
| 2 | 1115 | निजी | गोडा–1 | 0.0097127 | श्रीमति उर्मिला देवी, श्री अशोक शर्मा, मिक्की कुमारी, श्री शंकर सिंह, पति सुनील सिंह, श्री उपेन्द्र शर्मा, स्व बासुदेव शर्मा, मनिरूदीन अंसारी, स्व० महताब मियां, मोहन सिंह छाबडा, स्व० इन्दर सिंह, श्री सुजीत कुमार, श्री शम्भू लाल वर्णवाल, शहनाज परवीन, स्व० आफताब आलम अंसारी, ईसमाईल मियां, उमर अली, मोथी मियां, ईद्रीस मियां, मातवर मियां, कुर्बान मियां, सुलतान मियां, दुखु मियां, कलीमुदीन मियां, जहीरूदीन मियां, बाबुलाल मियां, खोजुद्दीन, मोफजुदीन मियां, मुस्तकीम, मातवर मियां, मुदीन मियां, वो रजाम मियां, पीर बक्श मियां, मनिर मियां, वो खुसान मियां, महताब मियां, मुस्तकीम। |
| 3 | 1121 | निजी | पुरानी परती | 0.0335896 | नियामत मियां, राजु मियां, रोटु मियां, सोनु मियां, मो० हुसेन इमाम, अब्बास सीद, जीनत प्रवीन, शाहिद हुसैन, मो० सफी उल्लाह अंसारी, स्व इब्राहिम अंसारी, मो० सरफुद्दीन अंसारी, स्व० हानीफ मियां, सैयद मसुक अहमद, स्व. मुशताक अहमद, मो० अजमुदीन अंसारी, मो० कुदुश अंसारी, मो० मोबीन अंसारी, कयामत मुईन, सुलतान अंसारी, मीठु मियां, मो० अजमुदीन अंसारी, मो० कुदुश अंसारी, मो० मोबीन अंसारी, स्व० कयामत मुईन, सुलतान अंसारी, स्व० मीठु मियां, मेहरून बीबी, कासीम अंसारी, मो० कलाम अंसारी, स्व० अब्दुल, रजक अंसारी, नयाज अहमद खान, मो० इकबाल खान, चंदन अग्रवाल, ललित अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, ललित कुमार अग्रवाल। |
| 4 | 1122 | निजी | पुरानी परती | 0.0008094 | मधुसूदन गोराई, गोखूल गोराई, नारू गोपाल रक्षित, श्री. आशुतोष रक्षित, मनोहर गोराई, स्वर्गीय ज्योति गोराई, अनुलता गोराई, असुलता गोराई, गोकुल गोराई, तारुलवाला दासी, ज्योति गोराई, रेशमा खातून, मो. बेलाउद्दीन अंसारी, श्री कानन सेन, श्री सुशांत प्रसाद सेन, श्री निबास चंद्र कुंभार, श्री दशरथ कुंभार, श्री राजेश कुमार दास, भीम चंद्र दास, सागर कुमार मोदी, महेंद्र मोदी, मोहम्मद शाहबाज खान, मोहम्मद जुनैद खान, मोहम्मद यूनुस अंसारी, लेफ्टिनेंट चुन्नू मियां, श्री अरुण कुमार केजरीवाल, स्वर्गीय श्याम सुंदर अग्रवाल, मो. शाहबाज खान, मो. जुनैद खान, लक्ष्मण राणा, सीताराम राणा, प्रियदर्शनी कुमारी, संतोष कुमार उपाध्याय, |
| 5 | 1123 | निजी | पुरानी परती | 0.023877 | ईसमाईल मियां, मोटी मियां, उमर अली वो ईद्रीस वो रेवाजउदीन वो मोफिजुदिन वो मुस्तकिम, भातवर मियां, कुर्बान मियां वो सुलतान मियां वो कशीम मियां, दुखु मियां, कलइम उदीन वो जमीरउदीन, बाबुलाल, मनीर वो रतुसरू, महताप मियां। मुस्लिम वो हनिफ, हुसेन मियां, युनुस वो मुदीन वो रजाक मियां, परिवक्स मियां, रहीम मियां, ताजु मियां, समसुदीन, मटरू मियां, सलीमउदीन, अलीजान मियां वो श्री राजीव कुमार, श्री राम इकबाल ठाकुर, श्री शब्रीम कुमर, अरूप कुमार मंडल, स्व० मदन मंडल। |
| 6 | 1135 | निजी | बहाल | 0.009308 | विजय गोराई, मधु गोराई, अनवरी खातुन, स्व० मो० ईदरीश। |
| 7 | 1136 | निजी | बहाल | 0.0194253 | विजय गोराई, मधु गोराई। |
| 8 | 1137 | निजी | मोटा आड़ | 0.0064751 | विजय गोराई, मधु गोराई। |
| 9 | 1138 | निजी | वाड़ी–1 | 0.0004047 | खगेन गोराई, वानेशवर गोराई, गेन्दी कुलुनी, सवु गोराई। |
| 10 | 1139 | निजी | बाईद | 0.0485633 | विजय गोराई, मधु गोराई। |
| 11 | 1203 | निजी | बहाल | 0.0275192 | विजय गोराई, मधु गोराई। |
| 12 | 1211 | निजी | बहाल | 0.0004047 | उमर अली मियां, |
| 13 | 1216 | निजी | बहाल | 0.0008094 | मंगना कुलुनी, रूपु गोराई। |
| 14 | 1217 | निजी | बाईद | 0.0032376 | मंगना कुलुनी, रूपु गोराई। |
| 15 | 1227 | निजी | कनाली | 0.0004047 | उमर अली मियां, |
| 16 | 1228 | निजी | बाईद | 0.0012141 | उमर अली मियां, |
| 17 | 1229 | निजी | कनाली | 0.0016188 | पिरू मियां, नान्हु मियां। |
| 18 | 1252 | निजी | कनाली | 0.0004047 | मोती लाल वो काला गोराइ वो मुरली गोराई, तारापदो गाराई। |
| 19 | 1254 | निजी | कनाली | 0.0024282 | आशु गोराई, श्रीपति गोराई, मुदाम मियां, छुटल मियां। |
| 20 | 1260 | निजी | कनाली | 0.0040469 | गुलाबी वाला कुलनी, तारापदो गोराई, श्री गुहीराम गोराई, श्री आशु गोराई, पंकज कुमार गुप्ता, महेन्द्र प्रसाद गुप्ता, पंकज कुमार गुप्ता, स्व० महेन्द्र प्रसाद गुप्ता। |
| 21 | 1262 | निजी | बाईद | 0.0004047 | अलोक गोराई, स्व० महादेव गोराई, आशुतोश गोराई, श्रीपति गोराई, गोनया, तारापदो गोराई, पतित पावन गोराई, स्व० काली गोराई, मुस्मात गुलाबी देवी, तारापदो गोराई, मोती लाल गोराई वो काला गोराई वो मुरली गोराई तारापदो गोराई, श्रीमती प्रमिला देवी, स्व० ज्योती गोराई, श्री अरविन्द कुमार मंडल, श्री किर्तन मंडल, रंजीत कुमार गुप्ता, स्व० महेन्द्र प्रसाद गुप्ता। |
| 22 | 1263 | निजी | बाईद | 0.0109268 | छुटु गोराई, कानु गोराई, मो० खालीक अंसारी, स्व० समीरूद्दीन मियाँ, रूखसाना खतुन, सहाबुददीन अंसारी (पिता–जलील अंसारी)। |
| 23 | 1275 | निजी | बाईद | 0.0040469 | द्रोपति देवी वो रमावाला वो सुरूची वो इन्द्ररानी, सतीस, कुटिवाला, दुखु, ज्योती प्रसाद धनी, ईशवर धनी, श्री अमर कुमार सागर, श्री शशी कांत सिंह, श्री शुभम कुमार सागर, श्री शशी कांत सिंह। |
| 24 | 1276 | निजी | बाईद | 0.0080939 | पिरू मियां, नान्हु मियां, आनेशा बीबी, मो० हानन अंसारी। |
| 25 | 1283 | निजी | पुरानी परती | 0.0060704 | निरंजन दास, तिलक तारण दास, बसंत वो सुमन्त वो हेमन्त वो सतीचन्द्र दास, राम रंजन वो रतन, भुषण दास, श्रीमती सुलेख दासी, श्री सनत गोपाल दास, मो० आसीफ रशीद अंसारी, अब्दुल रशीद अंसारी। |
| 26 | 1284 | निजी | पुरानी परती | 0.0072845 | निरंजन दास, तिलक तारण दास, बसंत वो सुमन्त वो हेमन्त वो सतीचन्द्र दास, राम रंजन वो रतन, भुषण दास, श्रीमती सुलेख दासी, श्री सनत गोपाल दास, मो० आसीफ रशीद अंसारी, अब्दुल रशीद अंसारी। |
| 27 | 1285 | निजी | पुरानी परती | 0.0004047 | निरंजन दास, तिलक तारण दास, बसंत वो सुमन्त वो हेमन्त वो सतीचन्द्र दास, राम रंजन वो रतन, भुषण दास, श्रीमती सुलेख दासी, श्री सनत गोपाल दास, मो० आसीफ रशीद अंसारी, अब्दुल रशीद अंसारी। |
| 28 | 1286 | निजी | पुरानी परती | 0.0084986 | निरंजन दास, तिलक तारण दास, बसंत वो सुमन्त वो हेमन्त वो बसंत, सतीचन्द्र दास, राम रंजन वो रतन। |
| 29 | 1291 | निजी | वाड़ी–1 | 0.0028329 | चन्द्र मोहन दास वो नोनी गोपाल वो लखी कान्त, श्रीपति दास, नमीता दासी, हरिपद दास, भरत दास वो गोराचन्द्र दास वो कमल कान्त दास वो आजीत कुमार दास, गंगाधर दास, रानीवाला दासी, गंगाधर दास बुडी दास, हरिपद दास, श्री हेमन्त कुमर दास, स्व० सतीस चन्द्र दास। |
| 30 | 1292 | निजी | पुरानी परती | 0.0032376 | निरंजन दास, तिलक तारण, राम दास वो रतन, भुषण, सुमन्त वो हेमन्त वो बसंत, सतीस चन्द्र। |
| 31 | 1293 | निजी | पुरानी परती | 0.0080939 | निरंजन दास, तिलक तारण, राम दास वो रतन, भुषण वो सुमन्त वो हेमन्त वो बसंत, सतीस चन्द्र दास, निरंजन दास, राम रंजन दास वो रतन चंदन दास वो त्रिलोक तारण दास, स्व० भुषण चंद्र दास, सुमंत कुमार दास वो हेमंत कुमार दास वो बसंत कुमार दास, स्व० सतीस चंद्र दास, श्री राजेश कुमार दास, सुकुमार दास, श्री भीम चन्द्र दास पिता श्री अतुल दास। |
| 32 | 2150 | सरकारी | दोन–1 | 0.0190206 | सिचाई विभाग बिहार सरकार |
| 33 | 2291 | सरकारी | दोन–1 | 0.0335896 | अनाबाद बिहार सरकार |
| 34 | 2294 | निजी | पुरानी परती | 0.0174019 | पंचानन गोराई, बायु लाल गोराई। |
| 35 | 2295/2608 | निजी | गोडा–2 | 0.0319709 | मदन मोहन गुप्ता पिता–नन्द लाल गुप्ता |
| 36 | 2299 | निजी | पुरानी परती काबिल आबाद | 0.0048563 | उमर अली मियां वो ईद्रीश मियां वो रेवाज मियां वो मुस्लिम वो हनिफ वो मुस्तकिम, भाटवर मियां, नन्हकु मियां, वाज मियां, समीमुदिन मियां, अलीजान मियां |
| 37 | 2300 | निजी | पुरानी परती काबिल आबाद | 0.0004047 | उमर अली मियां वो ईद्रीश मियां वो रेवाज मियां वो मुस्लिम वो हनिफ वो मुस्तकिम, भाटवर मियां, नन्हकु मियां, वाज मियां, समीमुदिन मियां, अलीजान मियां, सत्यनारायण राम, स्व० अमृत राम, कुर्बान मियां, सुलतान मियां, कमिशन मियां, दुखु मियां, मफिजुददिन अंसारी, मतावर मियां, तारकेश्वरी देवी, सचिदाननद प्रसाद। |
| 38 | 2301 | सरकारी | पुरानी परती | 0.009308 | अनाबाद बिहार सरकार |
| 39 | 2302 | निजी | पुरानी परती काबिल आबाद | 0.0068798 | वसीर वो कलइमुदिन, कासु मियां, कुदरत वो मुमताज वो वरातत, झुलिदिन मियां, कुर्बान मियां, बाबुजान मियां, मकबुल मियां, अलाद्दीन मियां, श्री ईन्द्रदेव विश्वकर्मा, श्री छुटकन मिस्त्री, श्री बिरेन्द्र विश्वकर्मा, छुटकुन मिस्त्री, श्री सुरेन्द्र नाथ विश्वकर्मा, श्री छुटकन मिस्त्री, श्रीमती नीतु गुप्ता, श्री कुलदीप कमार गुप्ता। |
| 40 | 2303 | निजी | पुरानी परती | 0.0178066 | नियामत मियां, राजु मियां, रोटु मियां, सोनु मियां, मो० सरफुददिन अंसारी, स्व० हानीफ मियां, संजय कुमार बरनवाल, स्व० बालेश्वर लाल बरनवाल, मेहरून बीबी, कासीम अंसारी, मो० कलाम अंसारी, स्व० अब्दुल रज्जाक अंसारी नयाज अहमद खान, मो० ईकबाल खान, त्रिवेणी साव, चन्द्रीका साव, प्रतिमा देवी, चंदन मंडल, किरन देवी, परमेश्वर प्रसाद, राहुल कुमार बरनवाल, देवेन्द्र बरनवाल, मोहन कुमार, महेश। |

(फा. सं . RW/Ranchi/LA/km.50.8 to km. 65.326/NH-419/JHR/2021-22/3D)

अभय जैन, निदेशक

PR 340931 Land Reforms (24-25)_D

# 25 में क्या तेजस्वी यादव का काम पैंतीस हो पाएगा



**पटना (एजेंसी):** बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं. इसके लिए सभी दलों ने अभी से अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं. इसी कड़ी में राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि वह २०२५ में एनडीए की सरकार नहीं बनने देंगे. वहीं नीतीश कुमार अबकी बार २०१० का भी रिकॉर्ड तोड़ने का दम भर रहे हैं.

अब किसके दावे में ज्यादा दम है, इसका विश्लेषण आंकड़ों के हिसाब से करते हैं. सबसे पहले तेजस्वी यादव के दावे को हकीकत के धरातल पर चेक करते हैं. २०२० में हुए विधानसभा चुनावों में तेजस्वी के नेतृत्व में राजद ने काफी दमदार प्रदर्शन किया था. ७५ सीटें जीतकर राजद सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी. बीजेपी को ७४ सीटें मिली थीं. वहीं नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ४३ सीटों के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गई थी.

इस चुनाव में आरजेडी को सबसे ज्यादा २२.१४ फीसदी वोट शेयर हासिल हुआ था. वहीं बीजेपी को २०.५२ फीसदी वोट मिले थे, जबकि जेडीयू को १८.५२ फीसदी लोगों ने वोट किया था. उस वक्त अगर कांग्रेस भी थोड़ा अच्छा प्रदर्शन कर लेती तो तेजस्वी यादव सीएम भी बन जाते, लेकिन बीजेपी की मदद से नीतीश कुमार के सिर का ताज बरकरार रहा.

नीतीश कुमार इधर-उधर भी गए तो भी सीएम की कुर्सी उनके पास ही रही. जेडीयू के इस बुरे प्रदर्शन में चिराग पासवान का सबसे बड़ा हाथ था. चिराग के नेतृत्व लोजपा ने २०२० का विधानसभा चुनाव एनडीए से अलग होकर लड़ा था. इस चुनाव में करीब ६ फीसदी वोट शेयर के साथ लोजपा को सिर्फ एक सीट मिली थी. लोजपा के अलग होने के कारण एनडीए का वोटर बंट गए और जेडीयू को कई सीटों का नुकसान हो गया.

अब नीतीश कुमार और चिराग पासवान की दोस्ती तेजस्वी यादव के लिए बड़ा खतरा साबित हो रही है. एकजुट एनडीए के कारण हाल ही में हुए उपचुनाव में महागठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया. इससे पहले नीतीश कुमार ने २०१० का विधानसभा चुनाव लोजपा के साथ मिलकर लड़ा था. उस वक्त आरजेडी सिर्फ २२ सीटों पर सिमट गई थी. लोजपा (रामविलास) ने दावा कर दिया कि आरजेडी २०१० में जिस स्थिति में थी २०२५ के चुनाव के बाद उससे भी नीचे चली जाएगी. उपचुनाव में महागठबंधन की शर्मनाक हार में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी भी अहम फैक्टर रही. इस उपचुनाव में पीके की पार्टी को करीब १० फीसदी वोट हासिल हुए. इस बार पीके ने तेजस्वी यादव की लुटिया डुबो दी. हो सकता है कि २०२५ में नीतीश कुमार की कहानी खराब दें.

# आईआईटी कृषि क्षेत्र में भी बढ़ाए नवाचार : उपराष्ट्रपति



**कानपुर (ईएमएस):** आईआईटी कानपुर में 'भारत के विकास में नवाचार की भूमिका' विषय पर हुए व्याख्यान में नवाचार के नए क्षेत्र पर चर्चा हुई। कॉरपोरेट जगत से संस्थान के नवाचारों पर निवेश कर उन्हें समाज में लाने का आह्वान हुआ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आईआईटी से कृषि क्षेत्र में खासतौर पर नवाचार बढ़ाकर विकास के नए रास्ते खोजने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने संस्थान परिसर में एक पौधा रोपकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में नवाचार के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देकर आईआईटी कानपुर के पास भारत के कृषि परिदृश्य को बदलने, आर्थिक विकास के लिए नए रास्ते बनाने और लाखों किसानों की आजीविका में सुधार करने का अवसर है।

उपराष्ट्रपति ने कॉर्पोरेट जगत से नवाचार के लिए मजबूत प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर जोर दिया। अपने इनक्यूबेशन सेंटर जैसी पहल के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देने में आईआईटी कानपुर की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह आईआईटी कानपुर ने महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों सहित ४०० से अधिक स्टार्टअप का समर्थन किया है, वह सराहनीय है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारे नवाचार स्मार्ट, स्केलेबल और टिकाऊ समाधानों पर केंद्रित हों। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नवाचार का मतलब सिर्फ नई तकनीक बनाना नहीं है। बल्कि यह समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए नए विचारों को अपनाना है। उन्होंने कहा, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति नवाचार से प्रेरित है और आईआईटी कानपुर जैसे संस्थान यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि इन प्रगतियों से सभी को फायदा मिले।

# 9वीं पास क्या कानून जानेगा : मंत्री बिजेंद्र

**पटना (एजेंसी):** बिहार में रोजगार को लेकर क्रेडिट वॉर अभी तक जारी है. अब इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए जेडीयू के दिग्गज नेता और बिहार सरकार में ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला. ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि नौंवी पास कानून क्या जानेगा, रोजगार देने के लिए मुख्यमंत्री का निर्णय होता है. बिजेंद्र यादव ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी का नाम लिए बगैर कहा कि पति-पत्नी ने १५ साल तक बिहार में राज किया, लेकिन कोई विकास नहीं किया. उन्होंने चारा घोटाला और अलकतरा घोटाला जरूर किया है.




ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने किशनगंज में आयोजित जेडीयू कार्यकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए लालू परिवार पर खूब निशाना साधा. उन्होंने लालू यादव सिर्फ अपने परिवार के हित की बात करते हैं, उन्हें समाज की हित से कोई मतलब नहीं है. वहीं दूसरी तरफ नीतीश कुमार ने २००५ से लेकर अभी तक समाज के सभी वर्गों को लेकर जो काम किया है, वो लोगों के सामने में है. कल के बिहार और आज के बिहार में बहुत बड़ा अंतर है. वहीं तेजस्वी यादव द्वारा बिहार के लोगों के लिए दो यूनिट मुफ्त बिजली और युवाओं को दस हजार नौकरी का श्रेय लेने पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि नौवीं तक पढ़ा लिखा क्या कानून जानेगा, मुख्यमंत्री नेता होता है उनका निर्णय होता है.

---

**ई० निविदा आमंत्रण सूचना**
**निविदा सं० : DMFT/MIR/DHN/ $F_2$-15 -2024-25**
**लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद।**

**5th Call**

निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : **कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001**
ऑन लाईन निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय : 21.12.2024 12:30 बजे
ऑन लाईन निविदा समर्पित करने की अंतिम तिथि एवं समय : 27.12.2024 5 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 30.12.2024 12:30 बजे
सम्पर्क सूत्र मोबाईल संख्या : 7903299712
कार्य का नाम एवं राशि निम्नवत् है :–

| ग्रुप संख्या | योजना का नाम | प्रखण्ड | प्राक्कलित राशि (लाख में) | अग्रधन की राशि (रूपये में) | परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | मोहबनी ग्राम अंतर्गत आर०ई० ओ० से कर्बला मैदान तक पी० सी० सी० पथ तक पुलिया एवं गार्डवाल का निर्माण | गोविंदपुर | 57.105 | 114300.00 | 5,000.00 | 3 माह |

**नोट :– केवल ई– निविदा ही मान्य होगी। परिमाण विपत्र की राशि घट – बढ़ सकती है । निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगी ।**
**विशेष जानकारी के लिए : http://jharkhandtenders.gov.in देखें।**

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद।

PR 340959 (Minor Irrigation) 24-25 (D)

---

**असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बोकारो**

**गर्भधारण एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम (PCPNDT), 1994 के निबंधन हेतु आवश्यक सूचना**

आप सभी निबंधित अल्ट्रासाउण्ड क्लिनिक/अस्पतालों को सूचित किया जाता हैं गर्भधारण एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम (PCPNDT), 1994 के विभिन्न धाराओं का अक्षरतः अनुपालन करने हेतु बार–बार निदेशित किया जा रहा हैं। आप सभी को पुनः सूचित किया जाता हैं कि अल्ट्रासाउण्ड संचालन हेतु अपने संस्थान में निम्नवत बिन्दुओं का अनुपालन करना सुनिश्चित करेगें।

1. संस्थान में सिविल सर्जन, बोकारो, क्षेत्राधीन अनुमण्डल पदाधिकारी , संबंधित थाना प्रभारी, जॉच करने वाले चिकित्सक एवं संचालन का नाम एवं दुरभाश नम्बर बड़े–बड़े अक्षरों में प्रदर्शित करना।
2. संस्थान के खुलने एवं बंद करने का समय प्रदर्शित करना।

निरीक्षण दल द्वारा औचक निरीक्षण के क्रम में अल्ट्रासाउण्ड नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर आपके संस्थान के विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बोकारो

PR.NO.340937 Health Med Edu and Family Welfare(24-25):D

---

**झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार,**
**बोकारो प्रक्षेत्र, बियाडा भवन, बालीडीह, बोकारो स्टील सिटी–827014.**
**Gmail : mdbiadabokaro@gmail.com**

**प्रेस विज्ञप्ति**

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैकि सर्वश्री वेदांग हाइडोकार्वन प्रा0 लि0 ,बोकारो औधोगिक क्षेत्र, बालीडीह ,प्लॉट नं0–III/1 to 12 रकवा–1.44 एकड के निदेशक श्री शम्भू कुमार केडिया एंव वेदांग केडिया द्वारा प्राप्त पत्र के आलोक में अपने अन्य व्यवसाय में व्यस्त रहने के कारण इकाई को सुचारू रूप से चलाने में समय नहीं दे पा रहा हूँ । इकाई को सुचारू रूप से चलाने हेतु सर्वश्री वीएसटी आयरन मर्चेट प्रा0 लि0 के निदेशक श्री दीपक गुप्ता एंव श्रीमति भावना गुप्ता के नाम से निदेशक परिवर्तन करना चाहता हूँ। इकाई का नाम सर्वश्री वेदांग हाइडोकार्वन प्रा0लि0 से सर्वश्री वीएसटी आयरन मर्चेट प्रा0 लि0 के नाम से निदेशक परिवर्तन किया जाना है ।

अतः उपर्युक्त प्रस्ताव पर किसी को कोई अपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 10 दिनों के अन्दर अपना लिखित आपत्ति दर्ज करें, अन्यथा निर्धारित समय अवधि समाप्ति के उपरांत प्रस्ताव पर अग्रेत्तर कार्रवाई किया जाएगा।

ह0/
क्षेत्रीय निदेशक
जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र

PR 340977 (Industries) 24-25 (D)

---

**कार्यालय, जिला अभियंता जिला परिषद गिरिडीह**

**अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना**

ई0–निविदा संख्या– DE/ZP/GIRIDIH/05/RE2/2024-25

ई– निविदा सूचना संख्या – **DE/ZP/GIRIDIH/05/RE2/2024-25**

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः– **15वें वित्त आयोग आबद्ध मद।**

| क्र0 | ग्रु0 | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | कार्य अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 4 | 1.प्रखण्ड देवरी अन्तर्गत पचायत ढेगाडीह ग्राम मंझलाडीह उपर टोला बुढ़ा आहर छठ घाट निर्माण। 2.प्रखण्ड जमुआ अन्तर्गत पंचायत केन्दुआ ग्राम रंगामाटी प्रयाग महतो घर से डोमन महतो कम्पाउण्ड तक नाली निर्माण। | 1708900.00 | 35000.00 | 5000.00 | 3 माह |
| 2 | 7 | 1.प्रखण्ड धनवार अन्तर्गत पचायत सिरसाय ग्राम डोमायडीह छोटा तालाब का जिर्णोद्धार। 2.प्रखण्ड धनवार अन्तर्गत पंचायत अम्बाटांड ग्राम कारूरायडीह सुबोध यादव घर के पीछे चेक डेम एवं स्नान घाट निर्माण। 3.प्रखण्ड धनवार अन्तर्गत ग्राम पंचायत गुण्डरी के ग्राम तारानाखो के पोखरिया तालाब में स्नान घाट निर्माण। 4.प्रखण्ड धनवार अन्तर्गत पंचायत गादी ग्राम अरगाली में ओलिया बाबा के पास तालाब में स्नान घाट निर्माण। 5.प्रखण्ड धनवार अन्तर्गत पंचायत गादी ग्राम सिंगारडीह तालाब में स्नान घाट निर्माण। | 2299500.00 | 46000.00 | 5000.00 | 4 माह |
| 3 | 10 | 1.प्रखण्ड बगोदर के अटका पश्चिमी पंचायत के ग्राम जिरवाटाण्ड बजरंग बली मंदिर से लेकर मोहन महतो झरी होतु हुए नावाहरा मंदिर तक नाली का निर्माण। 2.प्रखण्ड बगोदर के जरमुने पश्चिमी पचांयत के ग्राम माहुरी में सिटन महतो झरी से मस्जिद होते हुए बोडी बांध तक ढक्कन सहित नाली निर्माण। 3.प्रखण्ड बगोदर अन्तर्गत पंचायत खेतको ग्राम खेतको चपटाही आम के निकट तालाब में घाट का निर्माण। | 1775100.00 | 36000.00 | 5000.00 | 3 माह |
| 4 | 11 | 1.प्रखण्ड बगोदर अन्तर्गत पंचायत बगोदर पश्चिमी के ग्राम अम्बाडीह में मोहर सिंह तालाब में स्नान घाट निर्माण। 2.प्रखण्ड बगोदर के पंचायत हेसला ग्राम हेसला के गेन्दोडीह मरघटिया बांध में घाट निर्माण। 3.प्रखण्ड बगोदर के पंचायत दोन्दलो में टोला मुखियाखेरी हरदली नदी में घाट निर्माण। 4.प्रखण्ड बगोदर के पंचायत जरमुने पूर्वी ग्राम नावाडीह के खड्डुईया नदी में घाट निर्माण। | 2087800.00 | 42000.00 | 5000.00 | 4 ekg |

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 03.12.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय दिनांक 03.12.2024 से दिनांक 10.12.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– जिला अभियंता, जिला परिशद का कार्यालय, गिरिडीह।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 12.12.2024 अपराह्न 3:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिशद, गिरिडीह।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या – 9431323435 (संबंधित जिला अभियंता, गिरिडीह का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता हैं तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. जिला परिषद, गिरिडीह के समुचित श्रेणी एवं उससे एक उपर के निबंधित संवेदक ही भाग ले सकते है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, गिरिडीह।

PR 340917 (Rural Development) 24-25 (D)

---

**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय**
**पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा**

**ई–प्रोक्योरमेंट सूचना सं0 –03/2024–25**

**शुद्धि पत्र**

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना सं0–03/2024–25 (PRNo.-340546 Road (24-25)-D के द्वारा कार्य – पथ प्रमंडल, जामताड़ा अंतर्गत दुमका – मसलिया –कुण्डहित – नाला पथ के कि0मी0 20.00 से 53.355 कि0मी0 तक (कुल लंबाई–33.355 कि0मी0) का राईडिंग क्वालिटी में सुधार (Improvement of Riding Quality) कार्य वर्ष 2024–25 हेतु निकाली गई निविदा में तकनीकी कारणों से ई–निविदा का बेवसाईट पर प्रकाशन की तिथि 30.11.2024 के स्थान पर 05.12.2024 एवं ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 24.12.2024 के स्थान पर 30.12.2024 संशोधित की जाती है। शेष शर्ते यथावत रहेंगें।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमंडल, जामताड़ां

PR 340961 (Road) 24-25 (D)

---

**कार्यालय**
**विद्युत कार्यपालक अभियंता**
**विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद**

**शुद्धि-पत्र**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि अतिअल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना सं0 35/2024–25 दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित है, जिसका PR No.- 340496 Energy (24-25)D है, जिसमें

Date of Publication of tender on website – 05.12.2024
Online bid submission period - From 06.12.2024 at 10.30 am to 11.12.2024 at 2:00 pm,
Technical Bid Opening Date - 12.12.2024 at 3:00 pm है।

उपरोक्त के स्थान पर

Date of Publication of tender on website – 13.12.2024
Online bid submission period - From 14.12.2024 at 10.30 am to 21.12.2024 at 2:00 pm,
Technical Bid Opening Date - 23.12.2024 at 3:00 pm है।

पढ़ा जाए।

शेष सभी शर्ते यथावत रहेगी।

विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

PR.NO.340985 Energy(24-25):D

# वाल्मीकि नगर सीमा शुल्क स्थल से नेपाल को निर्यात शुरू

**पटना (एजेंसी):** सीमा शुल्क, आयुक्तालय पटना के अंतर्गत नेपाल सीमा पर सटे वाल्मीकिनगर सीमा शुल्क स्थल(एल०सी०एस०)से दिनांक २७ नवंबर २०२४ को विभिन्न प्रकार के रेडीमेड कपड़ों का निर्यात शुरू हुआ. यह निर्यात क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है.

बता दें कि वर्ष २०२३ में वाल्मीकि नगर सीमा शुल्क स्थल कार्यालय (एल०सी० एस०) की शुरुआत की गई थी. लेकिन कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण निर्यात और आयात प्रक्रिया बाधित थी. जिसके बाद इस मुद्दे पर १८ नवंबर २०२४ को केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे एवं डाक्टर यशोवर्धन पाठक आयुक्त सीमा शुल्क, पटना एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के बीच बैठक हुई.

बैठक में वाल्मीकि नगर सीमा स्थल से आयात- निर्यात में आने वाले बाधाओं को दूर करके आयात- निर्यात जल्द प्रारंभ हो इसको लेकर चर्चा हुई. इसके बाद दिनांक १९ नवंबर को आयुक्त सीमा शुक्ल पटना की उपस्थिति में वाल्मीकि नगर सीमा शुल्क चौकी के अधिकारियों एवं विभिन्न व्यापारी प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई. बैठक के बाद आयत- निर्यात जल्द से जल्द प्रारंभ हो इसको लेकर आयुक्त महोदय ने दिशा निर्देश जारी किए. जिसके परिणामस्वरूप वाल्मीकिनगर सीमा शुल्क स्थल से निर्यात प्रारंभ हुआ. अभी विभिन्न प्रकार के रेडीमेड गारमेंट का निर्यात मेसर्स अलिअंस कॉन्ट्रैक्ट्स एंड इंजीनियर्स चनपटिया के द्वारा निर्यात संबंधित सभी मानदंडों को पूरा करने के बाद किया गया.



इस सीमा चौकी से निर्यात शुरू होने से यहाँ के विभिन्न व्यापारिक गतिविधियों को बहुत शुलभता एवं बढ़ावा मिलेगा क्योंकि इससे पहले व्यापारियों को निर्यात के लिए अन्य सीमा शुल्क स्टेशनों का सहारा लेना पड़ता था. जिसके कारण समय और लागत दोनों बढ़ जाते थे. अब वाल्मीकिनगर से निर्यात की शुरुआत के बाद व्यापारियों को कम समय और लागत में सुविधा मिलेगी, जो स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करेगा. निर्यात की प्रक्रिया शुरू होने से वाल्मीकिनगर क्षेत्र के व्यापारियों में खुशी का माहौल है. उन्होंने इसके लिए माननीय मंत्री और आयुक्त सीमा शुल्क के प्रयासों की सराहना की है.

हालांकि नेपाल की तरफ से प्लांट क्वारंटीन और एफएसएसएआई लैब की अनुपलब्धता के कारण कृषि और कृषि प्रसंस्करण आधारित वस्तुओं का निर्यात अभी संभव नहीं हो पा रहा है. इन वस्तुओं के निर्यात के लिए भारतीय सीमा में प्लांट क्वारंटीन और एफएसएसएआई लैब की स्थापना के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि भविष्य में इन वस्तुओं का आयत-निर्यात भी सुगम हो सकेय आयुक्त महोदय के द्वारा बताया गया कि इन वस्तुओं के अतिरिक्त अन्य वस्तुएं, जैसे- लोहा, सीमेंट, कपड़े,कॉस्मेटिक्स, एलेक्ट्रिकल्स इत्यादि सामग्रियों को आसानी से नेपाल आयात-निर्यात किया जा सकता है.

# साइबर क्राइम पर बिहार पुलिस का हंटर, पटना व गया में कार्रवाई

**पटना (एजेंसी):** देश भर में साइबर अपराधियों का आतंक जारी है. लगातार लोगों को साइबर अपराधी अपना निशाना बना रहे हैं. इसी कड़ी में साइबर अपराधियों के खिलाफ पटना साइबर थाने की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. दरअसल इस करवाई मे तेलंगाना के ६ साइबर क्रिमिनल्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है.

सभी साइबर क्रिमिनल्स राजधानी पटना के रामकृष्ण नगर थाना इलाके में निजी फाइनेंस कंपनी के नाम पर लोगों को लोन दिलाने के नाम पर चूना लगा रहे थे. जिसका खुलासा साइबर थाना पुलिस ने किया है. इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए राघवेंद्र मणि त्रिपाठी साइबर सेल डीएसपी पटना ने बताया कि गैंग के दो मास्टरमाइंड जिनकी देखरेख में यह साइबर क्राइम चल रहा था फिलहाल फरार हैं. फरार दोनों साइबर अपराधकर्मी बिहार के नालंदा के रहने वाले हैं.

पटना की साइबर थाने जिले के रहने वाले साइबर डीएसपी का कहना है कि तेलंगाना से आकर साइबर क्राइम कि इस घटना को पिछले कई महीनों से अंजाम दिया जा रहा था. पहले एक गिरोह यहां से ठगी कर जा चुका था और फिर दूसरा गिरोह काम कर रहा था.

तेलंगाना से आने वाले लोगों को सैलरी और कमीशन पर रखा जाता था. पुलिस ने गिरोह के पास से ३२ मोबाइल और इंटरनेट के राउटर के अलावा कई अन्य चीजें जब्त की हैं. फिलहाल फरार मास्टरमाइंड दोनों अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पटना पुलिस की छापेमारी जारी है.

गया पुलिस ने साइबर गिरोह का बड़ा खुलासा करते हुए ३६ युवक-युवतियों को गिरफ्तार कर लिया है. गया पुलिस ने साइबर गिरोह के पास से ३३ मोबाइल, ३ लैपटॉप और अन्य दस्तावेज भी बरामद किया गया है. अपराधियों के पास से बरामद किए गए मोबाइल नंबरों से पूरे भारत में करीब २० मोबाइल नंबर से ३६ साइबर ठगी का शिकायत दर्ज है. इन नंबरों से लोन देने और अन्य योजनाओं का लाभ उठाने, लाइसेंस देने के नाम पर ठगी किया जाता था.

वहीं, गया पुलिस और साइबर थाने की पुलिस ने यह कार्रवाई करते हुए बताया कि यह ठगी रामपुर थाना क्षेत्र के मिर्जा गालिब कॉलेज के समीप पिनोल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के नाम पर चल रहा था. जिसका खुलासा गया पुलिस के द्वारा किया है.

# आरएसएस चीफ की 3 बच्चों वाली पॉलिसी पर क्या है जेडीयू का स्टैंड

**पटना (एजेंसी):** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले बयान पर राजनीति जारी है. मोहन भागवत के बयान के सहारे विपक्ष एक सुर में बीजेपी को पर हमलावर है. वहीं अब इस मामले में जेडीयू की प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है. जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि आरएसएस चीफ के बयान पर तो कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन जनसंख्या विस्फोट पर चिंता जरूर व्यक्त की.



उन्होंने कहा कि आरएसएस एक राष्ट्रीय सांस्कृतिक संगठन है. उस पर मैं कोई मंतव्य स्थापित नहीं कर सकता, लेकिन हम लोग बचपन से विद्यालय में पढ़ा करते थे कि देश के अंदर जनसंख्या विस्फोट एक गंभीर समस्या है. उन्होंने आगे कहा कि जनसंख्या नियंत्रण पर इस देश के अंदर विमर्श होता रहा है. इसे कौन किस रूप से अपना नजरिया पेश करते हैं, वह उनका विशेषाधिकार है.

बता दें कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि कम से कम ३ बच्चे पैदा करें, कम आबादी वाला समाज नष्ट हो जाता है. वहीं इस पर राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि मोहन भागवत ३ बच्चों की बात कर रहे हैं. वहीं बीजेपी के कुछ नेता जनसंख्या नियंत्रण की बात कर रहे हैं. पहले बीजेपी और आरएसएस आपस में तय कर ले कि जनसंख्या नियंत्रण करना है या जनसंख्या बढ़ाना है. ये तो विरोधाभास है. राजद प्रवक्ता ने कहा कि इस देश में नियम, कानून और संविधान है. उसी से सबकुछ चलेगा, किसी के कहने से कुछ नहीं होगा.

संघ प्रमुख के बयान पर हैदराबाद के सांसद और -खचखच् अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने भी तंज कसा. ओवैसी ने कहा मैं मोहन भागवत से पूछना चाहता हूं कि वह ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को क्या देंगे? क्या वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों के बैंक अकाउंट में १५०० रुपये देंगे? ओवैसी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने खुद कहा था कि जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उन्हें अपना मंगलसूत्र उतारकर दूसरा पहन लेना चाहिए. पीएम का कहना है कि मुस्लिम आबादी बहुत ज्यादा बढ़ा रहे हैं. वे इसे बदनाम कर रहे हैं. अब मोहन भागवत कहते हैं तीन बच्चे पैदा करें.

# गया की युवा विंग ने दिया सामूहिक इस्तीफा

**पटना,(ईएमएस) :** लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास (एएलपीआर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की पार्टी के गया युवा लोकजन शक्ति पार्टी (रामविलास) विंग की पूरी कमेटी ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। इन्होंने पार्टी में नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्मान नहीं दिए जाने का आरोप लगाया है। यह चिराग के लिए एक झटका है।

इस संबंध में लोजपा (रामलिवास) के युवा विंग के पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता में युवा लोजपा के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार ने आरोप लगाया है कि पार्टी में नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्मान नहीं दिया जा रहा है, बल्कि एक विशेष पक्ष के लिए ही ध्यान दिया जाता है, जबकि चिराग पासवान बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट का नारा देते हैं, लेकिन इसके विपरीत उनकी पार्टी में खास पक्ष की ही सुनी जाती है।



मुकेश ने कहा कि हम लोग पिछले दस सालों से पार्टी से जुड़े हैं लेकिन अपनी ही पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं जिससे मन ऊब चुका है। बीमारी हो या कोई समस्या, पार्टी के सीनियर लोगों को इससे कोई लेना-देना नहीं है।

मदद करने के लिए कोई आगे नहीं आता। इसलिए लगभग १०० से भी ज्यादा की संख्या में युवा लोजपा की कमेटी ने इस्तीफा दिया है। इसको लेकर अभी चिराग पासवान की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

# सपा-कांग्रेस पर देश की प्रगति को रोकने का है आरोप : उप मुख्यमंत्री

**लखनऊ,(ईएमएस):** यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए उन्हें सांपनाथ और नागनाथ बताया है। उन्होंने दोनों दलों पर समाज को बांटने और तुष्टिकरण की राजनीति के जरिए देश की प्रगति को रोकने का आरोप लगाया है।

मौर्य ने कहा कि सपा और कांग्रेस ने मुस्लिमों को हिंदुओं के खिलाफ खड़ा करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि देश ने तुष्टिकरण की राजनीति की भारी कीमत चुकाई है, और यदि यह राजनीति न होती, तो भारत आज एक विकसित देश होता। संभल विवाद पर मौर्य ने कहा कि वहां कोई दंगा नहीं हुआ, बल्कि यह दो अपराधियों के बीच आपसी संघर्ष था। उन्होंने सपा सांसद और विधायकों पर इस घटना को तूल देकर माहौल खराब करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब संभल में शांति है,

तो सपा क्यों वहां का माहौल बिगाड़ना चाहती है।



मौर्य ने साफ कहा कि प्रदेश सरकार अपराध मुक्त समाज और सुशासन के प्रति प्रतिबद्ध है।

कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, कानून के खिलाफ काम करेगा, तो सरकार और न्यायपालिका अपना काम करेगी। उन्होंने किसानों से जुड़े मुद्दों पर कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, लेकिन अगर किसान की आड़ में कोई गलत काम करेगा, तो उसका वही हाल होगा जो हरियाणा में कांग्रेस का हुआ है।

मौर्य ने कहा कि सरकार हर नागरिक की भलाई के लिए काम कर रही है और किसी को भी अराजकता फैलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। मौर्य ने इंडिया गठबंधन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन का एकमात्र उद्देश्य पीएम मोदी को रोकना है, लेकिन यह कभी सफल नहीं होगा। उन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र में गठबंधन की विफलताओं का हवाला देते हुए कहा कि जनता ने विपक्ष की राजनीति को नकार दिया है। मौर्य ने दावा किया कि आने वाले समय में दिल्ली में भी बीजेपी की सरकार बनेगी।

उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर व्यक्तिगत हमला करते हुए कहा कि राहुल गांधी झूठ बोलने की मशीन हैं, जबकि अखिलेश अपराधियों और माफियाओं के संरक्षक हैं। उन्होंने सपा पर मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उपचुनाव में हार के बाद पार्टी अभी तक इससे उबर नहीं पाई है।

मौर्य ने विश्वास जताया कि बीजेपी के नेतृत्व में यूपी और देश दोनों विकास के पथ पर अग्रसर रहेंगे।

# पीएमयूवाई के कार्यान्वयन ने देश में एलपीजी कवरेज में सुधार करने में योगदान दिया

**नई दिल्ली (ईएमएस);** ग्रामीण क्षेत्रों और गरीब परिवारों के लिए आज उज्वला योजना वरदान साबित हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार १ नवंबर २०२४ तक भारत में सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की कुल संख्या ३२.८३ करोड़ है, जिसमें प्रधानमंत्री उज्वला योजना (पीएमयूवाई) के १०.३३ करोड़ लाभार्थी शामिल हैं। यह १ अप्रैल २०१६ तक १६.६३ करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। पीएमयूवाई के कार्यान्वयन ने देश में एलपीजी कवरेज में सुधार करने में योगदान दिया है जो अप्रैल २०१६ में ६२ प्रतिशत से बढ़कर अब लगभग संतृप्ति के करीब पहुंच गया है।

इसके अलावा पीएमयूवाई के कार्यान्वयन और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर पहुंच में इसके योगदान के कारण घरेलू एलपीजी की खपत में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वित्त वर्ष २०२३-२४ में भारत में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं ने सामूहिक रूप से १८४.५६ करोड़ रिफिल लिए, जिनमें से ३९.३८ करोड़ रिफिल पीएमयूवाई उपभोक्ताओं द्वारा लिए गए। देश में घरेलू एलपीजी खपत वित्त वर्ष २०१५-१६ में एमएमटी में १७.२ मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) से बढ़कर वित्त वर्ष २०२३-२४ में २६.२ मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) हो गया है।

पीएमयूवाई लाभार्थियों के बीच खपत पैटर्न में लगातार वृद्धि देखी गई है। अकेले अक्टूबर २०२४ में, पीएमयूवाई लाभार्थियों को ४ करोड़ से अधिक एलपीजी रिफिल वितरित किए गए, जो देश में इस खंड में एलपीजी के बढ़ते उपयोग और उपयोग को दर्शाता है। तेल विपणन कंपनियां खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में लगातार नए एलपीजी वितरकों की स्थापना कर रही हैं। पीएमयूवाई योजना के शुभारंभ के बाद से, तेल विपणन कंपनियों ने देश भर में ७९४४ वितरकों (०१.०४.२०१६ से ३१.१०.२०२४ के दौरान स्थापित) की स्थापना की है, जिनमें से ७३६१ (यानी ९३ प्रतिशत) ग्रामीण इलाकों में हैं। १ नवंबर, २०२४ तक, देश भर में कुल २५,५३२ एलपीजी वितरक हैं, जो १ अप्रैल २०१६ तक १७,९१६ वितरकों से अधिक है।

बता दें कि सरकार घरेलू एलपीजी की खुदरा कीमतों को नियंत्रित करती है और देश में घरेलू एलपीजी की सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है। इस दिशा में, सरकार ने ३० अगस्त २०२३ से सभी उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एलपीजी के खुदरा विक्रय मूल्य में २०० रुपये प्रति १४.२ किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर की कमी की है। सरकार ने ९ मार्च २०२४ से घरेलू एलपीजी के आरएसपी में १०० रुपये प्रति १४.२ किलोग्राम सिलेंडर की कमी की है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी का वर्तमान आरएसपी ८०३ रुपये प्रति १४.२ किलोग्राम सिलेंडर है।

२१ मई २०२२ से सरकार प्रधानमंत्री को प्रति वर्ष १२ रिफिल तक १४.२ किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर पर २०० रुपये की लक्षित सब्सिडी प्रदान कर रही है। इसके अलावा, ५ अक्टूबर, २०२३ से सरकार ने प्रधानमंत्री उज्वला योजना (पीएमयूवाई) के सभी लाभार्थियों के लिए लक्षित सब्सिडी को बढ़ाकर ३०० रुपये प्रति १४.२ किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर कर दिया है। ३०० रुपये प्रति सिलेंडर (और ५ किलोग्राम सिलेंडर के लिए आनुपातिक रूप से आनुपातिक) की लक्षित सब्सिडी के साथ, पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए प्रभावी लागत वर्तमान में ५०३ रुपये प्रति १४.२ किलोग्राम सिलेंडर (दिल्ली में) है। प्रधानमंत्री उज्वला योजना (पीएमयूवाई) मई, २०१६ में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य देश भर के गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को जमा राशि के बिना एलपीजी कनेक्शन प्रदान करना था।

# नोएडा बॉर्डर से हटे अवरोधक, फिलहाल दिल्ली कूच नहीं करेंगे किसान

**नोएडा (ईएमएस) :** संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों का दिल्ली कूच फिलहाल टाल दिया गया है। प्रदर्शनकारी किसानों ने नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल पर डेरा डालते हुए अपनी मांगों के समाधान के लिए प्रशासन को एक हफ्ते का समय दे दिया है। इससे पहले किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया था, लेकिन प्रशासन के साथ बातचीत के बाद स्थिति नियंत्रण में आ गई है। प्रदर्शनकारी किसान नए भूमि अधिग्रहण कानूनों के तहत उचित मुआवजे और लाभ सहित पांच प्रमुख मांगें उठा रहे हैं। इनमें विशेष रूप से यमुना प्राधिकरण, नोएडा प्राधिकरण और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। किसानों का कहना है कि यदि उनकी मांगें तय समय में पूरी नहीं हुईं, तो वे दोबारा दिल्ली की ओर कूच करेंगे। प्रदर्शन के दौरान किसानों और प्रशासन के बीच कई दौर की बातचीत हुई।

# मणिपुर में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आई

**इंफाल(ईएमएस):** ११ नवंबर को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए १० कुकी उग्रवादियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आ गई है। इसमें पता चला है कि ज्यादातर को पीछे से गोली मारी गई थी। सभी के सिर से लेकर पैर तक पूरे शरीर में गोलियां लगी हैं। कुछ को १० से ज्यादा गोलियां लगी हैं। इसके अलावा उनके शरीर पर कोई अन्य घाव या टॉर्चर के निशान नहीं हैं। हालांकि, चार शवों की एक-एक आंख गायब है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब शवों को असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए लाया गया तो ज्यादातर वर्दी और खाकी पोशाक में थे। मणिपुर पुलिस ने बताया था कि ११ नवंबर को हाइटेक हथियारों से लैस कुछ वर्दीधारियों ने जिरीबाम में बोरोबेक्रा पुलिस स्टेशन और उससे सटे सीआरपीएफ कैंप पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इसके बाद हुई मुठभेड़ में १० आतंकवादी मारे गए थे। इनमें से एक नाबालिग था।

रिपोर्ट में अहम बात यह भी सामने आई है कि मुठभेड़ के अगले दिन यानी १२ नवंबर को ६ लोगों के शव अस्पताल लाए गए थे। उनकी मौत का अनुमानित समय २४ से ३६ घंटे पहले था। १४ नवंबर को ४ लोगों के शव लाए गए थे, जिनकी मौत का अनुमानित समय ७२ से ९६ घंटे पहले का था। ये ४ शव सडने लगे थे। जबकि एक की मौत का अनुमानित समय ४८ से ७२ घंटे पहले था।

# त्रिपुरा के परिवहन मंत्री ने की बांग्लादेश में बस पर हमले की निंदा

**गोमती (ईएमएस):** त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने बताया कि अगरतला से कोलकाता जा रही श्यामोली परिवहन बस पर बांग्लादेश में हमला किया गया। उन्होंने इस क्रूर हमले के खिलाफ कड़ी निंदा की और पड़ोसी देश के प्रशासन से भारतीय यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। सुशांत चौधरी ने सोशल मीडिया पर इस घटना के तस्वीरें साझा करके जानकारी दी कि बस ब्राह्मणबारिया जिले के विश्व रोड पर हमला का शिकार हुई।

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सं0 : DMFT/MIR/DHN/ $F_2$-14/2024-25

लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद

3rd Call

जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, धनबाद के न्यास परिषद् धनबाद की बैठक दिनांक 28.09.2022 में लिये गये निर्णय के आलोक में विभिन्न प्रखण्ड के 05 योजनाओं निर्माण हेतु पत्रांक 418, दिनांक 18.10.2022 के आलोक में उप विकास आयुक्त सह सचिव DMFT, धनबाद के ज्ञापांक 596 /DMFT धनबाद, दिनांक 02.11.2023 से प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त है।

निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद। लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001

ऑन लाईन निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय : 21.12.2024 12:30 बजे

ऑन लाईन निविदा समर्पित करने की अंतिम तिथि एवं समय : 27.12.2024 5 बजे तक

ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 30.12.2024 12:30 बजे

सम्पर्क सूत्र मोबाईल संख्या : 7903299712

कार्य का नाम एवं राशि निम्नवत् है :–

| ग्रुप संख्या | योजना का नाम | प्रखण्ड | प्राक्कलित राशि (लाख में) | अग्रधन की राशि (रूपये में) | निविदा शुल्क (रूपये में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | Construction of 02 km Road from panchayat- Singada Charkitand Maina Chapdi to Singda Main road via Pandey Barki, Panchayat- Singada | Baghmara | 86.633 | 173300.00 | 10000.00 | 4 माह |
| 2 | Construction of P.C.C Road from Murlidih Aadiwashi tola to Damodar Nadi shamshan ghat Panchayat- Chhatrutand | Baghmara | 40.538 | 81100.00 | 5000.00 | 3 माह |

नोट :– केवल ई– निविदा हीं मान्य होगी। परिमाण विपत्र की राशि घट – बढ़ सकती है । निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा ही स्वीकार्य होगी ।

विशेष जानकारी के लिए : http://jharkhandtenders.gov.in देखें।

कार्यपालक अभियंता

लघु सिंचाई प्रमण्डल धनबाद

PR 340962 (Minor Irrigation)24-25*D

कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, जामताड़ा

संयुक्त जिला कृषि भवन, सरखेलडीह, जामताड़ा

Email.- atmajmt@gmail.com, Mobile No. 9330257038

अतिअल्पकालीन उद्धरण सूचना

01/2024–25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि जिला उद्यान कार्यालय, जामताड़ा के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में चल रहे उद्यान विकास योजना की उपयोजना "प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग " के तहत जिला – जामताड़ा शहर एवं उससे आस–पास के सटे हुए शहरों में बसे हुए परिवार के घरों के निकट खाली पड़े छोटे भू–खण्ड ,सरकारी परिसर जहॉ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrace gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों की खेती हेतु बीज, फुलों एवं फलों तथा साज– सज्जा के पौधे एवं उपादान का क्रय हेतु तीन वर्ष के लिए स्थानीय Service Provider / Nursery चयन के साथ समानों का दर निर्धारण हेतु दिनांक –10.12.2024 के अपराह्न 04:00 बजे तक न्यूनतम दर हेतु उद्धरण मुहरबंद निविदा बंद लिफाफे में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त किया जायेगा जो दिनांक – 16.12.2024 के अपराह्न 12:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में उद्धरणकर्त्ता एवं उक्त योजना अन्तर्गत नामित जिला स्तरीय गठित चार सदस्यीय समिति के समक्ष उपस्थिति / अनुपस्थिति में खोला जायेगा। इच्छुक उद्धरणकर्त्ता स्थानीय Service Provider / Nursery जिला उद्यान कार्यालय, जामताड़ा से कार्यालय अवधि में दिनांक–03.12.2024 से 09.12.2024 तक उद्धरण हेतु समाग्री की सूची प्राप्त किया जा सकता है या www.atmajamtara.org से डाउनलोड कर सकते है।

नोट :– विशेष जानकारी हेतु जिला उद्यान कार्यालय, जामताड़ा से सम्पर्क किया जा सकता है ।

जिला उद्यान पदाधिकारी, जामताड़ा।

PR.NO.340950 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(24-25):D

# जन शिकायत के लिए रांची डीसी ने जारी किया नंबर जनता कर सकेगी 24X7 व्हाट्सएप पर शिकायत

**रांची (एजेंसी):** रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने जिला की जनता के लिए जन शिकायत नंबर जारी किया है. ९४३०३२८०८० व्हाट्स ऐप नंबर है, जिसमें आम जनता अपनी शिकायत दे सकते हैं. डीसी के आवसीय गोपनीय स्थित सभा कक्ष से नंबर की आधिकारिक तौर पर पायलट लॉन्चिंग की. डीसी ने आम जनों से कहा कि आम लोगों की सुविधा और उनकी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन की ये पहल है, समय के साथ इस प्लेटफार्म के माध्यम से शिकायत प्राप्त करने और समाधान की प्रक्रिया को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा.

**शिकायत जमा करने पर दिया जावेगा रेफर्रेस नंबर:डीसी**

डीसी ने बताया कि आवेदक को अपना नाम, पता, थाना और शिकायत से संबंधित कागज जमा करना होगा. शिकायत जमा करने के बाद आवेदक को रेफर्रेस नंबर दिया जाएगा, जिससे वे अपने शिकायत के स्थिति जान सकेंगे. डीसी ने बताया कि ये नंबर २४४७ काम करेगी. समस्याओं को त्वरित संज्ञान में लेकर संबंधित विभाग द्वारा उसका समाधान किया जाएगा और नियमसंगत कार्रवाई की जाएगी. इसके लिए तीन पारियों में दो-दो कर्मियों और पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति भी की जा चुकी है. डीसी ने कहा कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, जमीन से जुड़ी समस्याओं को लेकर समीक्षा की जा रही है.

प्रत्येक सप्ताह को शनिवार के दिन जनता की शिकायतों से संबंधित समीक्षा की जायेगी. इसमें लोगों से प्राप्त होने वाले शिकायतों का समय से निराकरण के लिए संबंधित विभाग को भेजा जाएगा. शिकायत पर की गई कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन समय-समय पर उपलब्ध कराना होगा.

## पश्चिम बंगाल से परीक्षा देने आयी नाबालिग छात्रा के साथ होटल में छेड़खानी

**रांची (एजेंसी):** पश्चिम बंगाल से परीक्षा देने आयी नाबालिग छात्रा के साथ होटल में छेड़खानी हुई है. यह घटना रांची के कटहल मोड़ स्थित एक होटल में में हुई. जहां बदमाशों ने कमरे में घुसकर लड़की के साथ छेड़खानी की. इस मामले में छात्रा के पिता ने नगड़ी थाना में मालदा के शुभेंदु मंडल, शांतनु मंडल, तमिलनाडु के अभिषेक दत्ता, अर्कापराव दत्ता और सोमनाथ शर्मा पर केस किया है. उनका आरोप है कि लड़कों ने उनकी बेटी की आपत्तिजनक तस्वीर खींची और उसे ब्लैकमेल किया. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि छात्रा कटहल मोड़ के काव्यन रेसीडेंसी में ठहरी थी. वह आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी में परीक्षा देने आयी थी. रात में जब पिता खाना खाकर लौटे तो वह उनसे लिपटकर रोने लगे.

# बाबूलाल ने सीएम हेमंत से किया आग्रह, पहाड़िया समाज के उत्थान के लिए विशेष समिति का करें गठन

**रांची (एजेंसी):** प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि पहाड़िया समाज के समग्र उत्थान के लिए एक विशेष समिति का गठन किया जाए.

उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि झारखंड की आदिम जनजातियों, विशेष रूप से पहाड़िया समाज की आर्थिक और सामाजिक स्थिति किसी से छिपी नहीं है. आज भी यह समुदाय विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर है. बुनियादी सुविधाओं से वंचित है. इनके गांवों तक आवागमन के लिए न तो सड़कों की उचित पहुंच है. न ही इन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल पाता है.

**बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव**

बाबूलाल ने आगे लिखा है कि इनके बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पीने का पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी घोर अभाव है. कुपोषण, एनीमिया, मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियां इनके जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं. पहाड़िया समाज के उत्थान के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ भी अधिकतर बिचौलिये हड़प लेते हैं. मैं इन पहाड़ी क्षेत्रों का लगातार दौरा करता रहा हूं और उनकी दयनीय स्थिति को देखकर यह साफ जाहिर होता है कि उनकी हालत बेहद चिंताजनक है.

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि झारखंड की आदिम जनजातियों, विशेषकर पहाड़िया समाज के समग्र उत्थान के लिए एक विशेष समिति का गठन किया जाए. समिति द्वारा किए गए सर्वेक्षण और सिफारिशों के आधार पर एक वर्ष की ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके.

इस महत्वपूर्ण विषय पर अगले कैबिनेट में निर्णय लेकर विशेष समिति बनाकर पहाड़िया जनजाति के गांवों में ज़मीनी सच्चाई देखने भेजेंगे और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर पुण्य का भागी बनेंगे.

## केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से की मुलाकात

**रांची (एजेंसी):** सीएम हेमंत सोरेन से सोमवार को मिलने के लिए मुलाकातियों का तांता लगा रहा. कांके स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में केंद्रीय सरना समिति तथा विभिन्न संगठनों से आए प्रतिनिधियों ने सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की. इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को अपनी समस्याओं से भी अवगत कराया. सीएम ने उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया. इससे पहले पूर्व मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव सहित राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ नितिन मदन कुलकर्णी और एडीजी सुमन गुप्ता ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की.

## चुनाव के दौरान राष्ट्र विरोधी शक्तियों की भूमिका की हो उच्च स्तरीय जांच : प्रतुल शाहदेव

**रांची (एजेंसी):** भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में राष्ट्र विरोधी शक्तियां सक्रिय रही. जिस तरीके से भाकपा माओवादियों ने बयान जारी करके एनडीए की हार पर झारखंड की जनता को बधाई दी है,यह बहुत ही संदिग्ध है. मीडिया के अनुसार माओवादियों के पूर्वी रीजनल ब्यूरो के मुख्य प्रवक्ता आजाद ने बयान जारी कर भाजपा की हार पर हर्ष व्यक्त किया है. यह बेहद ही संदिग्ध मामला है. इन्हीं उग्रवादियों ने चुनाव से पहले पूरे प्रदेश में पर्चे बाँट करचुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया था.

जो संगठन चुनाव में विश्वास नहीं रखता, वह किसी दल विशेष की पराजय से इतना खुश कैसे हैं? क्या चुनाव के समय ऐसे संगठनों ने पर्दे के पीछे से कोई बड़ा षड्यंत्र किया है?प्रतुल ने कहा कि आज तक ऐसा पूर्व में कभी नहीं हुआ है जब माओवादी जैसे देश की एकता और अखंडता पर प्रहार करने वाले प्रतिबंधित संगठन ने किसी के चुनाव हारने पर ऐसी प्रतिक्रिया दी हो.इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है.

प्रतुल ने कहा कि इसी तरीके से अवैध गतिविधियों में लिप्त कई एनजीओ की भूमिका भी संदिग्ध रही. राष्ट्र विरोधी कार्यों में लगे फरिन फंडिंग से फल फूल रहे इन एनजीओ ने जमकर भाजपा या गठबंधन के प्रत्याशियों को हराने के लिए कार्य किया.

ऐसे एनजीओ का उद्देश्य आम आदमी की सेवा करना ना होकर राजनीति में सीधा हस्तक्षेप होता है जो की दुर्भाग्यपूर्ण है. प्रतुल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इससे पूर्व भी कई बार धर्मांतरण सहित कई गलत चीजों को बढ़ावा देने वाली एनजीओ की जांच की मांग कर चुकी है. प्रतुल ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार से ऐसे एनजीओ की चुनाव के दौरान गतिविधियों की जांच कर इन पर लगाम लगाने की मांग की.

## रांची डीसी ने मुख्य न्यायाधीश से की शिष्टाचार मुलाकात

**रांची (एजेंसी):** झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव से रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने सोमवार को शिष्टाचार मुलाकात की. खबर है कि डीसी ने उच्च न्यायालय स्थित मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय में उनसे मुलाकात की. बता दें कि मंजूनाथ भजंत्री ने पिछले शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया था. समाहरणालय ब्लॉक-ए- स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में वरुण रंजन ने उन्हें पदभार सौंपा. इस दौरान जिलास्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे. मंजूनाथ भजंत्री २०११ बैच के आईएएस अधिकारी हैं.

## नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले हिन्दपीढ़ी के नूर को 20 साल की कैद

**रांची (एजेंसी):** रांची सिविल कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के जुर्म में दोषी करार हिन्दपीढ़ी के मो. अली उर्फ नूर अली को २० वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही कोर्ट ने नूर अली पर १५ हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है. पोक्सो मामले की विशेष अदालत ने यह फैसला सुनाया है. नूर पर अपने पड़ोसी की बेटी के साथ जबरदस्ती करने का आरोप सिद्ध हुआ है. इस घटना को लेकर पीड़िता के परिजन ने हिन्दपीढ़ी थाना में ८ जून २०२२ को प्राथमिकी दर्ज कराई थी. नूर को ११ जून २०२२ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था.

# झारखंड में सात महीने में एचआईवी संक्रमित के 1534 नए मामले

**रांची (एजेंसी):** झारखंड में सात महीने में १५३४ एचआईवी के नए संक्रमित मरीज मिले हैं. झारखंड एड्स कंट्रोल सोसाइटी की ओर से जारी आंकड़ा आंकड़ों के अनुसार, राज्य में हर रोज औसतन सात एचआईवी संक्रमितों की पहचान हो रही है. इस साल अप्रैल से अक्टूबर के बीच सात महीने में राज्य में १५३४ नए एचआईवी पॉजिटिव मरीजों की पहचान हुई है, इनमें आठ नवजात भी शामिल हैं. विभाग के अनुसार, सात महीने में राज्य में कुल ६ लाख ५६ हजार लोगों की एचआईवी स्क्रीनिंग की गई, जिसमें १५३४ मरीज पॉजिटिव पाए गए.

इस वर्ष सबसे २१८ एचआईवी संक्रमितों की पहचान पूर्वी सिंहभूम में की गई है. जबकि रांची में २१२, हजारीबाग में १२८ एचआईवी मरीज पाए गए हैं. गढ़वा जिले में एक भी एचआईवी संक्रमित नहीं पाया गया. वर्ष २०२३-२४ में राज्य में कुल १२ लाख ७२ हजार लोगों की स्क्रीनिंग की गई थी, जिसमें २०६७ एचआईवी संक्रमितों की पहचान हुई थी. एचआईवी संक्रमितों के इलाज के लिए राज्य में कुल १४ एआरटी (एंटी रेट्रो वायरल ट्रीटमेंट) सेंटर बनाए गए हैं. इन केंद्रों पर उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई जाती हैं. वर्तमान में राज्य में ५९ आईटीसी सेंटर कार्यरत हैं, जिसमें हाई रिस्क ग्रुप के मरीजों का टेस्ट किया जाता है. साथ ही जो मरीज पॉजिटिव पाए जाते हैं, फिर उन्हें एआरटी सेंटर में भेजा जाता है, जहां उनका मुफ्त इलाज किया जाता है. राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड लो प्रीवैलेंस रेट के अंतर्गत आता है. जबकि झारखंड में हजारीबाग जिला हाई प्रीवैलेंस रेट के अंतर्गत आता है. वर्तमान में झारखंड में करीब १७००० एचआईवी पॉजिटिव मरीज हैं. सरकार ने एचआईवी से पीड़ित मरीजों के लिए कई योजना शुरू की है.

# सुप्रीम कोर्ट में 6 को रांची डीसी मंजू नाथ भजंत्री की याचिका पर सुनवाई

**रांची (एजेंसी):** आईएएस अधिकारी और वर्तमान में रांची डीसी के पद पर पदस्थापित मंजू नाथ भजंत्री की याचिका सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हो गई है. सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक, रांची डीसी की याचिका पर ६ दिसंबर को सुनवाई हो सकती है. उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) दाखिल की है. अपनी याचिका में उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए चुनावी कार्य से दूर रखे जाने के आदेश को रद्द करने की मांग की है. दरअसल २२ सितंबर को झारखंड हाईकोर्ट ने ख-ड अधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और उन्हें चुनावी कार्यों से उन्हें अलग रखने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका को स्वीकार कर ली थी. जिसके बाद उन्हें चुनाव के कार्य से दूर रख गया था. इतना ही नहीं आचार संहिता के दौरान आनन फानन में उन्हें रांची डीसी के पद से हटा कर वरुण रंजन को रांची डीसी नियुक्त कर दिया गया था. हालांकि हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सरकार ने वापस मंजू नाथ भजंत्री को रांची डीसी नियुक्त कर दिया है.

## पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की डिस्चार्ज पर सुनवाई पूरी, ईडी कोर्ट का फैसला सुरक्षित

**रांची (एजेंसी):** टेंडर घोटाला के जरिए करोड़ों रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की डिस्चार्ज पिटीशन पर रांची प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विशेष कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. सोमवार को ईडी और पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. कोर्ट अब मंगलवार को अपना फ़ैसला सुना सकता है. इससे पहले कोर्ट इस केस के अन्य आरोपियों की डिस्चार्ज याचिका खारिज कर चुका है.

## झारखंड के 4.79 लाख किसानों का ऋण माफ

**रांची (एजेंसी):** झारखंड के ४ लाख ७८ हजार ९२२ किसानों का ऋण माफ हो चुका है. कुल पांच लाख ३५ किसानों का ई केवाइसी हो चुका है. बैंक में गलत डाटा अपलोड होने के कारण १९,१२८ किसानों का भुगतान विफल हो गया है. १,९८५ किसानों की ऋण माफी की प्रक्रिया चल रही है.

राज्य के पांच जिलों में किसानों की ऋण माफी के लिए १०० करोड़ से अधिक की राशि दी गई है. देवघर में १३४.६३ करोड़,गढ़वा में १२२.३ करोड़, हजारीबाग में १०२.५९ करोड़, पलामू में १२५.८१ करोड़ और रांची में ११०.६३ करोड़ की राशि दी गई.

| किस जिले में अब कितनी दी गई राशि | |
|---|---|
| जिला | राशि(करोड़ में) |
| सिमडेगा | २४.७ |
| सरायकेला | ७८.२ |
| बोकारो | ६५.०२ |
| चतरा | ८४.०२ |
| देवघर | १३४.६३ |
| धनबाद | ३९.२४ |
| दुमका | ९१.५५ |
| पूर्वी सिंहभूम | ९५.२५ |
| गढ़वा | ११२.३ |
| गिरिडीह | ९४.६९ |
| गोड्डा | ७५.०१ |
| गुमला | ४७.२६ |
| हजारीबाग | १०२.५९ |
| जामताड़ा | ७८.३१ |
| खूंटी | २७.६९ |
| कोडरमा | ३६.०५ |
| लातेहार | ३७.४९ |
| पाकुड़ | ३०.७८ |
| पलामू | १२५.८१ |
| रामगढ़ | ३१.७१ |
| रांची | १०.६३ |
| साहेबगंज | ५९.३९ |
| पश्चिमी सिंहभूम | ९४.१२ |

## पृष्ठ एक का शेषांश

### एक लाख 36 हजार---

आयरन ओर से लगभग ३२०० करोड़ रुपए रॉयल्टी मिल सकती है. शेष रॉयल्टी सोना, यूरेनियम, पत्थर, लाइम स्टोन, कॉपर व अन्य खनिजों से मिलती है.

### सरकार ने पेट्रोल-डीजल---

ने ५९.७८ प्रतिशत विंडफॉल टैक्स घटा दिया था। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने डीजल, पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल ( एटीएफ) यानी एयरक्राफ्ट में इस्तेमाल होने वाले ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी को शून्य पर बनाए रखने का फैसला किया था। यानी घरेलू रिफाइनरों को डीजल, पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर मिल रही छूट आगे भी बरकरार रहने वाली है। इससे उन घरेलू कंपनियों को फायदा होता रहेगा, जो रिफाइनरी चलाती हैं और डीजल, पेट्रोल और एटीएफ जैसे रिफाइंड प्रोडक्ट को देश के बाहर के बाजारों में बेचती हैं।

### निर्मला सीतारमण और विजय रुपाणी---

पवार गुट) के गठबंधन महायुति में भी सीएम और डिप्टी सीएम पद को लेकर चर्चा जारी है। सोमवार को होने वाली गठबंधन की बैठक एकनाथ शिंदे के अस्वस्थ होने की वजह से टाल दी गई है। इस बैठक में पावर शेयरिंग और सीएम पद के चेहरे पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। मुख्यमंत्री पद के लिए बीजेपी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस का नाम सबसे आगे है। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक फडणवीस के नाम पर सहमति बन चुकी है।

विपक्ष के नेता और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने भी कहा है कि सीएम बीजेपी से होगा, जबकि शिवसेना और एनसीपी से दो डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे। बता दें २८८ सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में महायुति गठबंधन ने २३३ सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया है। इसमें बीजेपी ने १३२ सीटें, शिवसेना (शिंदे गुट) ने ५७ और एनसीपी (अजित गुट) ने ४१ सीटें जीती हैं। अगले कुछ दिन महाराष्ट्र की राजनीति के लिए बेहद अहम होंगे।

### हिंदुओं पर हमले नहीं रुके तो---

आह्वान पर अपनी प्रतिक्रिया दी. अधिकारी ने कहा, "व्यापार पर २४ घंटे का निलंबन सिर्फ इस बात का एक ट्रेलर (बानगी) है कि आगे क्या होने वाला है."

उन्होंने कहा, "अगर अगले हफ्ते तक हिंदुओं और उनके धार्मिक प्रतिष्ठानों पर हमले नहीं रुके तो हम पांच दिन का व्यापार प्रतिबंध लगा देंगे. अगले साल की शुरुआत के बाद हम अनिश्चित काल के लिए व्यापार बंद कर देंगे, हम देखेंगे कि वहां के लोग हमारे आलू और प्याज के बिना कैसे रहते हैं. 'इस्कॉन' से जुड़े पूर्व संत चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई और हिंदू अल्पसंख्यकों और उनके संस्थानों पर हमलों और उत्पीड़न को तत्काल रोकने की मांग को लेकर यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था.

### 26 वर्षीय आईपीएस अधिकारी---

हादसे का शिकार हुए आईपीएस अधिकारी ने हाल में मैसूर स्थित कर्नाटक पुलिस अकादमी में अपना चार सप्ताह का प्रशिक्षण पूरा किया था। इस सड़क हादसे में वाहन चालक मंजे गौड़ा को भी चोटें आई हैं। हर्षवर्धन का परिवार बिहार का रहने वाला था लेकिन अभी वे मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में निवासरत हैं। दरअसल हर्षवर्धन के पिता सिंगरौली के एसडीएम अभिषेक सिंह हैं। हर्षवर्धन ने इंजीनियरिंग की डिग्री के साथ ही २०२२-२३ कर्नाटक कैडर बैच के आईपीएस अधिकारी बने थे। उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में १५३वीं रैंक हासिल की थीपुलिस प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यात्रा के दौरान जिला सशस्त्र रिजर्व में तैनात सरकारी वाहन के टायर फटने के बाद कार पलटने से हादसा हुआ। पहले ही प्रयास में उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा पास की थी।

# आप चले थे मेरे घर बुलडोजर चलाने जनता ने क्या हाल कर दिया : इरफान

**रांची (एजेंसी):** कांग्रेस विधायक डॉ इरफान अंसारी ने बीजेपी के पूर्व विधायक भानू प्रताप शाही पर तंज कसा है. कहा है कि आप चले थे मेरे घर पर बुलडोज़र चलाने, लेकिन जनता ने आपका क्या हाल कर दिया. मगर मैं आपके जैसा नहीं हूं. मैं आपके घर पर बुलडोज़र नहीं, बल्कि यूपी में अन्याय और कट्टरता पर बुलडोज़र चलाने निकल चुका हूं. मैंने आपको कई बार समझाया था कि आप सेक्युलर रहो, लेकिन भाजपा में जाने के बाद आपका पूरा रंग-रूप ही बदल गया. अनाप-शनाप बयानबाजी और कट्टर विचारधारा से आपने झारखंड की जनता को आहत किया. लेकिन कोई बात नहीं, अब आपके पास पर्याप्त समय है. इस मुद्दों पर गहन विचार कीजिए. कट्टर विचारधारा को अपने दिल और दिमाग़ से निकालें. आशा है,

हम फिर मिलेंगे. बीजेपी के पूर्व विधायक भानू प्रताप शाही ने इरफान अंसारी पर पलटवार करते हुए कहा कि मियां सांरी, जबाब तो देना पड़ा, अबर नहीं तो अगली बार ही सही. सीता भाभी का अपमान का बदला तो लूंगा ही. चुनाव हारे हैं हौसला नहीं.

# झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के सेमिनार में देश में बढ़ते प्रदूषण को लेकर चर्चा

**रांची (एजेंसी):** झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद ने राष्ट्रीय प्रदूषण दिवस २०२४ के अवसर पर रांची के चाणक्य बीएनआर होटल के सभागार में एक सेमिनार का आयोजन किया.

कार्यक्रम में रांची शहर के विभिन्न स्कूली छात्रों ने राज्य के जाने माने शिक्षाविदों, पर्यावरण इंजीनियरिंग विशेषज्ञों, उद्योग जगत के दिग्गजों से जानकारी हासिल की.

कार्यक्रम में सिंगल यूज वाली प्लास्टिक वस्तुओं का उपयोग, गैर बायो डिस्पोजेबल

सामग्रियों का उपयोग नहीं करने की शपथ ली गयी..

फ्लता दें कि १९८४ की भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में हर साल २ दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस २०२४ की थीम स्वच्छ वायु, हरित पृथ्वी: सतत जीवन की और एक कदम है. कार्यक्रम में उपस्थित झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के सदस्य सचिव आरएल बक्शी ने कहा कि आम लोगों के लिए हर प्रकार के प्रदूषण के बारे में जागरूक होना और यह हमारे शरीर के लिए कैसे हानिकारक हो सकता है, यह जानना बहुत जरूरी है.

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करना, शिक्षित करना और उद्योगों में प्रदूषण से सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता फैलाना है. किसी भी प्रकार के प्रदूषण से निपटने के लिए लोगों को सुरक्षा के उपायों के बारे में जानना बेहद जरूरी है. कहा गया कि राज्य में पर्यावरण नियंत्रण एक बड़ी चुनौती है.

झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद लगातार इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ कर प्रदूषण को कम करने की ओर कार्य कर रहा है. कार्यक्रम में एकल उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग से होने वाले खतरों के प्रति आम जनों का ध्यान आकृष्ट कराने और उन्हें जागरूक करने के लिए एक थीम सॉन्ग भी लांच किया गया.

# फैशन में नए एक्सपेरिमेंट करते रहें

टीनेज की उम्र में हर कोई फैशन की तरफ अट्रैक्ट होता है। इस उम्र में आमतौर पर युवा कुछ न कुछ नए एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं। इस उम्र में आप अपनी पर्सनैलिटी और एटिट्यूट अपनी ड्रेसेज और एसेसरीज से एक्सप्रेस कर सकते हैं।

- **टी-शर्ट विद स्लोगन** : युवावस्था में अपना एटीट्यूट खुलकर समाने ला सकते है। इसका सबसे अच्छा तरीका है, 80 के स्टाइल की ब्राइट कलर की स्लोगन लिखी टी-शर्ट पहनें। टी-शर्ट पर किसी भी तरह की आर्ट दर्शाई जा सकती है। चाहे वह आपका फेवरिट सुपर हीरो हो या वह लाइन जो आपके दिमाग में है।
- **बेसबॉल कैप्स** : कॉलेज में ज्यादातर सब ही लड़के कैप पहने हुए देखे जा सकते है। बेसबॉल कैप्स 90 के दशक में चर्चित हुई थी और अभी भी ट्रेंड में है। वह परफेक्ट एसेसरीज है और जींस और टी-शर्ट के साथ पहनी जा सकती है।
- **स्कार्व्स** : मोटे निटेड वालों से लेकर ब्राइट रंग और पैटर्न वाले स्कार्फ हर वॉर्डरोब में जरूर होने चाहिए। यह वेस्ट पर या ब्रेसलेट की तरह हाथ पर बंधे हुए बहुत अच्छे लगते है।
- **जंक ज्वैलरी**: सड़क के किनारे लगी दुकानों पर आप थोड़ी बारगेनिंग में आपकी पसंदीदा ज्वैलरी मिल जाएगी। आजकल वैसे ब्राइट रंग के स्टोंस और नकली डायमंड रिंग भी पॉपुलर होती जा रही है। बीड्स भी टीन फैशन से कभी बाहर नहीं होते। आजकल ज्वैलरी पहनने में लड़के भी पीछे नहीं हैं। उन्हें एक बड़ा सिल्वर पेंडेंट या एक कान में इयरिंग पहनना अच्छा लगता है।
- **पोलका डॉट्स** : पोलका डॉट्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं जाते। लड़कियां एक वेल फिटेड पोलका डॉट ड्रेस हील्स के साथ पहन सकती है। यह यलो और ग्रीन कलर में बहुत ही फंकी लुक देते हैं। आप कॉलेज के लिए एक लॉन्ग पोलका प्रिंट टॉप लेगिंग्स और फ्लैट्स के साथ पहन सकती हैं।
- **बेल्ट्स** : लंबी, छोटी, पतली, मोटी और सॉलिड रंगों में एम्बेलिशमेंट वाली बेल्ट हर टीन के बॉर्डरोब का एक अहम् हिस्सा होती है। बेल्ट अब बस पैंट या जींस के ऊपर रखने के लिए नहीं होती, बल्कि अब यह ड्रेसेज, लॉन्ग टी-शर्ट और ट्यूनिक्स के ऊपर भी पहनी जा सकती है।
- **मोबाइल फोन** : लेटेस्ट मॉडल होने के साथ-साथ उसके साथ सही एसेसरीज होना भी जरूरी है। मोबाइल केस, स्टिकर्स, मोबाइल हैंगिंग्स सब फोन की पर्सनैलिटी बढ़ाते हैं।

## लौट रहे हैं वाइब्रेंट कलर्स

फैशन वर्ल्ड में कलर्स का आना-जाना सामान्य बात है। लेकिन कुछ समय बाद पुराने वाइब्रेंट कलर्स लौटे हैं, जो बहुत ही सूदिंग लुक में हैं।

अपने डिफरेंट शेड्स के साथ यह कलर टीनेजर्स से लेकर सेलीब्रिटीज की पहली पसंद बना हुआ है। यहां तक कि फैशन डिजाइनर्स ने भी अपने कलेक्शन में इस बार जमकर इस रंग का प्रयोग किया है।

### ताजगी भरा अहसास

बीच में कुछ समय गायब रहने के बाद लौटे इस कलर ने फैशन जगत में एक नई ताजगी भर दी है। इसलिए आप भी अपने वॉर्डरोब में छिपे इस वाइब्रेंट कलर को दोबारा बेखौफ होकर बाहर निकाल सकती हैं।

### खुद करें चयन

यदि आपको ब्राइट यलो पसंद नहीं है, तो आप लाइट और सॉफ्ट यलो कलर्स को चुन सकती हैं। लेमन यलो और लाइट यलो कलर्स सभी पर फबेंगे। मिक्स-मैच कई लोगों के लिए सॉलिड यलो पहनना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में आप दूसरे रंगों के कॉम्बीनेशन के साथ इस रंग को पहन सकती हैं। यलो को लाइट ब्लू, बोल्ड ग्रीन, बेबी पिंक और व्हाइट के साथ आराम से मैच किया जा सकता है।



# बच्चों में भी फैशन का क्रेज

**फैशन** की दौड़ में जब सारी दुनिया दीवानी हो रही है, तो भला बच्चे कैसे पीछे रह सकते हैं। बच्चों में भी अब फैशन का क्रेज आजकल हर जगह देखने को मिलता है, बच्चे जो स्वयं को कैसे फैशन के अनुसार ढालना चाहते हैं, इसे देखकर कभी-कभी फैशनेबल माता-पिता भी हैरत में पड़ जाते हैं। घर, स्कूल या पार्टी हो, सजी जगह बच्चे जमाने की चाल में चलना पसंद करते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं। मां-बाप भी फैशन के प्रति जागरुक होते जा रहे हैं, जो बच्चों को मेचिंग में रखना ही पसंद करते हैं, जैसे ड्रेस वैसे मौजे, जूते, रूमाल वगैरह-वगैरह।

## खिलौने और गेम्स

नए खिलौने, गेम्स जो भी प्रचलन में होते हैं, बच्चों की फरमाइश पर हाजिर हो जाते हैं। जब बच्चे स्कूल जाना शुरू करते हैं, तब भी फैशन के बैग, कम्पास, पेंसिल, रबर लाकर ही दिए जाते हैं। उनके पास नहीं भी होते हैं, तो वे अपने दोस्तों के पास देखकर आकर्षित होते हैं और नई-नई चीजें लाने की मांग करते हैं। समय के साथ चलती यह जागरूकता ही कहिए जिससे वे स्वयं को अलग सा दिखाना चाहते हैं और अपने को नए रूप में स्थापित करना चाहते हैं। सबके आकर्षण का केंद्र बन सकें, दोस्तों के दिल में समा सकें, शिक्षकों व रिश्तेदारों की प्रशंसा पा सकें, इसलिए वे जमाने के नित नए फैशन को अपनाना चाहते हैं।

## नए फैशन के मुरीद

वे सोचते हैं कि वर्तमान में जो फैशन चल रहा है, अगर उसे नहीं अपनाएंगे तो हम 'ओल्ड फैशन' की उपाधि से अलंकृत हो जाएंगे। लेकिन कई बार वे यह नहीं सोच पाते हैं कि जो भी फैशन चल रहा, उससे मां-बाप और निकटवर्ती लोगों में हमारी छवि कैसी बनेगी। यह भी है कि फैशन के इस दौर में फैशन के साथ चलने के लिए बच्चे ब्रांडेड कंपनी की वस्तुओं को ही ज्यादा पसंद कर रहे हैं। जैसे-जूते यदि ब्रांडेड कंपनी के हों चाहे वह कम पसंद आ रहे हैं और वहीं दूसरे (लोकल ब्रांड) जूते उससे कहीं अच्छे भी हों तो भी जागरुक बच्चे ब्रांडेड कंपनी के जूते ही पहनना पसंद करेंगे। इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता है।

# जायका

## पालक पनीर

### सामग्री

पालक- 500 ग्राम, चीनी आधा छोटी चम्मच, पनीर- 200 ग्राम पनीर को चौकोर टुकड़ों में काट लें, रिफाइंड तेल- 2 टेबिल स्पून, हींग- 1-2 पिंच, जीरा-आधा छोटी चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, कसूरी मैथी- 2 छोटी चम्मच ( डंडियां हटाकर प्रयोग करें), टमाटर- 2-3, हरी मिर्च-3-4, अदरक-1 इंच लम्बा टुकड़ा, बेसन- 2 छोटे चम्मच, क्रीम या मलाई- 2 टेबिल स्पून, लाल मिर्च- 1/4 छोटी चम्मच से कम (यदि चाहें), नमक- स्वादानुसार, गरम मसाला- एक चौथाई छोटी चम्मच, नीबू का रस- 2 छोटी चम्मच

### बनाने की विधि

पालक की डंडियां तोड़कर हटा दीजिये, पत्तों को अच्छी तरह धोकर एक बर्तन में डालें, चौथाई कप पानी और चीनी डाल दीजिए, ढंककर उबालने रख दीजिए, 5-6 मिनट में पालक उबल जाता है। गैस बन्द कर दीजिये। पनीर के चौकोर टुकड़े काट लीजिए। आप पनीर को तलकर या बिना तले दोनों तरीके से तरी में डाल सकती हैं (पनीर को तलने के लिये नान स्टिक तवा गरम कीजिये, थोड़ा सा तेल डालिये और पनीर के टुकड़े तवे पर डाल कर दोनों ओर हल्का ब्राउन होने तक तल लीजिये) टमाटर को धोइए, टुकड़ों में काटिये। हरी मिर्च के डंठल तोड़िये, धोइये। अदरक को छीलिए, धोइए और 3-4 टुकड़े कर लीजिए। इन सबको मिक्सी से बारीक पीस लीजिये। कढ़ाही में तेल डाल कर गरम कीजिये। गरम तेल में हींग और जीरा डाल दीजिए।

जीरा भूनने के बाद, हल्दी पाउडर और कसूरी मैथी डालिए, अब बेसन डालकर थोड़ा सा भूनिए, अब इस मसाले में टमाटर, अदरक, हरी मिर्च का पेस्ट डाल दीजिए और मसाले को 2 मिनट भूनिए, अब क्रीम या मलाई डालिए और मसाले तब तक भूनिए, जब तक मसाले के ऊपर तेल न तैरने लगे। उबले पालक को ठंडा होने के बाद मिक्सी से बारीक पीसिए, पालक के पेस्ट को भूने हुए मसाले में मिलाएं। तरी में जितना चाहें गाढ़ी या पतली रखना है, पानी और नमक डाल दीजिए, उबाल के बाद पनीर के टुकड़े डालें, 2-3 मिनट पकाइये।

पालक पनीर की सब्जी तैयार है। पालक पनीर की सब्जी में गरम मसाला और नीबू का रस मिला दीजिये।

# वेडिंग सीजन में फैशन ट्रेंड



**ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन लगे और शादियों का फैशन फोरकास्ट न किया जाए, ऐसा कैसे हो सकता है? इस एग्जीबिशन से निकले कौन से ट्रेंड इस बार शादियों में आपको दिखाई देने वाले हैं। जिससे चार चांद लग जाएं।**

ढोल और नगाड़ों का मौसम शुरू हो गया है। शामियाने सजने लगे हैं। शादियाने बजने लगे हैं। यानी वेडिंग सीजन की शुरुआत हो गई है। आइए एक नजर डालें इस बार के वेडिंग ड्रेसेज के आने वाले नए ट्रेंड पर:

**मेरा वाला पिंक चाहिए!**: पिंक को कलर ऑफ द सीजन कहना गलत न होगा। अगर आपने ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन देखी होगी तो गौर किया होगा कि हर कोने, हर जर्रे में यही रंग बिखरा हुआ था। कहीं बेबी पिंक के रूप में सादगी सी खूबसूरती का बायस बना था तो कहीं मजेंटा पिंक के रूप में तड़कता-भड़कता ग्लैमर नजरों को लुभा रहा था। न सिर्फ परिधान बल्कि ज्वैलरी, एसेसरी और फुटवियर तक में पिंक रंग चमकेगा। फैशन डिजाइनर जया राठौड़ की मानें तो शादी के परिधानों के लिए पिंक लहंगे या साड़ी को सुनहरे तारों से बुना जाएगा, जिससे पिंक में गोल्ड इफेक्ट आए या फिर इसके साथ मोव रंग की जुगलबंदी की जाएगी, ताकि रॉयल अहसास महसूस हो। ज्वैलरी को भी पिंक स्टोन से हाइलाइट किया जाएगा।

**घेर वाले परिधान**: ब्राइडल एशिया में डिजाइनरों ने जिस चीज पर सबसे ज्यादा फोकस किया, वह थी वेस्टलाइन। यानी कमर पर से फिट ड्रेस। ब्राइडल गाउन हों या अनारकली कुर्तियां या फिर लहंगे। हर परिधान की खासियत है कि उसे कमर से फिट रखा जाता है। उसके बाद ढेर सारा घेर देते हुए खुला छोड़ दिया गया था। ये सारे परिधान फेमिनिटी को उभारने की पूरी कोशिश कर रहे थे।

फैशन डिजाइनरों के मुताबिक, इस बार शादियों में इंडोवेस्टर्न का जलवा दिखेगा। डिजाइनर भारतीय फैब्रिक से भारतीय परिधान बनाएंगे। उन पर कढ़ाई भी भारतीय रहेगी, मगर उसे शेप और कट से वेस्टर्न लुक दिया जाएगा। वेस्टलाइन को हाइलाइट करने के लिए जहां लेस, जरी और स्टोन का इस्तेमाल किया जाएगा, वहीं घेरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए फ्रिल, नेट और जरी का इस्तेमाल किया जाएगा।

**चोली कट और जैकेट** : इस वेडिंग सीजन में अपर वियर यानी लहंगे के ऊपर पहनने वाले परिधानों में खूब वैरायटी दिखाई देगी। अगर आप ग्लैमरस लुक चाहती हैं तो आपके लिये बैकलेस शॉर्ट चोली बेहतर रहेगी। अगर आप एलिगेंस लुक चाहती हैं तो नेहरू कॉलर कमर तक की या घुटने वाली लेंथ वाली जैकेट ट्राई कर सकती हैं। इस बाबद जया बताती हैं चोली तो पहले से चलन में है, मगर जैकेट ने इस बार वापसी की है।

# घर की खिड़कियों को खूबसूरत बनाएं

**घर की खिड़कियों की आपके कमरे के लुक और फील को बढ़ाने में अहम भूमिका होती है। जाहिर-सी बात है कि दीवारों को उचित रंग देने के बाद खिड़कियों को सजाने के बारे में आप सोचेंगी। अपने कमरे की खिड़कियों को खूबसूरत और कूल बनाना चाहती हैं, तो परदों के रंग, रॉड और फैब्रिक की खूबसूरती पर जरूर गौर फरमाएं।**

### रंग-बिरंगे रेशमी परदे

परदे का रंग आपके कमरे के डेकोर से मेल खाता होना चाहिए। अतः कमरे के लिए परदे का चयन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें। साधारण से कमरे में हल्के रंगों के परदे और बड़े कमरे के लिए हैवी लुक वाले स्टाइलिश परदे परफेक्ट हैं। कमरे में खिड़की की सजावट का एक बहुत आसान तरीका परदे में रिबन या गांठ बांधना भी है। आप इसे घर में भी बना सकती हैं।

### प्रिंटेड और प्लेन परदे

प्रिंटेड और प्लेन परदे को मिलाकर खिड़कियों पर लगाएं। इससे अच्छा लुक आएगा। सार्टन की कोई पुरानी साड़ी हो, तो आप लैस लगाकर परदा तैयार कर सकती हैं या फिर कुशन कवर भी बना सकती हैं। सोफा व कुशन कवर का चयन भी परदे के रंग से मैच करता हुआ ही खरीदें। इन दिनों हरे रंग का कॉम्बीनेशन ज्यादा डिमांड में हैं।

### लाइट व डार्क परदे

ऑफिस हो या घर आप अपने मनपसंद के अनुसार पर्दे खरीद सकते हैं। ऑफिस में लाइट कलर के व घरों में डार्क कलर के पर्दे सुंदर व आकर्षक लगते हैं। दोनों में ही कलर व डिजाइन एक से बढ़कर एक आ रहे हैं। इसमें 50 रुपये से 300 रुपये प्रतिमीटर की रेंज उपलब्ध है।

## परदे को रॉयल लुक दे कर्टन रॉड

कर्टन रॉड का इस्तेमाल परदों को हैंग करने के लिए किया जाता है। घर में यदि डिजाइनर कर्टन रॉड लगे हों, तो कमरों की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। आजकल कर्टन रॉड की कई रेंज मार्केट में उपलब्ध हैं। इनमें रंगों की वैरायटी में देखने को मिल जाएगी, फिर भी सफेद, डार्क ब्राउन और ब्लैक रंग की ज्यादा डिमांड है। ये लकड़ी, एल्युमिनियम, आयरन, फाइबर के अलावा प्लास्टिक में भी उपलब्ध हैं। इन दिनों स्टील और मेटेलिक सर्फेस के लिए मैग्नेटिक कर्टन रॉड में मिल रहे हैं। ऐसे रॉड को दीवारों से लगाने के लिए ड्रिलिंग की जरूरत नहीं पड़ती। परदे के हिसाब से रॉड का चुनाव करें, ताकि परदे का वजन रॉड आसानी से उठा सके। यदि हैवी परदे लगाने हों, तो रॉड का मैटेरियल भी उसी के हिसाब से खरीदें।

# समाज कार्य में कॅरियर की उज्जवल लकीरें

**समाज कार्य का अर्थ लोगों को उनकी प्रतिदिन की सामाजिक समस्याओं का हल खोजने में मदद करना है। वर्तमान में समाज कार्य की अवधारणा में व्यापक परिवर्तन आया है। यह कार्य केवल दया या परोपकार की भावना से ही नहीं जुड़ा है बल्कि रोजगार के रूप में भी युवाओं को बहुत आकर्षित कर रहा है। जिन छात्रों की रुचि कॅरियर के साथ-साथ समाजसेवा भी है।**

समाजशास्त्र एवं समाज-कार्य को अक्सर लोग एक ही समझ लेते हैं। हालाँकि समाज-कार्य का अधिकांश ज्ञान समाजशास्त्रीय सिद्धांतों से लिया गया है, लेकिन समाजशास्त्र जहाँ मानव-समाज और मानव-संबंधों के सैद्धांतिक पक्ष का अध्ययन करता है, वही समाज-कार्य इन संबंधों में आने वाले अंतरों एवं सामाजिक परिवर्तन के कारणों की खोज क्षेत्रीय स्तर पर करने के साथ-साथ व्यक्ति के मनोसामाजिक पक्ष का भी अध्ययन करता है। समाज-कार्य करने वाले का आचरण विद्वान की तरह न होकर समस्याओं में हस्तक्षेप के ज़रिये व्यक्तियों, परिवारों, छोटे समूहों या समुदायों के साथ संबंध स्थापित करने की तरफ़ उन्मुख होता है। इसके लिए समाज-कार्य का अनुशासन पूर्ण रूप से प्रशिक्षित और पेशेवर कार्यकर्ताओं पर भरोसा करता है।

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएँ मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो बल्कि संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएँ, जैसे यूनीसेफ, यूएनडीपी, वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड, रेडक्रॉस, लायंस क्लब,काई तो हर साल भारतीय एक्सपर्ट की तलाश में बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करते हैं। कई संस्थाओं में निदेशक, उपनिदेशक, प्रोग्राम ऑफिसर, टीम लीडर जैसे पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र हैं, जिसमें छात्रों को को-ऑर्डिनेटर, सर्वे ऑफिसर एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिसर जैसे पदों पर काम करने का मौका मिलता है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने का मौका मिलता है।

सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम का लक्ष्य देश में वैज्ञानिक मानसिकता, व्यावसायिक कौशल, लोकतांत्रिक दृष्टिकोण और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के बारे में लोगों को शिक्षित करना और उन्हें सामाजिक कार्य एजेंसियों के प्रबंधन के लिए तैयार करना है। इससे देश में नए सामाजिक-आर्थिक परिवेश के लिए व्यावसायिक दृष्टि से प्रशिक्षित सामाजिक कार्यकर्ता तैयार करने में मदद मिलती है। सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम कई क्षेत्रों में किए जा सकते हैं- बाल विकास, ग्रामीण और शहरी विकास, औद्योगिक विकास, सामाजिक विकास, शिक्षा, परिवार कल्याण और आयोजन, स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, मानसिक विलंबन, सामाजिक सुरक्षा, पर्यावरण, मानव संसाधन प्रबंधन।

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए देश में कई संस्थानों में पूर्णकालिक एवं अंशकालिक कोर्स की व्यवस्था है। इसमें मास्टर डिग्री, पीजी डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स, तीन तरह के पाठ्यक्रम हैं। मास्टर डिग्री के लिए छात्र की योग्यता किसी संकाय में स्नातक होना अनिवार्य है, जबकि एकवर्षीय पीजी डिप्लोमा के लिए भी योग्यता इसी के समकक्ष होनी चाहिए। सर्टिफिकेट कोर्स के लिए छात्र का बारहवीं पास होने के साथ इस क्षेत्र में अनुभव होना आवश्यक है। कई संस्थान समाज कार्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु भर्ती परीक्षा का भी आयोजन करते हैं। स्वयंसेवी क्षेत्र में रोजगार के प्रचुर अवसर पैदा हो गए हैं। अब तो गैर सरकारी संगठनों के अलावा बहुराष्ट्रीय निगम और औद्योगिक घराने भी बड़े पैमाने पर कंपनियों के सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वाह, खासकर शिक्षा, कल्याण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आगे आए हैं। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, कारागरों, सुधारगृहों, पर्यवेक्षणगृहों, बालगृहों तथा रिमांड होम्स जैसे संस्थानों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इन संस्थानों में सामाजिक कार्यकर्ता का मुख्य कार्य कैदियों के लिए रचनात्मक एवं सृजनात्मक वातावरण का निर्माण करना है।

परिवार और बाल कल्याण के क्षेत्र में सामाजिक कार्यकर्ता महिलाओं, बच्चों, वृद्धों और कमजोर व्यक्तियों के जीवन स्तर में सुधार लाने में योगदान कर सकते हैं। चिकित्सा और मनोविश्लेषणात्मक सामाजिक कार्य के क्षेत्र में उनकी नियुक्ति आमतौर पर अस्पतालों, सेनेटोरियम्स, परिवार नियोजन क्लिनिकों, नशीली दवाओं और शराब की लत छुड़ाने वाले केंद्रों में की जाती है। समाज कार्य के पाठ्यक्रम में मानव कल्याण से संबंधित कई विषय शामिल किए गए हैं। भारतीय सामाजिक समस्याएँ, पारिवारिक सहायता एवं मार्गदर्शन, मातृ एवं शिशु कल्याण, अपराध मनोविज्ञान, ग्रामीण एवं शहरी विकास आदि। समाज कार्य में उपाधि प्राप्त करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय कल्याण की संस्थाओं जैसे यूनिसेफ व यूनेस्को, विकलांग कल्याण केंद्र, अनाथ आश्रम, महिला उद्धार गृह, प्रौढ़ शिक्षा परियोजना, समाज कार्य शिक्षा से संबंधित शिक्षण संस्थाओं, समाज कल्याण विभाग, मातृ एवं शिशु कल्याण विभागों में कॅरियर के अच्छे अवसर हैं।

चिकित्सा एवं मनोचिकित्सा के क्षेत्र में अस्पतालों में नियुक्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) के माध्यम से भी एड्स जागरूकता, महिला कल्याण, गरीबी उन्मूलन, आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों को अंजाम दिया जा सकता है।

सामाजिक कार्य क्षेत्र में आप निजी और सरकारी कंपनियों में कार्मिक अधिकारी समुदाय संगठनकर्ता या समन्वयक, सामाजिक कार्यकर्ता आदि पदों पर भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इसके जरिए आप सामाजिक कार्य के प्रति समर्पित भी हो सकते हैं। व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए आपको मानव संसाधन प्रबंधन, अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन, चिकित्सक और मनोचिकित्सक, सामाजिक कार्य, परिवार और बाल कल्याण, ग्रामीण और शहरी सामुदायिक विकास और स्कूल सामाजिक कार्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि उतीर्ण करना आवश्यक है।

वर्तमान में सामाजिक कार्य शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य उज्ज्वल है। अनुसंधान करने वाले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अनुसंधान रिसर्च फाउंडेशन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सामाजिक न्याय, अधिकारिता और सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय, अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन (गृह मंत्रालय), यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य प्रमुख संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों तथा वित्तीय एजेंसियों द्वारा अनुसंधान फेलोशिप भी प्रदान की जाती है।

समाज-कार्य के तहत व्यावसायिक दृष्टि से विकसित छह प्रणालियों के माध्यम से लोगों की मदद की जाती है। ये हैं - सामाजिक वैयक्तिक कार्य, समूह समाज-कार्य, सामुदायिक संगठन, समाज-कल्याण प्रशासन, समाज-कार्य शोध और सामाजिक क्रिया।सामाजिक कार्य पाठ्यक्रम संचालित करने वाले प्रमुख शिक्षण संस्थान इस प्रकार हैं-

समाज कार्य महाविद्यालय, इंदौर।
टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई।
सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
उदयपुर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर।
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला।
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

इन संस्थानों के अलावा देश के कई विश्वविद्यालयों में समाज कार्य पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

## सफलता के लिए किसी एक लक्ष्य को निर्धारित करें

### जरूरी नहीं आपका हर कार्य बेहतर हो

किसी भी कैरियर में बहुत आगे बढ़ने के बाद कई युवा साथी कैरियर शिफ्ट करने की इच्छा रखते हैं। वे एक तरह की जिंदगी से कुछ अलग करना चाहते हैं जो उनके दिल को पसंद हो। इस प्रकार के कैरियर शिफ्ट में न केवल जोखिम रहता है बल्कि यह कैरियर का एक ऐसा मोड़ रहता है जहां से आप पर आर्थिक रूप से बहुत बोझ भी रहता है। ऐसे में अगर आप बदलाव कर रहे हैं तब इन बातों का जरूर ख्याल रखें। ऐसा न हो कि महज बदलाव के लिए आपने कैरियर शिफ्ट कर लिया पर बाद में लगा कि अपने हाथों से पैर पर कुल्हाड़ी मार ली। हालांकि मंदी की मार और निजी क्षेत्र में नौकरियों की अस्थिरता के चलते युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तारीखें खंगालने में लगे हैं। बीते सालों में बूम पकड़ने वाली मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग परीक्षाओं के साथ ही अब अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं भी प्रतिभागियों का आकर्षण बन रही हैं। गौरतलब है कि प्रत्येक परीक्षा के लिए अंक विभाजन अलग-अलग होता है, लिहाजा परीक्षा की तैयारी व प्रश्नपत्र हल करते समय प्रतिभागियों को अंक विभाजन का ध्यान जरूर रखना चाहिए। पुराने प्रश्नपत्रों को हल कर निश्चित समय सीमा में ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस की जाए ताकि गलतियों की गुंजाइश कम से कम हो और परीक्षा में समय सीमा के भीतर प्रश्न हल हो सकें। ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस करने की जरूरत होती है। पिछले कुछ सालों से इस तरह की परीक्षाओं में किताबी ज्ञान के साथ ही तार्किक क्षमता का आकलन प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है, लिहाजा प्रतिभागियों को मैथ्स और कंप्यूटर के साथ ही लॉजिकल रीजनिंग की बेहतर तैयारी करना चाहिए। पिछले पर्चों को हल कर ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस करें तो कम समय में अच्छी तैयारी कर बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। निगेटिव मार्किंग का भी ध्यान रखें। प्रतियोगी परीक्षाओं में निगेटिव मार्किंग का ध्यान रखना सबसे ज्यादा जरूरी है। प्रतिभागियों को पुराने पेपर्स को हल कर ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस करना चाहिए।

इस बात का ध्यान रखें कि जो परीक्षा आप देने जा रहे है, उसमें नेगेटिव मार्किंग है की नहीं। चूंकि अगर परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग हो तो अगर सही उत्तर नहीं आता हो तो अंदाज से उत्तर न दें। गलत उत्तर से अंक कम होंगे और आशातीत परिणाम प्राप्त नहीं हो पाएंगे। टाइम मैनेजमेंट करना भी जरूरी है। विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी में अलग-अलग योजना बनाई जाना चाहिए। प्रश्नपत्र के प्रारूप को ध्यान में रखकर अलग-अलग विषयों को समय दिया जाना चाहिए। वैकल्पिक प्रश्नों की तैयारी के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस करना चाहिए जबकि वर्णनात्मक प्रश्नों के लिए विश्लेषण पर जोर देना चाहिए। कैरियर में बदलाव करते समय अगर आप यह सोचते हैं कि जो वर्तमान में कार्य कर रहे हैं उसमें पैसा

कम है और कैरियर शिफ्ट के बाद ज्यादा पैसा मिल जाएगा तब आप गलत दिशा में सोच रहे हैं। प्रत्येक कैरियर में अलग-अलग तरह की प्रक्रियाएं रहती हैं आगे बढ़ने के लिए। इस कारण पैसे को ही देखकर करियर शिफ्ट न करें। किसी और ने किया इसलिए आप भी करें यह जरूरी नहीं है। चूंकि हो सकता है कि जो उसके लिए अच्छा है वो आपको सूट ना करें और आप उसे चुनकर बाद में पश्चाताप महसूस करें। यह अकसर देखा गया है कि कोई व्यक्ति लगातार पांच-आठ वर्षों तक एक ही कंपनी में कार्य कर रहा है और कंपनी में काम करने वाले उसके एक साथी ने कैरियर शिफ्ट किया क्योंकि उसे मीडिया में काम करने की इच्छा थी। साथी ने कैरियर शिफ्ट किया है इसलिए आप भी करें यह जरूरी नहीं। आप अपनी सहूलियत देखें। अपनी क्षमता की पहचान करना भी आवश्यक है। हालांकि कई बार युवा साथी जोश में आकर कैरियर शिफ्ट करने के बारे में विचार करते हैं और उस पर अमल भी कर देते हैं। जब वे दूसरे कैरियर के लिए काम करने जाते हैं तब असहज महसूस करते हैं। यह इस कारण भी होता है क्योंकि आप अपनी क्षमता से परिचित नहीं हैं। गौरतलब है कि कैरियर शिफ्ट करने के पहले इस ओर जरूर ध्यान दें कि क्या वाकई आपमें उतनी क्षमता है। किसी विकल्प का चयन मात्र इसलिए न करें क्योंकि वह आपके लिए अंतिम विकल्प है।

# भविष्य बनाएं हेयर स्टाइलिस्ट बनकर

सुंदर दिखने की ललक भला किसे नहीं होती है। महिलाओं की तो छोड़िए, अब तो पुरुषों में भी ऐसी होड़ दिखाई देती है। कॉस्मेटिक्स प्रोजेक्ट तैयार करने वाली कंपनियां, ब्यूटी पार्लर और कॉस्मेटिक सर्जरी इसी चाहत का परिणाम है। इस प्रकार के कार्यकलापों पर आधारित कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से देश-विदेश में तेजी से फैल रहा है। इस क्रम में ग्रामीण कस्बों से लेकर मेट्रोपॉलिटन शहरों तक में महिलाओं और पुरुषों के लिए ब्यूटी पॉर्लरों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा सकती है। इसके अलावा अन्य शारीरिक श्रृंगार और सबसे आवश्यक केश-विन्यास या हेयर स्टाइलिंग की भूमिका भी उलेखनीय है।

इस तथ्य से कतई इंकार नहीं किया जा सकता है कि किसी भी व्यक्ति को आकर्षक बनाने में बालों की अहम् भूमिका होती है। महज बालों की स्टाइल बदलने से व्यक्तित्व में आमूलचूल बदलाव नजर आने लगता है या दूसरे शब्दों में पहचान ही बदल जाती है। व्यक्ति की कदकाठी तथा चेहरे के आकार के अनुसार ही बालों की स्टाइल का निर्धारण किया जाता है। इसमें हेयर स्टाइलिस्ट ही मददगार होते हैं। आज के दौर में बाल काटने वाले परंपरागत नाइयों को हेयर स्टाइलिस्ट की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है। अब यह विधा भी अलग पेशे का रूप ले चुकी है और सफल होने के लिए ट्रेनिंग हासिल करना इसमें अहम् हो गया है।

अधिकांश लोगों को यह जानकारी नहीं होगी कि हेयर स्टाइलिंग के पर आधारित विभिन्न ट्रेनिंग कोर्सेज अब विश्व भर में छोटे अथवा बड़े पैमाने आयोजित किए जाते हैं। इनकी अवधि चंद सप्ताह से लेकर एक वर्ष तक हो सकती है। कुछ संस्थानों में ब्यूटी कल्चर कोर्स के अंतर्गत भी ऐसी ट्रेनिंग अनिवार्य तौर पर देने का प्रावधान है। इन कोर्सेज का उद्देश्य हेयर स्टाइलिंग के ऐसे गुर सिखाना है जिसमें न्यू लुक क्रिएट किया जा सके। विदेशों में इस प्रकार के लुक को विकसित करने के लिए कंप्यूटर मॉडलों का सहारा लिया जाता है। हेयर स्टाइलिंग की ट्रेनिंग में कॉम्बिंग, पर्मिंग, स्पाइकिंग के अलावा हेयर कटिंग की विभिन्न टैक्निक्स से जुड़ा व्यावहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान भी दिया जाता है। इस प्रकार के कोर्सेज के दौरान बालों के गुणों के अनुसार स्टाइल का निर्धारण एवं बालों की रंगाई के बारे में भी बताया जाता है। जिसका लाभ काम के दौरान मिलता है। अन्य किसी प्रकार के क्षेत्रों की भांति इसमें भी क्रिएटिविटी, नई सोच और कुछ अलग कर दिखाने वालों के लिए सफलता के नए मुकाम हासिल करना बड़ी बात नहीं है। इसके लिए महज ट्रेनिंग ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कार्य अनुभव के साथ इंटरनेट, ब्यूटी मैग्जीनों और इस क्षेत्र के महारथियों के संपर्क में रहना भी आवश्यक है। इससे न सिर्फ तेजी से बदलते ट्रेंड से स्वयं को अपडेट कर पाना संभव है, बल्कि इस क्रम में नए प्रयोग कर स्वयं को स्थापित करने की दिशा में भी कदम उठाने का सपना साकार किया जा सकता है। इस प्रकार के कोर्सेज में अमूमन 12वीं के बाद ही दाखिले दिए जाते हैं पर निजी संस्थानों दसवीं के बाद भी एडमिशन दिए जाते हैं। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए युवाओं में इस काम के प्रति दिलचस्पी और पैसे के साथ नाम कमाने की भावना का होना आवश्यक एवं अहम् शर्त कही जा सकती है। ट्रेंड लोगों की जरूरत फिल्म इंडस्ट्री, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, फैशन ऑर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सेलिब्रेटीज इत्यादि के लिए बड़े पैमाने पर होती है। इतना ही नहीं, मीडिया प्रोडेक्शन हाउसेज, फाइव स्टार होटल, क्लबों और नाइट पार्टियों में भी इसकी सेवाएं ली जाती हैं। हुनर, अनुभव और साख के अनुसार इनको वेतन अथवा कांट्रेक्ट आधारित फीस दी जाती है। विदेशों में हेयर स्टाइलिंग का प्रचलन आम लोगों में बड़े पैमाने पर है। इसलिए इटली, फ्रांस, अमेरिका, लंदन सहित अन्य यूरोपीय देशों में सक्षम हेयर स्टाइलिस्ट की मांग हमेशा रहती है।

संक्षिप्त समाचार

## पुतिन ने रूस के रिकॉर्ड रक्षा खर्च को मंजूरी दी

**मास्को , एजेंसी।** रूस-यूक्रेन युद्ध फरवरी 2022 में शुरू हुआ था और यह जंग द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप का सबसे बड़ा संघर्ष है और दोनों पक्षों ने अपने संसाधन इसमें झोंक दिये हैं। कीव को अपने पश्चिमी सहयोगियों से अरबों डॉलर की मदद मिल रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बजट योजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 2025 तक रक्षा खर्च को रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ा दिया जाएगा। इस कदम को मॉस्को द्वारा युद्ध में यूक्रेन से बढ़त हासिल करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।रविवार को सरकारी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए बजट का लगभग 32.5 प्रतिशत राष्ट्रीय रक्षा के लिए आवंटित किया गया है, जो मौजूदा वर्ष के 28.3 प्रतिशत से अधिक है। रूसी संसद के दोनों सदनों - स्टेट ड्यूमा और फेडरेशन काउंसिल - के सांसदों ने बजट योजनाओं को मंजूरी दे दी है।रूस-यूक्रेन युद्ध फरवरी 2022 में शुरू हुआ था और यह जंग द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप का सबसे बड़ा संघर्ष है और दोनों पक्षों ने अपने संसाधन इसमें झोंक दिये हैं। कीव को अपने पश्चिमी सहयोगियों से अरबों डॉलर की मदद मिल रही है।

## मध्य मेक्सिको के एक शहर में गोलीबारी में आठ लोगों की मौत

**मेक्सिको , एजेंसी।** हमले में एक पुरुष और एक महिला भी घायल हुई है, लेकिन उनकी हालत के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, गोलीबारी में एक स्वास्थ्यकर्मी की भी मौत हो गई। उत्तर-मध्य मेक्सिको में सड़क किनारे एक दुकान के पास बंदूकधारियों ने ग्राहकों और राहगीरों पर गोलियां बरसा दीं जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गुआनाजुआटो प्रांत के अभियोजकों ने बताया कि गोलीबारी शनिवार देर रात अपेसियो एल ग्रांडे शहर में हुई। इस प्रांत में गिरोहों के बीच गोलीबारी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। उन्होंने बताया कि ये लोग दुकान के ठीक बाहर खड़े थे। हमले में एक पुरुष और एक महिला भी घायल हुई है, लेकिन उनकी हालत के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, गोलीबारी में एक स्वास्थ्यकर्मी की भी मौत हो गई। सरकारी एम्बुलेंस एवं पैरामेडिक एजेंसी ने बताया कि शनिवार देर रात एक तकनीशियन की मौत हो गई। हालांकि, उसने इस बात की पुष्टि नहीं की कि वह हमले में मारे गए लोगों में से एक था या नहीं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में दुकान के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल के बीच पुरुषों के शव देखे जा सकते हैं जिनके सिर पर चोट के निशान नजर आ रहे थे।

## अमेरिका ने यूक्रेन को परमाणु हथियार लौटाने से किया इनकार

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने रविवार को कहा कि अमेरिका यूक्रेन को वे परमाणु हथियार लौटाने पर विचार नहीं कर रहा है, जो उसने सोवियत संघ के पतन के बाद छोड़े थे। सुलिवन ने यह टिप्पणी पिछले महीने एक अखबार में लिखे एक लेख के बारे में पूछे जाने पर की जिसमें कहा गया था कि कुछ अज्ञात पश्चिमी अधिकारियों ने सुझाव दिया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन पद छोड़ने से पहले यूक्रेन को हथियार दे सकते हैं। रूस ने इस पर कड़ी आपत्ति जाहिर की थी। जैक सुलिवन ने कहा कि, इस पर विचार नहीं किया जा रहा है। हम जो कर रहे हैं वह यूक्रेन को विभिन्न पारंपरिक क्षमताएं प्रदान करना है ताकि वे प्रभावी रूप से अपना बचाव कर सकें और रूसियों से मुकाबला कर सकें, न कि उन्हें परमाणु क्षमता देने पर विचार कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कीव को 1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद उससे परमाणु हथियार विरासत में मिले थे।

# बांग्लादेश में 54 इस्कॉन सदस्यों को भारत जाने से रोका

### कहा- स्पेशल परमिशन नहीं है, धार्मिक समारोह में भाग लेने जा रहे थे

**ढाका , एजेंसी।** बांग्लादेश की इमिग्रेशन पुलिस ने वैध पासपोर्ट और वीजा के साथ भारत जा रहे इस्कॉन के 54 सदस्यों को बॉर्डर पर रोक दिया। ये लोग एक धार्मिक समारोह में भाग लेने भारत जा रहे थे। इसे लेकर इमिग्रेशन पुलिस का कहना है कि उनके पास भले ही वैध पासपोर्ट और वीजा थे, लेकिन गवर्नमेंट की स्पेशल परमिशन नहीं थी। बेनापोल इमिग्रेशन पुलिस के एक अधिकारी ने द डेली स्टार अखबार से कहा- हमने पुलिस की स्पेशल ब्रांच से बात की। जहां से हमें इस्कॉन सदस्यों को बॉर्डर पार न जाने देने के निर्देश मिले। देश के अलग-अलग जिलों से आया श्रद्धालुओं का जत्था भारत जाने के लिए बेनापोल बॉर्डर पर पहुंचा था। वे बेनापोल में बॉर्डर पार जाने के लिए घंटों इंतजार करते रहे, लेकिन बाद में बताया गया कि उन्हें इसकी परमिशन नहीं है।

इस्कॉन सदस्य सौरभ तपंदर चेली ने कहा- हम भारत में हो रहे एक धार्मिक समारोह में भाग लेने जा रहे थे, लेकिन इमिग्रेशन अधिकारियों ने हमें सरकारी परमिशन न होने का हवाला देकर रोक दिया। अब तक चार इस्कॉन सदस्यों की गिरफ्तारी का दावा वहीं, दूसरी तरफ कोलकाता इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने बांग्लादेश में अब तक 4 इस्कॉन सदस्यों की गिरफ्तारी का दावा किया है। चार हिंदू पुजारियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए राधारमण दास ने लिखा- क्या ये आतंकवादी जैसे दिखते हैं? इन सभी को बांग्लादेशी पुलिस ने बिना किसी कारण के गिरफ्तार कर लिया है।

हालांकि, चिन्मय प्रभु के अलावा अन्य इस्कॉन सदस्यों की गिरफ्तारी या हिरासत पर बांग्लादेश की तरफ से अब तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। बांग्लादेश इस्कॉन ने चिन्मय प्रभु से नाता तोड़ा हिंदू धर्मगुरु चिन्मय प्रभु की रिहाई को लेकर बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी है। वहीं, इस्कॉन बांग्लादेश ने चिन्मय प्रभु से खुद को अलग कर लिया है। महासचिव चारु चंद्र दास ब्रह्मचारी ने कहा कि अनुशासन भंग करने की वजह से चिन्मय को पहले ही संगठन के सभी पदों से हटा दिया गया था। इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक अकाउंट सीज न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक यूनुस प्रशासन ने इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक अकाउंट्स 30 दिनों के लिए सीज कर दिए हैं। इसमें चिन्मय प्रभु का अकाउंट भी शामिल है। बांग्लादेश फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ने गुरुवार को अलग-अलग बैंकों को इसके निर्देश भेजे। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस एजेंसी ने सेंट्रल बांग्लादेश बैंक से इन सभी 17 लोगों से जुड़े अकाउंट्स से हुई लेन-देन की जानकारी 3 दिन के भीतर भेजने को कहा है।

## अमेरिकी आईलैंड में ताइवानी राष्ट्रपति के वेलकम से चीन नाराज

### कहा- हमारी पूरे मामले पर बारीक नजर, जवाबी कार्रवाई करेंगे

**हवाई , एजेंसी।** ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते एक हफ्ते के पैसिफिक आईलैंड्स के दौरे पर हैं। उन्होंने इसकी शुरुआत अमेरिका के हवाई प्रांत से की, जहां रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत किया गया। इसके साथ अमेरिका ने ताइवान को और अधिक हथियार बिक्री के प्रस्ताव को मंजूरी दी। अमेरिका का ये फैसला चीन को नागवार गुजरा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने ताइवान को स्र-16 जेट विमानों और राडार के लिए स्पेयर पार्ट्स और सपोर्ट की लगभग 385 मिलियन डॉलर की बिक्री को मंजूरी दी है।

अलजजीरा के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखेगा और अपने देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बचाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। हथियार बिक्री के मुद्दे पर चीन ने कहा- अमेरिका का यह फैसला ताइवान इन्डेपेन्डेन्ट फोर्स को गलत मैसेज देगा। हम इस पर जवाबी कार्रवाई करेंगे। लाई चिंग-ते ने पर्ल हार्बर में यूएसए एरिजोना मेमोरियल का दौरा किया। यहां उन्होंने कहा कि अमेरिका और ताइवान को युद्ध को रोकने के लिए एक साथ लड़ना चाहिए। शांति अमूल्य है और युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। हवाई के बाद लाई चिंग-ते मार्शल आइलैंड, तुवालु और पलाऊ का दौरा करेंगे। पैसिफिक रीजन में ये राष्ट्र ही ताइवान को एक स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता देते हैं। ताइवान पर चीन के कब्जे का डर 1940 के दशक में जब चीन का शासन कम्युनिस्ट पार्टी के हाथ में आया तो बचे हुए राष्ट्रवादी देश छोड़ ताइवान द्वीप पर जा बसे थे। इन राष्ट्रवादियों ने ताइवान में लोकतांत्रिक शासन लागू किया था। चीन ताइवान को अपना ही हिस्सा मानता है। जबकि ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश मानता है। चीन इसलिए ताइवान पर कब्जा करना चाहता है। ताइवान पर कब्जा करके चीन पश्चिमी प्रशांत महासागर इलाके में अपना दबदबा दिखाने के लिए आजाद हो जाएगा। इससे गुआम और हवाई जैसे अमेरिकी मिलिट्री बेस के लिए खतरा पैदा हो जाएगा। इसके अलावा ताइवान अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर का सबसे बड़ा निर्माता है।

## यहां किराए पर मिलती हैं खूबसूरत पत्नियां! तेजी से फलफूल रहा कारोबार, जानें कैसे होता चयन और तय होती है कीमत

**बैंकाक, एजेंसी।** थाईलैंड जो अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और समुद्र तटों के लिए दुनियाभर में मशहूर है, अब एक विवादास्पद सामाजिक प्रथा के चलते चर्चा में है। हाल ही में प्रकाशित एक किताब ने थाईलैंड में रेंटल वाइफ प्रथा की वास्तविकता को उजागर किया है। इस प्रथा में महिलाएं कुछ समय के लिए किराए पर पत्नी बनकर रहती हैं। इसे वाइफ ऑन हायर और ब्लैक पर्ल जैसे नामों से भी जाना जाता है। लावर्ट ए इमैनुएल की किताब थाईलैंड्स टैबू- द राइज ऑफ वाइफ रेंटल इन मॉडर्न सोसाइटी में इस प्रथा को विस्तार से समझाया गया है। इसमें बताया गया है कि कैसे यह प्रथा धीरे-धीरे एक संगठित व्यवसाय का रूप ले चुकी है।

**क्या है रेंटल वाइफ प्रथा:** यह एक अस्थायी अनुबंध है, जिसमें महिलाएं कुछ समय के लिए पत्नी की भूमिका निभाती हैं। यह विवाह का वैध रूप नहीं है, बल्कि इसे एक व्यवसाय के रूप में देखा जा रहा है। यह व्यवस्था कुछ दिनों से लेकर कई महीनों तक के लिए हो सकती है। जापान और कोरिया जैसे देशों में ऐसी सेवाएं पहले से मौजूद हैं। शहरीकरण और लोगों के व्यस्त जीवन ने इस प्रथा को बढ़ावा दिया है। थाईलैंड में सामाजिक स्वतंत्रता और रिश्तों के प्रति लचीले दृष्टिकोण ने इसे और भी स्वीकार्य बना दिया है। थाईलैंड सरकार ने स्वीकार किया है कि रेंटल वाइफ प्रथा देश में मौजूद है और तेजी से व्यवसाय का रूप ले रही है।

सरकार का मानना है कि इसे नियंत्रित करने और समाज में संतुलन बनाए रखने के लिए कानून की आवश्यकता है।

इस प्रथा को लेकर वैश्विक बहस जारी है, और इसके सामाजिक और नैतिक प्रभावों पर चर्चा हो रही है।

# गिनी में फुटबॉल मैच के दौरान फैंस के बीच हुई झड़प, 100 से ज्यादा लोगों की मौत

**कोनाक्री , एजेंसी।** गिनी के दूसरे सबसे बड़े शहर एन जेरेकोर में एक फुटबॉल मैच के दौरान प्रशंसकों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान झड़प में दर्जनों लोग मारे गए। इस घटना की जानकारी अस्पताल सूत्रों ने एएफपी को रविवार को दी।

एक डॉक्टर ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, अस्पताल में जहां तक नजर जाती है, शव कतारों में पड़े हैं। अन्य लोग गलियारे में फर्श पर पड़े हैं। मुर्दाघर भरा हुआ है।

फैंस की झड़प में हुई 100 लोगों की मौत

उन्होंने कहा कि करीब 100 लोग मारे गए हैं, स्थानीय अस्पताल और मुर्दाघर में शव भरे पड़े हैं। एक अन्य डॉक्टर ने कहा कि दर्जनों लोग मरे हैं।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में मैच के बाहर सड़क पर आराजकता का दृश्य और जमीन पर बड़ी संख्या में शव पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसकी पुष्टि एएफपी तत्काल नहीं कर सका।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने एन जेरेकोर पुलिस स्टेशन में भी तोड़फोड़ की और आग लगा दी।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने एएफपी को बताया, यह सब रेफरी के विवादित फैसले से शुरू हुआ। फिर प्रशंसकों ने मैदान पर हमला कर दिया। उन्होंने सुरक्षा कारणों से अपना नाम गुप्त रखने की मांग की। 2021 में हुआ था तख्तापलट

स्थानीय मीडिया ने कहा कि यह मैच गिनी के जुंटा नेता मामादी डौम्बौया के सम्मान में आयोजित एक टूर्नामेंट का हिस्सा था, जिन्होंने 2021 में तख्तापलट करके सत्ता हथिया ली थी और खुद को राष्ट्रपति बना लिया था।

डौम्बौया ने सितंबर 2021 में राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को अपदस्थ करके बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा कर लिया, जिन्होंने तत्कालीन कर्नल को एक कुलीन बल का प्रभारी बनाया था, जिसका काम राज्य के प्रमुख को ऐसे तख्तापलट से बचाना था। अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते उन्होंने 2024 के अंत तक सत्ता वापस नागरिक सरकार को सौंपने का वादा किया था, लेकिन अब उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे ऐसा नहीं करेंगे।सैन्य नेता ने जनवरी में खुद को असाधारण तरीके से लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत किया और पिछले महीने उन्होंने खुद को सेना के जनरल के पद पर पदोन्नत किया।

डौम्बौया ने असहमति पर चल रही कार्रवाई की अध्यक्षता की है, जिसमें कई विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिया गया, अदालतों के सामने पेश किया गया या निर्वासन में जाने के लिए मजबूर किया गया। तख्तापलट के तुरंत बाद जुंटा द्वारा तैयार किए गए संक्रमणकालीन चार्टर में कहा गया था कि जुंटा का कोई भी सदस्य राष्ट्रीय या स्थानीय चुनावों में खड़ा नहीं हो सकता। लेकिन डौम्बौया के समर्थकों ने हाल ही में अगले राष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवारी के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है।

सितंबर के अंत में, अधिकारियों ने संकेत दिया कि संवैधानिक व्यवस्था को बहाल करने के उद्देश्य से चुनाव 2025 में आयोजित किए जाएंगे।

## अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने बेटे हंटर को माफी दी

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने बेटे हंटर बाइडेन को माफी दे दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक वे अवैध तरीके से बंदूक रखने और टैक्स चोरी के मामले में सजा का सामना कर रहे थे। बाइडेन ने बयान जारी कर कहा- जिस दिन से मैंने पद संभाला है, मैंने कहा है कि न्याय विभाग के फैसले में दखल नहीं दूंगा। मैंने अपना यह वादा निभाया भी है, लेकिन मैंने देखा कि मेरे बेटे को निशाना बनाया जा रहा है। उस पर गलत तरीके से मुकदमा चलाया गया। बाइडेन ने कहा कि उन्हें कानून व्यवस्था पर पूरा यकीन है, लेकिन राजनीति ने इसे गंदा कर दिया है। यह न्याय व्यवस्था की नाकामी है। राष्ट्रपति ने कहा कि हंटर के मामले को देखने वाला कोई भी समझदार शख्स यह जानता होगा कि उसे सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह मेरा बेटा है। राष्ट्रपति ने कहा, हंटर को बर्बाद करने की कोशिश में कुछ लोगों ने मुझे भी कमजोर करना चाहा। यह सब अभी नहीं रुकता, इसलिए उन्हें अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करना पड़ा। अमेरिकी लोग समझेंगे कि एक पिता और राष्ट्रपति ने यह फैसला क्यों लिया। सजा मिलने से 2 दिन पहले हंटर को माफी मिली हंटर को डेलावेयर कोर्ट में 4 दिसंबर को सजा सुनाई जानी थी। अवैध तरीके से बंदूक खरीदने के मामले में अधिकतम 25 साल तक की जेल हो सकती है, लेकिन कानून के कई जानकारों के मुताबिक पहला आपराधिक मामला होने की वजह से उन्हें 12 से 16 महीने तक की सजा हो सकती थी। सजा सुनाए जाने से ठीक 2 दिन पहले पिता बाइडेन ने अपनी राष्ट्रपति शक्तियों का इस्तेमाल कर बेटे बाइडेन को बचा लिया।

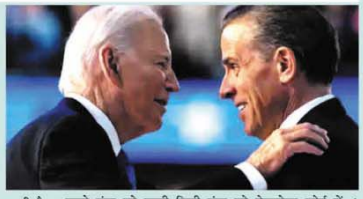

## अलास्का के समुद्र में मछुआरों की नौका पलटी, पांच लोग लापता

**अलास्का , एजेंसी।** 'विंड वॉकर', जूनो के दक्षिण-पश्चिम में पॉइंट कुवर्डन के पास पानी में पलट गई। विज्ञप्ति के अनुसार, 'एएमएचएस हबर्ड' नौका के चालक दल ने यह संदेश सुना और वे घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचे।

अलास्का की राजधानी जुनो के समीप खराब मौसम के बीच मछुआरों की एक नौका के समुद्र में पलट जाने से पांच लोग लापता हो गए और उनकी तलाश की जा रही है। अमेरिकी तटरक्षक बल ने रविवार को यह जानकारी दी।

तटरक्षक बल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, लगभग 50 फुट लंबी नौका 'विंड वॉकर' के चालक दल ने रात 12 बजकर 10 मिनट पर संदेश भेजा कि उनकी नौका पलटने वाली है, लेकिन इसके अलावा और कुछ जानकारी नहीं दे पाया। बाद में पता चला कि 'विंड वॉकर', जूनो के दक्षिण-पश्चिम में पॉइंट कुवर्डन के पास पानी में पलट गई। विज्ञप्ति के अनुसार, 'एएमएचएस हबर्ड' नौका के चालक दल ने यह संदेश सुना और वे घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचे। बचाव कार्य के लिए तटरक्षक बल ने एक 'एमएच-60 जेहॉक' हेलीकॉप्टर और एक नौका को मौके पर भेजा। तलाशी अभियान जारी

# थाईलैंड में दशक की सबसे भीषण बाढ़; 5.34 लाख विस्थापित

**बैंकॉक, एजेंसी।** भारी बारिश व बाढ़ के चलते दक्षिणी थाईलैंड में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। एक दशक में आई सबसे भीषण बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए 5.34 लाख लोगों को विस्थापित किया गया है, जबकि पिछले तीन दिन में 9 की मौत भी हो चुकी है। बाढ़ से प्रभावित इलाकों में 200 अस्थायी राहत शिविरों में हजारों लोगों ने शरण ली हुई है।

# कुवैत में 24 घंटों तक फंसे रहे 60 भारतीय यात्री

**कुवैत , एजेंसी।**
60 भारतीय यात्री रविवार को 24 घंटे से ज्यादा समय तक कुवैत के एयरपोर्ट पर फंसे रहे। ये सभी मुंबई से इंग्लैंड के मैनचेस्टर जा रहे थे। यात्रियों ने गल्फ एयर पर आरोप लगाया है कि उन्हें इतने लंबे समय तक खाना-पानी, आवास के बिना रखा गया।

भारतीय यात्रियों ने गल्फ एयर पर घटना के दौरान पक्षपात के आरोप भी लगाए। यात्रियों ने कहा कि घटना के दौरान सिर्फ च, यूरोपियन यूनियन और र के यात्रियों को ही रहने और खाने के लिए सहायता दी गई, जबकि भारतीय, पाकिस्तान और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के लोगों को कोई सहायता मुहैया नहीं कराई गई।

दरअसल, गल्फ एयर की फ्लाइट के इंजन में रविवार को अचानक खराबी आ गई थी, जिसके बाद फ्लाइट को डायवर्ट करके कुवैत एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसे ठीक होने में 24 घंटे से ज्यादा लग गए। घटना की जानकारी के बाद भारतीय ऐंबैसी के अधिकारी यात्रियों से मिले। घटना की जानकारी के बाद भारतीय ऐंबैसी के अधिकारी यात्रियों से मिले। भारतीय यात्रियों को नहीं दी गई कोई जानकारी यात्रियों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपनी परेशानी बताई। फंसे हुए यात्रियों ने लिखा कि वे एयरपोर्ट छोड़कर बाहर भी नहीं जा सकते थे, क्योंकि उनके पास ट्रांजिट वीजा नहीं था।

भारतीय ऐंबैसी ने बताया कि कुवैत में चल रहे जीसीसी समिट की वजह से एयरपोर्ट के होटल खाली नहीं थे। इस वजह से भारतीय यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने मदद की कुवैत में भारतीय दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी ने बाद में यात्रियों को लॉन्ज में खाना मुहैया करवाया गया। ऐंबैसी के मुताबिक फ्लाइट ने सुबह करीब साढ़े 4 बजे उड़ान भरी। इस दौरान भारतीय अधिकारी वहां पर मौजूद रहे।

7 फ्लाइट्स में मंगलवार को बम होने की धमकी मिली। धमकी मिलने वाली फ्लाइट्स में एअर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। इसके बाद उसे कनाडा डायवर्ट कर दिया गया। प्लेन को कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया। यहां यात्रियों और उसमें मौजूद सामान की जांच की गई। फ्लाइट 24 रडार के मुताबिक, प्लेन ने आज सुबह 3 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी, जिसे दोपहर 4:30 बजे शिकागो पहुंचना था।

अंडर-19 एशिया कप

# भारतीय कप्तान मोहम्मद अमान ने ठोका दमदार शतक

## जापानी टीम का मार-मारकर तेल निकाल दिया

**शारजाह (एजेंसी)।** भारतीय अंडर 19 टीम के कप्तान मोहम्मद अमान ने जापान के खिलाफ कमाल कर दिया। उन्होंने एसीसी अंडर 19 एशिया कप में गजब का शतक ठोका। अमान ने 106 बॉल पर अपना शतक पूरा किया। अमान 81 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उन्होंने काफी समझदारी के साथ बल्लेबाजी की। अमान ने प्रोपर क्रिकेटिंग शॉट्स खेले और रन बनाने में कोई भी जल्दबाजी नहीं की। जब वह एक बार सेट हो गए। उसके बाद उन्होंने अपने असली रंग दिखाए।18 साल के मोहम्मद अमान अंत तक नाबाद रहे और उन्होंने 103 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 118 गेंद में नाबाद 122 रन बनाए। अपनी पारी के दौरान अमान ने 7 चौके लगाए। वह भारत की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। जापान अंडर 19 क्रिकेट टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया था। ऐसे में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पूरे 50 ओवर खेले और 6 विकेट पर 339 रन ठोक दिए। यह इस अंडर 19 एशिया कप के एडिशन में किसी भी टीम द्वारा सबसे बड़ा स्कोर है।

### भारत ने जापान को दिया 340 रनों का लक्ष्य

**आयुष म्हात्रे ने भी ठोकी तूफानी फिफ्टी** - भारत के ओपनर आयुष म्हात्रे ने 27 गेंद पर इस मैच में अपना अर्धशतक (54 रन) पूरा किया था। आयुष ने अपनी पारी में 6 चौके और 4 छक्के भी लगाए थे। केपी कार्तिकेय ने भी मिडिल ऑर्डर में आकर अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने 49 गेंद में 57 रन बनाए। इस एशिया कप का यह सबसे तेज अर्धशतक था। हालांकि वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में फ्लॉप हो गए। उनको स्टार्ट तो अच्छा मिला था। लेकिन वह उसको बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए और सिर्फ 23 रन के स्कोर पर आउट हो गए। जापान को भारत ने 340 रन का बड़ा टारगेट दिया है।

# शोएब अख्तर ने भारत को लेकर उगला जहर

## वहीं उन्हें मारके आओ... भारत के लिए शोएब के बिगड़े बोल, रोहित सेना देगी मुंहतोड़ जवाब

**रावलपिंडी (एजेंसी)।** आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर हो रहे पूरे मामले में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर खुश नहीं हैं। हालांकि सब देशों में सहमति बन गई है कि टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में खेला जाएगा, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसे मंजूरी देने के लिए कुछ शर्तें रखी हैं। पीसीबी इस टूर्नामेंट को पूरे पाकिस्तान में ही कराना चाहता था, लेकिन आईसीसी के साथ हुई हालिया बैठक के बाद उनका रुख नरम पड़ गया है। वहीं पीसीबी अब ये मांग कर रहा है कि भारत में होने वाले सभी आईसीसी इवेंट्स भी हाइब्रिड मॉडल में ही खेले जाएं। अख्तर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की इस बात से सहमत हैं कि चूंकि टूर्नामेंट अब हाइब्रिड मॉडल में होगा तो पाकिस्तान को ज्यादा रेवेन्यू मिलना चाहिए। मगर, वो इस बात से सहमत नहीं हैं कि पाकिस्तान भविष्य के आईसीसी इवेंट्स के लिए भारत का दौरा न करे।

### शोएब अख्तर ने क्या कहा?

शोएब अख्तर का कहना है कि, आपको होस्टिंग राइट्स और रेवेन्यू मिल रहा है, ये ठीक है। पाकिस्तान की मांग भी वाजिब है। उन्हें मजबूत रुख बनाए रखना चाहिए था। अगर हम अपने देश में चैंपियंस ट्रॉफी करा पा रहे हैं और वो (भारतीय टीम) आने को तैयार नहीं हैं, तो उन्हें ज्यादा रेवेन्यू शेयर करना चाहिए। ये अच्छी मांग है। लेकिन, अख्तर ये भी मानते हैं कि पीसीबी को पाकिस्तान की टीम को भविष्य के आईसीसी इवेंट्स के लिए भारत भेजना चाहिए। शोएब अख्तर ने आगे कहा, भविष्य में भारत में खेलने के मामले में, हमें दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए और वहां जाना चाहिए। मेरा हमेशा से यही मानना रहा है कि भारत जाओ और उन्हें वहीं हराओ।

आईपीएल 2025

# नीलामी से हमें सही मिश्रण मिला, मुंबई कप्तान हार्दिक पांड्या

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि वह जेद्दा में हाल ही में हुई मेगा नीलामी से जिन खिलाड़ियों को चाहते थे, उनके बारे में कोचिंग स्टाफ के साथ करीबी संपर्क में थे और उन्हें लगा कि 2025 सीजन के लिए टीम वास्तव में अच्छी निकली है। पिछले महीने की नीलामी में एमआई ने ट्रेंट बोल्ट, विल जैक्स, रयान रिकलेटन, मिशेल सेंटनर, लिजाद विलियम्स और रीस टॉपले जैसे अनुभवी विदेशी खिलाड़ियों के साथ-साथ दीपक चाहर, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, राज अंगद बावा जैसे भारतीय खिलाड़ियों को भी शामिल किया। उन्होंने अल्लाह गजनफर, बेवॉन जैकब्स, विग्नेश पुथुर और वेंकट सत्यनारायण राजू जैसे कम प्रसिद्ध खिलाड़ियों को भी शामिल किया। हार्दिक ने मुंबई के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, मैं संपर्क में था, हम वास्तव में किसके लिए जा रहे हैं और मुझे लगता है कि हम नीलामी से काफी अच्छे निकले हैं और टीम अच्छी दिख रही है। हमने सही मिश्रण पाया है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी हैं। बौल्टी वापस आ गए हैं, दीपक चाहर, जो ऑलराउंडर हैं, और साथ ही विल जैक्स, रॉबिन मिंज और रिकेल्टन जैसे युवा खिलाड़ी, जो नए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने सभी आधारों को कवर किया है।

उन्होंने नीलामी की रोलरकोस्टर प्रकृति पर भी बात की, जो एक आईपीएल सीजन के लिए टीम बनाने में एक बड़ी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, नीलामी की गतिशीलता हमेशा मुश्किल होती है। आप जानते हैं कि जब आप इसे लाइव देख रहे होते हैं, तो यह बहुत रोमांचक होता है और भावनाएं हमेशा ऊपर-नीचे होती रहती हैं क्योंकि आप इस खिलाड़ी को चाहते हैं लेकिन कभी-कभी आप हार जाते हैं। बहुत भावुक न होना बहुत महत्वपूर्ण है, और अंत में हमें एक पूरी टीम बनानी होगी।

# वॉर्म-अप मैच से हम जो चाहते थे हमें मिल गया: रोहित शर्मा

**कैनबरा (एजेंसी)।** भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री को हराने के बाद वॉर्म-अप गेम के समय में कटौती से खुश हैं। रविवार को मनुका ओवल में इलेवन ने छह विकेट से जीत दर्ज की। दो दिवसीय गुलाबी गेंद वाले मैच का शुरुआती दिन बारिश के कारण धुल गया और मुकाबले के दूसरे दिन अधिक बारिश के कारण मैच को प्रति पक्ष 46 ओवर का कर दिया गया। बाएं अंगूठे की चोट के कारण पहला टेस्ट न खेलने के बाद शुभमान गिल ने अर्धशतक बनाया और रोहित की वापसी के बावजूद यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल ने सलामी बल्लेबाज के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा, भारत ने एडिलेड में गुलाबी गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट से पहले सभी बॉक्सों पर टिक कर दिया।

# बुमराह महानतम तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे: ट्रैविस हेड

**एडिलेड (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड को लगता है कि जसप्रीत बुमराह इस खेल के महानतम तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे और उन्होंने कहा कि वह बड़े गर्व से अपने पोते-पोतियों को भारतीय तेज गेंदबाज का सामना करने की कठिन चुनौती के बारे में बताएंगे। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत यह मैच 295 रन से जीतने में सफल रहा।

हेड ने कहा, 'जसप्रीत को शायद इस खेल को खेलने वाले सबसे महान तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाना जाएगा। अभी हम यह पता लग रहे हैं कि वह हमारे लिए कितना चुनौती पूर्ण हो सकता है। उसके खिलाफ खेलना अच्छा है। जब मैं भविष्य में अपने करियर पर नजर डालूंगा तो बड़े गर्व से अपने पोते पोतियों को बताऊंगा कि मैंने उनका सामना किया था। इसलिए उनके खिलाफ खेलना बुरा नहीं है। उम्मीद है मुझे आगे भी उनके खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा लेकिन उनका सामना करना चुनौती पूर्ण है।

हेड पर्थ में अर्धशतक बनाने वाले एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज थे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, लेकिन मध्यक्रम के इस विस्फोटक बल्लेबाज को यकीन है कि उनके साथी टिप्स के लिए उनसे संपर्क नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित है कि वे मुझसे बल्लेबाजी के टिप्स नहीं लेंगे। प्रत्येक खिलाड़ी का खेलने काअपना तरीका होता है।

दोनों टीमें अब शुक्रवार से एडिलेड में उसी स्थान पर गुलाबी गेंद का टेस्ट खेलेंगी जहां भारत 2020 में 36 रन पर आउट हो गया था। हेड ने उस मैच को याद करते हुए कहा, 'मुझे याद है कि वह मैच जल्दी समाप्त हो गया था। हमने उस मैच का भरपूर आनंद लिया था। फिर से ऐसा करना अच्छा होगा लेकिन मुझे नहीं लगता कि अगले मैच में ऐसा होगा।

हेड ने इसके साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया की संघर्षरत बल्लेबाजी और गेंदबाजी इकाई के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है। पहले टेस्ट के दौरान जोश हेजलवुड की एक टिप्पणी के बाद टीम के भीतर संभावित मतभेद की आशंका व्यक्त की जाने लगी थी। उन्होंने कहा, 'हमें दोनों विभाग (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) से काफी उम्मीदें हैं और यह एक बहुत ही व्यक्तिगत खेल है। बल्लेबाजी में हम मजबूत पकड़ बनाना चाहते हैं और हम जानते हैं कि हमारे गेंदबाजों ने अतीत में कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने हमें कई बार परेशानियों से बाहर निकाला है।

हेड को पूरा विश्वास है कि पहले टेस्ट में करारी हार के बावजूद उनकी टीम वापसी करने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम प्रतिकूल परिस्थितियों से अच्छी तरह से निपटी है। पिछले तीन या चार वर्षों में हमने हर चुनौती का अच्छी तरह से सामना किया है। पिछले कुछ वर्षों में कई टीम ने पहला टेस्ट मैच हारने के बाद अच्छी वापसी की और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया।

# रेफरी के निर्णय से शुरू हुआ विवाद, फुटबॉल प्रशंसकों के बीच झड़प में 100 लोगों की मौत

**गिनी (एजेंसी)।** गिनी के दूसरे सबसे बड़े शहर एन-जेरेकोर में फुटबॉल मैच के दौरान प्रशंसकों के बीच झड़प के बाद रविवार को 100 से अधिक लोग मारे गए। एक डॉक्टर ने बताया, अस्पताल में जहां तक ??नजर जाती है, शवों की कतार लगी हुई है। अन्य लोग फर्श पर पड़े हैं। मुर्दाघर भरा हुआ है। डॉक्टर ने बताया कि करीब 100 लोग मारे गए हैं, स्थानीय सुविधाओं में हताहतों की संख्या बहुत अधिक है। एक दूसरे मेडिकल प्रोफेशनल ने पुष्टि की कि दर्जनों लोग मारे गए हैं। सोशल मीडिया फुटेज में मैच स्थल के बाहर अराजक सड़क दृश्य और मैदान पर कई हताहत दिखाई दे रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने एनजेरेकोर पुलिस स्टेशन को क्षतिग्रस्त कर दिया और आग लगा दी। सुरक्षा चिंताओं के कारण एक व्यक्ति ने पहचान छिपाते हुए बताया, यह सब रेफरी के विवादित निर्णय से शुरू हुआ। फिर प्रशंसकों ने पिच पर हमला कर दिया।

यह मैच कथित तौर पर गिनी के जुंटा नेता मामादी डौम्बौया के सम्मान में आयोजित एक टूर्नामेंट का हिस्सा था, जिन्होंने 2021 में तख्तापलट के जरिए सत्ता संभाली थी और खुद को राष्ट्रपति घोषित किया था। इस तरह के टूर्नामेंट गिनी में अक्सर होते रहते हैं क्योंकि डौम्बौया आगामी राष्ट्रपति चुनावों में भाग लेने पर विचार कर रहे हैं जबकि राजनीतिक गठबंधन विकसित हो रहे हैं।

डौम्बौया ने सितंबर 2021 में राष्ट्रपति अल्फा कोंडे को पदच्युत करके बलपूर्वक नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया जिन्होंने पहले इस तरह के अधिग्रहण से बचाने के लिए तत्कालीन कर्नल को नियुक्त किया था। अंतरराष्ट्रीय मांगों के बाद उन्होंने 2024 के अंत तक नागरिक सत्ता हस्तांतरण के लिए प्रतिबद्धता जताई, हालांकि उन्होंने तब से इस रुख को बदल दिया है। जनवरी में उन्होंने 'असाधारण रूप से' खुद को लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत किया, उसके बाद अगले महीने सेना के जनरल के पद पर खुद को पदोन्नत किया।

उनके नेतृत्व में विपक्ष को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है जिसमें कई नेताओं को कैद किया गया, उन पर मुकदमा चलाया गया या उन्हें निर्वासित किया गया। तख्तापलट के बाद जुंटा के 'संक्रमणकालीन चार्टर' ने अपने सदस्यों को राष्ट्रीय या स्थानीय चुनावों में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया। हालांकि डौम्बौया के समर्थक अब उनके राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की वकालत कर रहे हैं। अधिकारियों ने हाल ही में घोषणा की है कि संवैधानिक व्यवस्था बहाली के लिए चुनाव 2025 में होंगे।

प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद गिनी आर्थिक रूप से वंचित बनी हुई है। राष्ट्र ने दशकों तक सत्तावादी शासन का अनुभव किया है। डौम्बौया उन अन्य सैन्य नेताओं में शामिल हो गए हैं जिन्होंने 2020 से पश्चिम अफ्रीका में नियंत्रण हासिल कर लिया है जिनमें माली, बुर्किना फासो और नाइजर शामिल हैं।

# सिराज ने फॉर्म में वापसी का श्रेय भरत अरुण और मोर्ने मोर्कल को दिया, मिली थी ये सलाह

**पर्थ (एजेंसी)।** भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज एक बार फिर फॉर्म में वापस आ गए हैं। इस तेज गेंदबाज ने पर्थ टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह का बेहतरीन साथ दिया जिसकी बदौलत भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का अपना पहला टेस्ट मैच 295 रनों से जीता। बुमराह के अलावा, सिराज ने अपनी शानदार लेंथ और स्टंप्स को निशाना बनाने की अपनी क्षमता से प्रभावित किया। भारत के तेज गेंदबाज ने अपनी फॉर्म में वापसी का श्रेय भरत अरुण और मोर्ने मोर्कल को दिया और भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले उनके साथ हुई बातचीत का खुलासा किया। इस साल सिराज के लिए लाल गेंद के प्रारूप में चीजें इतनी अच्छी नहीं रहीं. जनवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद तेज गेंदबाज को एक मैच के लिए आराम दिया गया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में, सिराज को एक बार फिर पुणे में बेंच पर बैठाया गया और उन्होंने 2 मैचों में केवल 2 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भारत के गुलाबी गेंद से अभ्यास मैच के बाद सिराज ने कहा कि अब उन्हें टेस्ट मैचों में गेंदबाजी करना अच्छा नहीं लग रहा है। तेज गेंदबाज ने अपनी खराब फॉर्म के बारे में बताया और कहा कि चूंकि भारत में अधिकांश ओवर सिमरों द्वारा फेंके जाते थे इसलिए वह विकेट नहीं ले पाने के कारण निराश हो रहे थे। सिराज ने कहा, मुझे लग रहा था कि मैं अपनी गेंदबाजी का आनंद नहीं ले पा रहा हूं। एक व्यक्ति के तौर पर मैं ऐसा व्यक्ति हूं जिसे अपनी गेंदबाजी का आनंद लेने पर एक अलग एहसास होता है, भले ही मुझे विकेट न मिल रहे हों। और अब जब मुझे विकेट नहीं मिल रहे थे, तो मैं इस बात पर गहराई से विचार करने लगा कि मुझे विकेट क्यों नहीं मिल रहे हैं।

# नोवाक जोकोविच ने पूर्व प्रतिद्वंद्वी एंडी मर्रे को कोच नियुक्त की वजह बताई

**ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)।** दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी एंडी मर्रे को इसलिए अपना कोच नियुक्त किया क्योंकि वह ब्रिटेन के इस पूर्व खिलाड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। पिछले छह महीने से बिना कोच के खेलने वाले जोकोविच अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी जुआन मार्टिन डेल पोत्रो के लिए विदाई मैच खेलने के लिए यहां आए हैं। उन्होंने और मर्रे ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए एक साथ काम करने की योजना बना रहे हैं।

जोकोविच ने डेल पोत्रो के खिलाफ मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में स्पेनिश में कहा, 'जब मैं जूनियर वर्ग में खेला करता था तब से मैंने उनके खिलाफ काफी टेनिस खेली है और ऐसे बहुत कम खिलाड़ी हैं जिन्होंने कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। जोकोविच 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। उन्होंने टेनिस इतिहास में किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में नंबर एक पर सबसे अधिक समाह बिताए हैं।

मर्रे ने तीन ग्रैंड स्लैम खिताब और दो ओलंपिक एकल स्वर्ण पदक जीते। वह 2016 में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहे। उन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास ले लिया था। मर्रे और जोकोविच दोनों 37 वर्ष के हैं और वे मई 1987 में एक सप्ताह के अंतर पर पैदा हुए थे। वे जूनियर वर्ग से एक दूसरे के खिलाफ खेलते रहे हैं। पेशेवर खिलाड़ी के रूप में इन दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ 36 मैच खेले जिनमें जोकोविच ने 25 और मर्रे ने 11 मैच में जीत दर्ज की।

सैयद मुश्ताक अली

# मोहम्मद शमी की किफायती गेंदबाजी से बंगाल जीता

**राजकोट (एजेंसी)।** भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की किफायती गेंदबाजी से बंगाल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में रविवार को यहां मेघालय के खिलाफ छह विकेट की आसान जीत दर्ज की। ग्रुप के अन्य मुकाबलों में नमन धीर (19 रन पर 5 विकेट) की तूफानी गेंदबाजी से पंजाब ने हैदराबाद के खिलाफ 7 रन की आसान जीत दर्ज की जबकि झारखंड ने हरियाणा को 1 विकेट से हराया। हरियाणा की ओर से सुमित कुमार ने 25 रन देकर तीन विकेट चटकाए जबकि हर्षल पटेल (16 रन पर 2 विकेट) और युजवेंद्र चहल (13 रन पर एक विकेट) ने भी उम्दा गेंदबाजी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए।

शमी ने भारतीय टीम में वापसी का अपना दावा और मजबूत करते हुए चार ओवर में सिर्फ 16 रन दिए जिससे मेघालय की टीम छह विकेट पर 127 रन ही बना सकी। बंगाल ने इसके जवाब में सलामी बल्लेबाजों अभिषेक पोरेल (61) और करण लाल (42) के बीच पहले विकेट की 80 रन की साझेदारी से 49 गेंद शेष रहते चार विकेट पर 128 रन बनाकर जीत दर्ज की। मेघालय की ओर से एरियन संगमा (37) और लैरी संगमा (38) ने उपयोगी पारियां खेलीं। इंदौर में ग्रुप बी मैच में गुजरात ने अक्षर पटेल (19 रन पर 2 विकेट) और रवि बिश्नोई (16 रन पर एक विकेट) की धारदार गेंदबाजी से सिक्किम को तीन ओवर शेष रहते छह विकेट से हराया।

सिक्किम की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 101 रन ही बना सकी। इसके जवाब में गुजरात ने भी जल्दी-जल्दी विकेट गंवाए लेकिन सलामी बल्लेबाज आर्य देसाई के नाबाद 47 रन की बदौलत टीम 17 ओवर में चार विकेट पर 102 रन बनाकर जीत दर्ज करने में सफल रही। देसाई ने अपनी पारी में 48 गेंद का सामना करते हुए छह चौके मारे। सिक्किम की ओर से ली योंग लेपचा (18 रन पर दो विकेट) और पार्थ पलावत (10 रन पर दो विकेट) ने उम्दा गेंदबाजी की। ग्रुप बी में ही भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में बड़ौदा को सौराष्ट्र के खिलाफ 78 रन की करारी हार का सामना करना पड़ा।

सौराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हार्विक देसाई (76 रन, 39 गेंद, 9 चौके, 4 छक्के), रुचित अहीर (57 रन, 30 गेंद, 3 चौके, 5 छक्के) और जय गोहिल (53 रन, 18 गेंद, 2 चौके, 6 छक्के) के अर्धशतक से 6 विकेट पर 266 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। बड़ौदा के कप्तान कृणाल पंड्या ने चार ओवर में 59 रन लुटाए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इसके जवाब में बड़ौदा की टीम आठ विकेट पर 188 रन ही बना सकी। बड़ौदा की ओर से सलामी बल्लेबाज शाश्वत रावत ने सर्वाधिक 38 रन बनाए।